Weather Report
अधिकतम तापमान: 32.0c
न्यूनतम तापमान: 21.0c
हवा गति: 11 कि./घं.
जयपुर सूर्योदय समय
सुबह: 6.06

दैनिक
sanjeevnitoday.com
संजीवनी टुडे
समय के साथ बढ़ता अखबार

वर्ष: 11 अंक: 78 | जयपुर, मंगलवार, 20 अगस्त 2024 | पृष्ठ:8 मूल्य: ‘1.50

अब होंगी खुशियों की बात संजीवनी टुडे के साथ
जन्मदिवस, वैवाहिक वर्षगांठ एवं नियुक्ति बधाई संदेश
मात्र 1100/- में
साईज 8X8 cm
संजीवनी टुडे
e-mail: sanjeevnitoday@gmail.com

कोलकाता रेप-मर्डर केस, डॉक्टर की पहचान उजागर करने वाला अरेस्ट

आरोपी ने पोस्ट में ममता बनर्जी को जान से मारने की धमकी दी थी

■ संजीवनी टुडे

कोलकाता/नई दिल्ली। कोलकाता में ट्रेनी डॉक्टर के रेप-मर्डर के विरोध में दिल्ली समेत देशभर के रेजिडेंट डॉक्टर हड़ताल पर हैं। इस बीच कोलकाता पुलिस ने एक कॉलेज स्टूडेंट को ट्रेनी डॉक्टर की पहचान उजागर करने के आरोप में गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बताया कि स्टूडेंट ने सोशल मीडिया पर तस्वीर शेयर कर ट्रेनी डॉक्टर की जानकारी पब्लिक डोमेन में डाली। पोस्ट में उसने एख्र ममता बनर्जी को जान से मारने की भी धमकी दी थी। इसे लेकर केस दर्ज कर लिया गया है। इसके अलावा दिल्ली में एम्स के रेजिडेंट डॉक्टरों ने स्वास्थ्य मंत्रालय के बाहर ग्घ्क लगाई। उन्होंने डॉक्टरों की सुरक्षा की मांग को लेकर नारेबाजी करते हुए कहा- ट्रेनी डॉक्टर के परिवार को न्याय मिलना चाहिए। दरअसल, 9 अगस्त को कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज में एक ट्रेनी डॉक्टर से रेप और हत्या की गई थी। 14 अगस्त की देर रात इसी अस्पताल में हिंसा हुई, जिसके बाद डॉक्टरों ने प्रदर्शन तेज किया। दिल्ली में स्वास्थ्य मंत्रालय के बाहर निर्माण भवन इलाके में डॉक्टरों ने सफ़ेद कोट लहराकर प्रदर्शन किया। मुंबई के आजाद मैदान में रेजिडेंट डॉक्टरों ने नारेबाजी कर प्रोटेस्ट किया। उन्होंने कहा कि पीड़ित परिवार को मुआवजा मिलना चाहिए। अमृतसर के गुरु नानक देव अस्पताल में जूनियर डॉक्टरों ने प्रदर्शन किया।

मेडिकल कॉलेज के पास धारा 163 लागू

कोलकाता पुलिस ने आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल के पास आज (18 अगस्त) से भारतीय न्याय संहिता की धारा 163 (पहले सीआरपीसी की धारा 144) लागू कर दी है। इस आदेश में कहा गया है कि अगले 7 दिनों (24 अगस्त) तक धरना-प्रदर्शन पर रोक रहेगी। 5 से ज्यादा लोगों के जुटने, हथियार लेकर जाने या तनाव पैदा करने वाली किसी भी गतिविधियों की अनुमति नहीं होगी।

ट्रेनी डॉक्टर की डायरी के पन्ने गायब

ट्रेनी डॉक्टर की मां ने बताया कि उनकी बेटी रोज डायरी लिखती थी। हालांकि अब सामने आया है कि डायरी के कई पन्ने गायब (फटे) हैं। माना जा रहा है कि पीड़िता की मौत से जुड़ा कोई राज इन पन्नों में छिपा था। मृतका की मां का दावा है कि सबूत मिटाने के मकसद से पन्ने फाड़ दिए गए होंगे। पुलिस ने दूसरे सबूतों के साथ डॉक्टर का लैपटॉप और वह डायरी सीबीआई को सौंप दी है। पुलिस सूत्रों ने बताया कि एसआईटी को उस डायरी से इस घटना के बारे में कोई संकेत नहीं मिला था। हालांकि सीबीआई ने पीड़िता की डायरी को जांच का प्रमुख पहलू बना लिया है। इस दौरान मरीजों का इलाज सिर्फ सीनियर डॉक्टरों ने ही किया। कोलकाता में ट्रेनी डॉक्टर के परिवार को इंसाफ दिलाने की मांग को लेकर तेज बारिश में भी हेल्थ केयर ने नारेबाजी की। डॉक्टरों और स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के बीच आज की बैठक में सहमति नहीं बन पाई।

पिता बोले- सीएम ममता से संतुष्ट नहीं, मुआवजा नहीं लेंगे

पीड़ित के पिता ने बंगाल सरकार पर घटना को लेकर लोगों के आक्रोश को दबाने का भी आरोप लगाया। उन्होंने कहा, ‘हम एख्र ममता बनर्जी से संतुष्ट नहीं हैं। राज्य सरकार विरोध-प्रदर्शन को दबाने की कोशिश कर रही है। पूरा डिपार्टमेंट इसमें शामिल है। कॉलेज से भी किसी ने हमारी मदद नहीं की। हमने कोई भी मुआवजा लेने से इनकार कर दिया है। जिसके चलते एम्स (फ़ेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया मेडिकल एसोसिएशन) अपनी हड़ताल जारी रखेगा। एसोसिएशन ने कहा, अब सुप्रीम कोर्ट इस पर फैसला करेगा। आरजी कर मेडिकल कॉलेज के पूर्व प्रिंसिपल संदीप घोष से लगातार चौथे दिन भी पूछताछ हो रही है। सूत्रों के मुताबिक एउत्रसंदीप घोष के जवाबों से सहमत नहीं है।घोष के बयानों और पीड़िता के परिवार के बयानों में अंतर दिख रहा है। अटकलें हैं कि जांच के हिस्से के रूप में पॉलीग्राफ टेस्ट कराया जा सकता है। कोलकाता पुलिस कमिश्नर और आरजी कर मेडिकल कॉलेज के पूर्व प्रिंसिपल की गिरफ्तारी की मांग करने पर ङ्खख्र्रए नेता सुखेंदु रॉय को पुलिस ने समन जारी किया है। रॉय ने इसके खिलाफ कलकत्ता हाईकोर्ट में अपील की है। 20 अगस्त को इस पर सुनवाई होगी। ट्रेनी डॉक्टर के रेप-मर्डर केस में सुप्रीम कोर्ट ने रविवार (18 अगस्त) को स्वतः नोटिस लिया। 20 अगस्त को सुबह 10.30 बजे चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ की बेंच मामले की सुनवाई करेगी।

जयपुर में डीपीएस स्कूल-मॉल को बम से उड़ाने की धमकी

मेल में लिखा- तुम में से कोई भी जीने लायक नहीं, मैं सबको मार दूंगा

■ संजीवनी टुडे

जयपुर। जयपुर में आज फिर से स्कूल और मॉल में बम की सूचना पर हड़कंप मच गया। सुबह करीब 11 बजे दिल्ली पब्लिक स्कूल में बम होने की सूचना पुलिस कंट्रोल रूम को मिली। इस पर टीमें मौके पर भेजी गई। दो घंटे सर्च करने के बाद भी कुछ नहीं मिला। दोपहर 3 बजे आदर्श नगर स्थित पिंक स्क्वायर मॉल की आईडी पर मेल के जरिए बम होने की धमकी दी गई। सूचना पर करीब 3.30 बजे पुलिस दोबारा से हरकत में आई। पुलिस ने मॉल को खाली कराया और बम निरोधक दस्ते की मदद से मॉल में 3 घंटे सर्च किया, लेकिन कुछ भी नहीं मिला। पुलिस अधिकारियों ने बताया- धमकी का मेल अंग्रेजी में किया गया है। इसमें लिखा है कि तुम कष्ट के अलावा कुछ भी पाने के लायक नहीं हो। मुझे मानवता से नफरत है। तुम में से कोई भी जीने लायक नहीं है। मैं तुम सब को मार दूंगा। मेल मिलने पर मॉल के सिक्योरिटी इंचार्ज ने पुलिस कंट्रोल रूम को जानकारी दी। पुलिस टीमें मौके पर पहुंची और मॉल में मौजूद लोगों को बाहर निकाला। पुलिस मान रही है कि कोई पुलिस को परेशान करने के लिए इस तरह से मेल और मैसेज कर रहा है। इससे पहले भी कई बार मेल करके बम से उड़ाने की धमकी दी जा चुकी

है। हर बार पूरा मामला झूठा साबित होता है। सुबह करीब 11 बजे पुलिस कंट्रोल रूम में फोन आया। फोन करने वाले ने अजमेर रोड स्थित दिल्ली पब्लिक स्कूल में बम होने की बात कही। इस पर पुलिस टीम मौके पर और सर्च शुरू किया। करीब 2 घंटे के सर्च के बाद भी कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली। इस पर पुलिस ने राहत की सांस ली। दोपहर करीब करीब 3 बजे आदर्श नगर स्थित पिंक स्क्वायर मॉल की आईडी पर मेल के जरिए बम होने की धमकी दी गई। सूचना पर करीब 3.30 बजे पुलिस दोबारा से हरकत में आई। पुलिस ने मॉल को खाली कराया और बम निरोधक दस्ते की मदद से मॉल में 3 घंटे सर्च किया, लेकिन कुछ भी नहीं मिला। रविवार को भी जयपुर के अस्पतालों में बम ब्लास्ट की धमकी दी गई थी।

जरांगे ने फडणवीस को मराठा आरक्षण में रुकावट बताया

डिप्टी सीएम बोले- अगर सीएम शिंदे ऐसा कहते हैं तो मैं राजनीति छोड़ दूंगा

■ संजीवनी टुडे

मुंबई। महाराष्ट्र में मनोज जरांगे मराठा आरक्षण को लेकर मांग कर रहे हैं। जरांगे लगातार डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस पर मराठा आरक्षण देने में रुकावट डालने का आरोप लगा रहे हैं। इसपर फडणवीस ने सोमवार (19 अगस्त) को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि अगर सीएम एकनाथ शिंदे मुझे आरक्षण में बाधा मानते हैं तो मैं राजनीति छोड़ दूंगा। मराठा आरक्षण में रुकावट डालने के सवाल पर फडणवीस कहते हैं कि कोई उपमुख्यमंत्री मुख्यमंत्री से बड़ा नहीं होता। हम दोनों लोग मिलकर काम करते हैं। जरांगे पाटिल को खुद शिंदे जी से मिलकर इस बारे में पूछना चाहिए। अगर सीएम एकनाथ शिंदे जी कहते हैं कि मैं आरक्षण में बाधा हूं तो मैं इस्तीफा दे दूंगा और राजनीति छोड़ दूंगा। जानबूझकर इस तरह की कहानी गढ़ना गलत है। जरांगे ने पिछले साल जुलाई में जालना के अंतरवाली सरती में मराठा आरक्षण के लिए अनशन किया था। इस दौरान जरांगे ने डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस और उनके कैबिनेट सहयोगी छगन भुजबल पर आरक्षण रोकने का आरोप लगाया था। जरांगे ने कहा था कि दोनों ने मराठा आरक्षण मुद्दे के हल न करने के लिए सरकार पर दबाव डाला है। अनशन के दौरान कार्यकर्ताओं की

भीड़ पर लाठीचार्ज करने पर भी जरांगे ने फडणवीस को जिम्मेदार बताया था। मराठा समुदाय को अलग से आरक्षण देने के फैसले को सुप्रीम कोर्ट ने रद्द कर दिया। इसके बाद मनोज जरांगे पाटिल समेत कई लोग दावा कर रहे हैं कि मराठा समाज मूल रूप से कुनबी जाति से है। यानी मराठा समुदाय को कुनबी प्रमाणपत्र दिया जाता है तो आरक्षण मिलने पर उसे ओबीसी कोटे से लाभ मिल जाएगा। फिलहाल राज्य में ओबीसी कोटे से आरक्षण 19 फीसदी है। ओबीसी समुदाय के संगठनों का मानना है कि अगर इसमें मराठा समुदाय को भी शामिल किया गया तो आरक्षण का फायदा नए लोगों को मिलेगा। हमारा विरोध मराठा आरक्षण से नहीं बल्कि उन्हें ओबीसी से आरक्षण देने को लेकर है।

सर्वदलीय बैठक में फैसला हुआ था- मराठा आरक्षण मिलना चाहिए

महाराष्ट्र में सीएम एकनाथ शिंदे की अध्यक्षता में 1 नवंबर 2023 को सर्वदलीय बैठक में सभी दलों ने सहमति जताई कि मराठा समुदाय को आरक्षण मिलना ही चाहिए। इस बैठक में शरद पवार समेत 32 पार्टियों के नेता शामिल हुए थे। बैठक के बाद एख्र शिंदे ने कहा था- यह निर्णय लिया गया है कि आरक्षण कानून के दायरे में और अन्य समुदाय के साथ अन्याय किए बिना होना चाहिए। आरक्षण के लिए अनशन पर बैठे मनोज जरांगे से अपील है कि वो अनशन खत्म करें। हिंसा ठीक नहीं है।

उमर अब्दुल्ला बोले- सरकार बनने पर पाकिस्तान से बात करेंगे

इसमें गलत क्या, अटल बिहारी ने कहा था- हम दोस्त बदल सकते हैं, पड़ोसी नहीं

■ संजीवनी टुडे

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेता उमर अब्दुल्ला ने सोमवार (19 अगस्त) को कहा कि पाकिस्तान से बातचीत शुरू करनी चाहिए। उमर ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि अगर वे सरकार में आए तो वे भारत-पाकिस्तान के बीच बातचीत की शुरुआत कराने का प्रयास करेंगे। उन्होंने कहा कि इसमें गलत क्या है, हम हमेशा से बातचीत के पक्ष में रहे हैं। पूर्व पीएम अटल बिहारी वाजपेयी ने भी कहा था कि हम दोस्त बदल सकते हैं लेकिन पड़ोसी नहीं। आज पाक से बातचीत करने की स्थिति में नहीं, लेकिन भविष्य में बातचीत की संभावना बन सकती है। इलेक्शन कमीशन ने 16 अगस्त को जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव की तारीखों का ऐलान किया। राज्य में तीन फ़ेज में वोटिंग होगी। यहां विधानसभा की कुल 90 सीटें हैं। बहुमत का आंकड़ा 46 है। चुनाव आयोग के मुताबिक, जम्मू-कश्मीर में चुनाव के पहले फ़ेज के लिए गजट नोटीफिकेशन 20 अगस्त से शुरू हो जाएगा। पहले फ़ेज के नॉमिनेशन के लिए आखिरी तारीख 27 अगस्त होगी। कांग्रेस जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव के लिए नेशनल कॉन्फ्रेंस (गए) और पीडीपी से गठबंधन बनाने की कोशिश में है। पार्टी ने कहा- गठबंधन बनाने का उद्देश्य भाजपा को हराना है।

फारूक अब्दुल्ला ने कहा था- पाकिस्तान ने चूड़ियां नहीं पहनी

इससे पहले मई महीने में जम्मू-कश्मीर के पूर्व एख्र और उमर अब्दुल्ला के पिता फारूक अब्दुल्ला ने भी पकिस्तान का जिक्र किया था। फारूक ने राजनाथ सिंह के ‘घ्ग्रख का भारत में विलय होगा’ के बयान पर टिप्पणी की थी। फारुख ने कहा था कि ‘पाकिस्तान ने चूड़ियां नहीं पहन रखी हैं और उसके पास परमाणु बम भी हैं जो हम पर गिरेंगे।’ उनकी इस टिप्पणी पर काफी राजनीतिक प्रतिक्रिया देखने को मिली थी। दरअसल अप्रैल महीने में पश्चिम बंगाल के दार्जिलिंग में रैली को संबोधित करते हुए राजनाथ सिंह ने कहा था कि भारत में हो रहे विकास को देखते हुए पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर के लोग खुद भारत के साथ रहने की मांग करेंगे। सुप्रीम कोर्ट ने 30 सितंबर 2024 तक जम्मू कश्मीर में चुनाव कराने का आदेश दिया था। राज्य से अनुच्छेद 370 हटने के बाद ये पहला विधानसभा चुनाव होगा। केंद्र सरकार ने 5 अगस्त 2019 को आर्टिकल 370 हटाया था। इसके बाद से यहां ख्रक्क मनोज सिन्हा प्रशासक हैं। चुनाव के बाद नई सरकार का कार्यकाल 6 साल की जगह 5 साल का होगा। इसके लिए समान विचारधारा वाली पार्टियों को साथ आना होगा।

भाजपा से किरण चौधरी होंगी राज्यसभा उम्मीदवार

■ संजीवनी टुडे

उपचुनाव में जीत तय, बेटी का टिकट कटने पर छोड़ी थी कांग्रेस

चंडीगढ़। हरियाणा में 3 सितंबर को होने वाले राज्यसभा चुनाव के लिए 21 अगस्त को भाजपा की तरफ से किरण चौधरी नामांकन दाखिल कर सकती हैं। भाजपा ने अभी उन्हें उम्मीदवार घोषित नहीं किया है, लेकिन चर्चा है कि उनका नाम फाइनल हो गया है, जल्द अनाउंसमेंट हो जाएगी। किरण चौधरी अपनी बेटी श्रुति चौधरी का कांग्रेस से टिकट कटने पर लोकसभा चुनाव के बाद 19 जून को भाजपा में शामिल हो गई थीं। तभी चर्चा शुरू हो गई थी कि किरण चौधरी राज्यसभा जा सकती हैं। प्रदेश में राज्यसभा की 5 सीट हैं। कांग्रेस के दीपेंद्र हुड्डा के लोकसभा सांसद बनने के बाद राज्यसभा सीट खाली हुई थी। दीपेंद्र हुड्डा का राज्यसभा का कार्यकाल अप्रैल 2026 तक था। चूंकि उनका शेष

कार्यकाल एक वर्ष से अधिक है, इसलिए भारतीय चुनाव आयोग इस सीट पर उपचुनाव करा रहा है। राज्यसभा चुनाव के लिए नॉमिनेशन की प्रक्रिया 14 अगस्त से शुरू हो चुकी है। उम्मीदवार 21 अगस्त नॉमिनेशन फाइल कर सकेंगे। 27 अगस्त को प्रत्याशी नाम वापस ले सकेंगे। 3 सितंबर को वोटिंग के बाद ही रिजल्ट जारी होगा। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा पहले ही कह चुके हैं कि कांग्रेस के पास विधानसभा में पूरे नंबर नहीं है। विधानसभा में कांग्रेस के केवल 28 विधायक हैं। इनमें तोशाम की विधायक किरण चौधरी शामिल नहीं हैं, क्योंकि वह भाजपा में शामिल हो चुकी हैं। पर्याप्त संख्याबल नहीं होने के कारण कांग्रेस चुनाव से दूर रहेगी। कांग्रेस को 3 निर्दलीय विधायकों का समर्थन प्राप्त है। इन्हें मिलाकर कांग्रेस के पास 31 विधायक ही बनते हैं। राज्यसभा सीट का चुनाव जीतने के लिए विधानसभा में 44 विधायकों की जरूरत है। अगर कोई 13 विधायक लेकर आता है।

राहुल काफिला छोड़कर उबर कैब में बैठेः ड्राइवर बोला

दिल्ली के सारे फ्लाईओवर कांग्रेस ने बनवाए, राहुल बोले- हां, आसमान से तो गिरे नहीं

■ संजीवनी टुडे

नई दिल्ली। लोकसभा नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी सोमवार को दिल्ली में उबर कैब में बैठे। उन्होंने अपने फोन से 10, जनपथ के लिए टैक्सी बुक की। इसके लिए उन्होंने 438 रुपए किराया दिया। टैक्सी में राहुल ड्राइवर के बगल वाली सीट पर बैठे और यात्रा के दौरान ड्राइवर से बातचीत की। राहुल ने करीब 12 मिनट का वीडियो सोशल मीडिया ङ्ग पर शेयर किया। कैब के आते ही राहुल गांधी गाड़ी में बैठे और ड्राइवर से उसका नाम पूछा। यात्रा के बाद राहुल ने एक बैग में ड्राइवर को कुछ गिफ्ट दिया और उससे हाथ मिलाया। ड्राइवर ने कहा मेरा नाम सुनील उपाध्याय है। मैं यूपी के एटा से हूं। कैब कब से चला रहे हो और कितनी ड्राइविंग करते हो? करीब पांच साल से टैक्सी चला रहा हूं। 12-12 घंटे हो जाते हैं। कभी-कभी तो दो दिन तक गाड़ी में ही रहता हूं। जहां कोई गाड़ी नहीं जाती। वहां ओला-उबर जाती है। एक दिन सड़क पर बोनट तक पानी था, लेकिन कस्टमर गाड़ी से नहीं उतरा। राइड खत्म होने के बाद राहुल ने ड्राइवर को गिफ्ट दिया। बाद में उसके परिवार को नाश्ते के लिए इनवाइट किया। राहुल एक रेस्टोरेंट में परिवार से मिलने गए।

26 जुलाई को यूपी में मोची से मिले थे राहुल गांधी, पूछा था- घर कैसे चलता है

राहुल गांधी 26 जुलाई को सुल्तानपुर के एमपी/एमएलए कोर्ट में पेश हुए थे। वापस लखनऊ लौटते समय कूरेभार के विधायक नगर चौराहे पर पहुंचे तो अचानक उनका काफिला राम चैत मोची की दुकान के पास रुक गया। यहां 5 मिनट रूककर राहुल ने उनसे व्यापार के बारे में बातचीत की, सेल्फी ली। इस दौरान मोची से राहुल ने पूछा- जुता कैसे बनाते हो। इसके बाद उनका काफिला पूर्वांचल एक्सप्रेस वे के लिए

निकल गया। उन्होंने सभी के लिए छोले-भटूरे, पापड़ी चाट, आलू की टिक्की और गोलगप्पे मंगवाए। सभी ने साथ में खाया। इस दौरान राहुल ने ड्राइवर की पत्नी से पूछा कि बच्चों को स्कूल भेजते हो। पत्नी ने कहा- एक बच्चे को भेजते हैं। बेटी नहीं जाती। इतनी महंगाई में कुछ बचता ही नहीं है। राशन, घर के किराए में सबकुछ चला जाता है।

4 जुलाई को राहुल दिल्ली में मजदूरों से मिले थे, फावड़ा चलाया, राज मिस्त्री का काम किया

राहुल गांधी ने 4 जुलाई को दिल्ली के गुरु तेगबहादुर नगर में मजदूरों से मुलाकात की थी। कांग्रेस ने इसका वीडियो और 4 फोटो अपने ङ्ग हैंडल पर शेयर किए थे। साथ ही कांग्रेस ने लिखा कि ये मेहनती मजदूर हिंदुस्तान की अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं। इनके जीवन को सरल और भविष्य को सुरक्षित करना हमारी जिम्मेदारी है। राहुल ने फावड़ा चलाया था और राज मिस्त्री का काम किया था।

पीएम मोदी 23 अगस्त को यूक्रेन जाएंगे

यह किसी भारतीय प्रधानमंत्री की पहली यात्रा, इससे पहले दो दिन पोलैंड में रहेंगे

■ संजीवनी टुडे

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 23 अगस्त को यूक्रेन जाएंगे। यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की ने पीएम मोदी को यूक्रेन आने का न्योता दिया था। यूक्रेन 1991 में अलग देश बना था। उसके बाद किसी भारतीय प्रधानमंत्री ने वहां की यात्रा नहीं की है। प्रधानमंत्री यूक्रेन से पहले 21 और 22 अगस्त को पोलैंड में रहेंगे। पिछले 45 साल में किसी भारतीय प्रधानमंत्री की यह पहली पोलैंड यात्रा है। इससे पहले 1979 में मोरारजी देसाई वहां गए थे। विदेश मंत्रालय ने प्रधानमंत्री के यूक्रेन जाने की जानकारी दी है। एमईए में सचिव तन्मय लाल ने कहा- भारत के रूस और यूक्रेन दोनों के साथ संबंध हैं। प्रधानमंत्री वहां रूस-यूक्रेन जंग खत्म करने पर भी चर्चा करेंगे। इससे पहले प्रधानमंत्री रूस गए थे, जहां कई मुद्दों पर चर्चा हुई थी। घ्ख्र मोदी ने 20 मार्च को पुतिन और जेलेंस्की दोनों से फोन पर बात की थी। उन्होंने रूस-यूक्रेन जंग पर भारत का रुख दोहराया था। लाल ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की से कई मौकों पर बात की है। पिछले एक साल में ऐसी कई मुलाकातों के बाद अब वे यूक्रेन में दोबारा मिलेंगे। उन्होंने बताया कि अब तक यूक्रेन को दवाइयों, मेडिकल उपकरणों और पावर जनरेटर्स के 16 पैकेज दिए जा चुके हैं। अब तक करीब 135 टन रिलीफ मटेरियल वहां भेजा गया है। आगे भी मदद जारी रखने के तरीकों पर विचार किया जाएगा। पीएम मोदी 8 और 9 जुलाई को रूस के दौरे पर गए थे। वहां मोदी ने पुतिन को गले लगाया था। इस पर यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने सोशल मीडिया पर लिखा था- दुनिया के सबसे बड़े लोकतांत्रिक देश के नेता का दुनिया के सबसे खूनी नेता को गले लगाना निराशाजनक है। दरअसल, जिस दिन मोदी और पुतिन की मुलाकात हुई थी, उसी दिन रूस ने कीव में बच्चों के एक अस्पताल पर हमला किया था, जिसमें 41 लोगों की मौत हुई थी।

जम्मू-कश्मीर में आतंकी हमला, सीआरपीएफ इंस्पेक्टर की मौत

आतंकियों ने उधमपुर में पेट्रोलिंग पार्टी पर फायरिंग की, कल से चुनावी प्रक्रिया शुरू हो रही

■ संजीवनी टुडे

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के उधमपुर में सोमवार को आतंकियों की फायरिंग में एटघ्क्क इंस्पेक्टर की मौत हो गई। सीआरपीएफ और जम्मू-कश्मीर पुलिस की जॉइंट ऑपरेशन टीम रामनगर के चील इलाके में रूटीन पेट्रोलिंग पर थी, उसी दौरान आतंकियों ने गोलीबारी की। सीआरपीएफ इंस्पेक्टर की पहचान कुलदीप के रूप में हुई है। एनकाउंटर जारी है। जम्मू-कश्मीर में कल यानी 20 अगस्त से चुनावी प्रक्रिया शुरू होने से एक दिन पहले यह आतंकी वारदात हुई है। प्रदेश की 90 विधानसभा सीटों पर 3 फ़ेज में 18 सितंबर, 25 सितंबर और 1 अक्टूबर को वोट डाले जाएंगे। 20 अगस्त को नोटिफिकेशन जारी होंगे। इससे पहले डोडा में 14 अगस्त को सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच मुठभेड़ में आर्मी के 48 राष्ट्रीय राइफल के कैप्टन दीपक सिंह शहीद हो गए थे। वह डोडा में असार फॉरेस्ट एरिया में चल रहे एनकाउंटर में टीम को लीड कर रहे थे। 16 जुलाई को भी डोडा में मुठभेड़ के दौरान एक कैप्टन समेत 5 जवान शहीद हुए थे।

जम्मू रीजन में आतंकी घटनाएं बढ़ीं

आज का हमला जम्मू क्षेत्र में हुआ है, जो कई सालों से कश्मीर की तुलना में शांत रहा है। जम्मू में खास तौर पर पीर पंजाल रेंज के दक्षिणी इलाकों में आतंकी गतिविधियों में तेजी आई है। यहां के घने जंगल और खड़ी पहाड़ियां आतंकियों के लिए सेफ गार्ड बन गई हैं। गृह मंत्रालय के अनुसार, 21 जुलाई तक 11 आतंकी घटनाओं और 24 ऑपरेशन में 28 लोग मारे गए हैं।

रक्षा मंत्री की बैठक के बाद पहला हमला

जम्मू-कश्मीर में बढ़ती आतंकी घटनाओं को लेकर 14 अगस्त को दिल्ली में रक्षा मंत्री ने मीटिंग की थी। इसमें एनएसए अजीत डोभाल, आर्मी चीफ जनरल उपेंद्र द्विवेदी और सुरक्षा एजेंसियों के प्रमुख शामिल हुए थे। उसके बाद यह पहली बड़ी घटना है।

खबरें फटाफट

नन्हीं महिका ने बांधा भाई को रक्षा सूत्र, गिफ्ट मे मिली पायल

संजीवनी टुडे

जयपुर। देशभर मे मनाये जा रहे भाई- बहन के अटूट प्रेम के प्रतीक पर्व रक्षाबंधन को मनाते हुए सांगानेर निवासी 2 वर्षीय नन्हीं महिका ने अपने 5 वर्षीय भाई नलिन को रक्षासूत्र बांधा व अपनी रक्षा की कामना की,वही भाई नलिन ने भी अपना प्यार जताते हुए उपहार स्वरूप पायल भेंट की। पायल उपहार मे पाकर महिका बहुत खुश नज़र आई।

स्वतंत्रता दिवस पर डॉ आर पी मीणा को किया सम्मानित

संजीवनी टुडे

दौसा । स्वतंत्रता दिवस पर उत्कृष्ट एवं विशिष्ट कार्यो के लिए दौसा जिले के महुआ क्षेत्र निवासी डॉ आर पी मीणा को सम्मानित किया गया। डॉ मीणा ने बताया की 15 अगस्त को आरपीमसी अध्यक्ष एवं निर्देशक जन स्वास्थ्य विभाग द्वारा उन्हें सम्मानित किया गया हैं डॉ मीणा अभी जयपुर में परीक्षा नियंत्रण राजस्थान पैरामेडिकल कौन्सिल जयपुर में कार्यरत हैं।

विश्व फोटोग्राफी दिवसः फोटोग्राफर्स के बेस्ट मोमेंट देखकर रोटेरियन हुए रोमांचित

संजीवनी टुडे

जयपुर। विश्व फोटोग्राफी दिवस उन सभी फोटोग्राफर को समर्पित है जिन्होंने अपनी कला से दुनिया की खूबसूरती को कैमरे में कैद किया। इस कला को अपना पैशन बनाया और अपने कैमरे से बेहतरीन तस्वीर खींचकर लोगों को अपने हुनर से अचंभित किया। जो लोग अपनी बात शब्दों के जरिए नहीं कर सकते उनके लिए फोटोग्राफी बहुत अच्छा विकल्प है ।यह कहना है रोटरी क्लब जयपुर के अध्यक्ष गिरधर माहेश्वरी का। रोटरी क्लब जयपुर की ओर से आयोजित विश्व फोटोग्राफी दिवस के अवसर पर रोटरी सभागार में राज्य के वरिष्ठ छायाकार अजय सोलोमन तथा राम सिंह चौहान को उनके उत्कृष्ट फोटो पत्रकारिता के लिए सम्मानित किया गया। क्लब अध्यक्ष गिरधर माहेश्वरी रोटेरियन प्रशांत पाल, शांतिलाल गंगवाल , आर के शर्मा, जे डी माथुर,मोजेज फिलोमन,उजास जैन ने सम्मान स्वरूप प्रशस्ति पत्र ,श्रीफल एवं स्मृति चिन्ह प्रदान किये। कार्यक्रम संयोजक पूर्व अध्यक्ष प्रदीप सिंह राजावत ने बताया कि इस अवसर पर वरिष्ठ फोटोग्राफर सुरेन्द्र जैन पारस ,भागीरथ ब्रेसनेट और राकेश शर्मा राजदीप का स्लाइड शो हुआ। जिसमें बेस्ट मोमेंट के फोटो प्रदर्शित किए गए जिन्हें देखकर रोटेरियन रोमांचित हो गये।। कार्यक्रम का संचालन शिल्पा बेन्द्रे ने किया । रोटेरियन नवीन कोठारी ने सभी का आभार व्यक्त किया।

कोहर्ट 2024 में मिले सफल उद्यमी बनने के टिप्स

संजीवनी टुडे

जयपुर। जीसीईसी ग्लोबल फाउंडेशन की ओर से दस दिवसीय ''कोहर्ट 2024'' का समापन हुआ। वर्कशॉप में स्टार्टअप इकोसिस्टम, पिच डेक डेवलपमेंट, मार्केट रिसर्च, फाइनेंस मैनेजमेंट, और फाउंडर मेंटरिंग जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर एक्सपर्ट ने प्रकाश डाला। उन्होंने वर्तमान में उद्यमियों के सामने आने वाले अवसर एवं चुनौतियों के बारे मे जानकारी दी एवं सफलता के टिप्स दिए। संस्था के निदेशक परेश गुप्ता ने बताया कि इस तरह के आयोजन से स्टूडेंट्स को सीखने को मिलता है, जो उनके करियर में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करता है।

सरला झवर की स्मृति में 30 मेधावी छात्राओं को मिली स्कॉलरशिप

संजीवनी टुडे

जयपुर। स्वर्गीय सरला झवर स्मृति संस्थान की ओर से एपेक्स हॉस्पिटल में आयोजित कार्यक्रम में स्मृति दिवस पर 30 मेधावी छात्राओं को बेहतर अंक प्राप्त करने पर स्कॉलरशिप देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के दौरान राखी कम्पिटीशन का भी आयोजन किया गया, जिसमें बच्चियों ने बढ़चढ़ के हिस्सा लिया, विजेता रही छात्राओं को भी पुरस्कृत किया गया। इस अवसर पर ब्रह्माकुमारी बहनों ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए रक्षा बंधन की महत्ता पर प्रकाश डाला एवं रक्षा सूत्र भी वितरित किए। उन्होंने रक्षा सूत्र को बेहद महत्वपूर्ण बताया। संस्थान की सचिव कुंजू झवर ने बताया कि एपेक्स हॉस्पिटल स्वर्गीय सरला झवर के अथक प्रयासों से आज इस मुकाम पर पहुंचा है।

21 अगस्त को भारत बंद को लेकर बैठक का आयोजन किया

संजीवनी टुडे

राजगढ़। रविवार को थानाराजाजी पेट्रोल पंप के सामने मेगा हाईवे के पास कालीपहाड़ी राजगढ़ स्थित मीना बालिका छात्रावास के सभागार में एसटी- एससी समुदाय की सामूहिक बैठक का आयोजन वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता जगदीश सारसर की अध्यक्षता में किया गया। पूर्व सरपंच एवं डा. भीमराव अंबेडकर समिति के अध्यक्ष अमर सिंह वर्मा ने बताया की बैठक में 1 अगस्त 2024 को सर्वोच्च न्यायालय की संविधान पीठ द्वारा एसटी- एससी वर्ग के उप वर्गीकरण के संदर्भ में दिए गए फैसले के विरोध में 21 अगस्त 2024 को प्रस्तावित भारत बंद के तहत राजगढ़ बंद के लिए रणनीति बनाई गई एवं बंद को सफल बनाने के लिए सर्वसम्मति से ''आरक्षण बचाओ - संविधान बचाओ संघर्ष समिति'' का गठन किया गया। जिसमें सेवानिवृत्त मुख्य प्रबंधक एसबीआई बनवारी लाल प्रागपुरा को संयोजक एवं गोकुल भाई मीणा डाबला जिला पार्षद को सर्व सहमति से अध्यक्ष बनाया गया। इसके अलावा जगदीश सारसर, रामकिशन आदुका , एनएल वर्मा, अमर सिंह वर्मा को सहसंयोजक, सरोज मीणा सरपंच पाटन एवं सीमा मीणा सरपंच भजेड़ा को महिला संयोजक नियुक्त किया गया। रामकिशन सरपंच , नंदलाल बैरवा, प्रभाती लाल कोली, कालूराम पलवा, नंदराम परेवा एवं तुलसीराम चैरवाल को उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया, महासचिव पद के लिए राजेश मीणा सरपंच अलेई को नियुक्त किया गया तथा कमलेश मीणा सरपंच ढिगावडा, मुकेश सारसर, मनोहर बैरवा, एडवोकेट किशन लाल वर्मा, धनपाल मीणा , सुरेश कुमार बलाई आदि को सचिव नियुक्त किया गया। प्रचार मंत्री के रूप में भगवत प्रसाद सूरेर खिल्ली पटेल कालीपहाड़ी ,लेखराज सांवरिया व जगदीश

पालीवाले को नियुक्त किया गया एवं संगठन मंत्री के रूप में समस्त एसटी एससी के सरपंच एवं जनप्रतिनिधियों को जिम्मेदारी दी गई तथा एसटी एससी के समस्त वकीलों को विधि सलाहकार के रूप में नियुक्त किया गया है। इसके अलावा युवा एवं वॉलिंटियर्स प्रकोष्ठ का भी गठन किया गया साथ ही निर्णय लिया गया कि अन्य लोगों को भी बाद में समिति में शामिल किया जा सकेगा। बैठक में निर्णय लिया गया कि राजगढ़ शहर के विभिन्न मोहल्लों के अलावा आस पड़ोस के गांव जैसे खरखड़ा, बडला ,श्रीचंद्रपुरा, दौलतपुरा ,कुण्डरौली, कालीपहाड़ी, नयागांवबोलका , इंदपुरा, धमरेड थानाराजाजी, अलेई,कारोंठ, मूनपुर, कांदोली, कोठीनारायणपुर, भांकरी, भजेड़ा, दुब्बी, पलवा, दिगावड़ा फिरोजपुर, डाबला पाटन, ओडपुर, दलालपुरा, माचाड़ी, कलेशान, खोहरीन, ठेकड़ीन, झोपड़ीन, नांगल, बल्लूपुरा, पुराना राजगढ़, सूरेर,गोठ, नीमला, रतनपुरा राजपुर बडा,सकट , नाथलवाडा, बीघोता,तालाब ,टहला सहित आदि नजदीकी गांवों से अधिक से अधिक लोगों के आने का आवाहन किया गया है। बैठक में निर्णय लिया गया की सबसे पहले सुबह 9:00 बजे डॉक्टर भीमराव अंबेडकर स्टैचू बस स्टैंड राजगढ़ पर एकत्रित होकर पर्याप्त संख्या होने के बाद विरोध जुलूस को माचाड़ी रोड होते हुए गणेश पोल से प्रारंभ किया जाएगा जो चौपड़ बाजार , मुख्य बाजार होते हुए गोल मार्केट ,सराय बाजार, मेला का चौराहा(महात्मा ज्योतिबा फुले सर्किल) होते हुए अंत में पंचायत समिति राजगढ़ में विरोध जुलूस का समापन किया जाएगा इससे पहले उपखंड मुख्यालय के सामने उपखंड अधिकारी राजगढ़ को राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री के नाम विभिन्न मांगों का ज्ञापन दिया जाएग। बैठक समापन के पश्चात संघर्ष समिति के पदाधिकारीयों द्वारा संवैधानिक दायरे में रहकर शांतिपूर्ण तरीके से भारत बंद को सफल बनाने में सहयोग के लिए व्यापारिक संगठनों को नोटिस जारी कर सहयोग करने की अपील करने का भी निर्णय लिया गया। इस अवसर पर आदिवासी सेवा संस्थान एवं डॉ भीमराव अंबेडकर समिति के पदाधिकारीयों के साथ आसपास के गांवों के एसटी एससी समाज के सैकड़ो महिला, पुरुष एवं युवा मौजूद रहे। मंच संचालन एनएल वर्मा ने किया।

गोशाला परिसर हुआ पौधरोपण

संजीवनी टुडे

धनाऊ। श्री गोपाल गोशाला धनाऊ में।सोमवार पूर्णिमा के दिन गौ सेवा करने का दान पुण्य की एक पहल करने पर गांव के ग्रामीणों ने बढ चढकर गोशाला में गायों के लिए गुड - हरा चारा खिलाया वही गोभक्तो द्वारा पोधारोपण भी किया गया गोशाला अध्यक्ष जगराम डूडी ने आमजन से अपील कर गौ सेवा सहयोग के लिए हाथ बढ़ाना को कहा है , सही अर्थ मे गौ को किसान अपने घर में पालकर खेती किसानी से लाभ ले सकता है सनातन धर्म मे गौ मे ही सभी देवी देवताओं का वास माना है और हम अगर अपने ख़ेत को गोमूत्र - गोबर से पोषण करेंगे , खेतों मे साक्षात लक्ष्मी यानी आर्थिक खुशहाली आएगी। गौ को हरा चारा खिलाएं और उन्हें प्लास्टिक, पॉलिथीन खाने से दूर रखें , यह हम सभी का दायित्व है। गौ हितैषिजन से अपील है कि गौ सेवा मे अधिकाधिक जुड़ कर गोमाता को हरा चारा खिलाकर कर नेक कार्य करे आम जन गौ सेवकों ने गौ दान को महादान मान कर ही उन्होंने गाय सेवा के लिए हमेशा चारा खिलाने की प्रेरणा ली है । इस अवसर गोभक्त टिकुराम नेहरा, सुखदेव खोथ, हनुमानराम पावड, भियाराम, सहित कई गौभक्त मौजूद रहे।

नामी वक्ताओं ने कहा- आंतरिक हैप्पीनेस ही जीवन का असल आनंद

ग्लोबल हैप्पीनेस- द की टु हैप्पीनेस एंड प्रोस्पेरिटी कार्यक्रम

संजीवनी टुडे

जयपुर। आईआईएस (डीम्ड टू बी यूनिवर्सिटी)जयपुर, ग्लोबल हैप्पीनेस फोरम और क्रैक द वेलनेस कोड फाउंडेशन इंडिया चैप्टर की ओर सेयहां शिप्रा पथ, मानसरोवर स्थित एपीजे अब्दुल कलाम ऑडिटोरियम में ग्लोबल हैप्पीनेस- द की टु हैप्पीनेस एंड प्रोस्पेरिटी कार्यक्रम हुआ। इस प्रेरणादायक और परिवर्तनकारी विषयक हैप्पीनेस एंड वेल-बीइंग सरीखे सेशन में देश-दुनिया के नामी स्पीकर्स ने जीवन में इनर हैप्पीनेस के शुद्ध अनुभव को साझा किया। तमाम वक्ताओं ने हेल्थ, वेल्थ(प्रोस्पेरिटी) और लव समेत गले मिलने से दिल को कनेक्ट करने जैसी प्रक्रिया अपनाने पर जोर दिया। पहला सुख निरोगी काया समेत घर में हो माया जैसे अहम बिन्दुओं से भी हैप्पीनेस के गहरे और संलिष्ट भावों को शिद्दत से महसूस कराया।

कार्यक्रम के दौरान लेखक के.विक्रम रस्तोगी की किताब द सीक्रेट्स ऑफ हैप्पी लॉन्ग लाइफ और सोवेनियर का विमोचन किया गया। इससे पहले आईआईएस

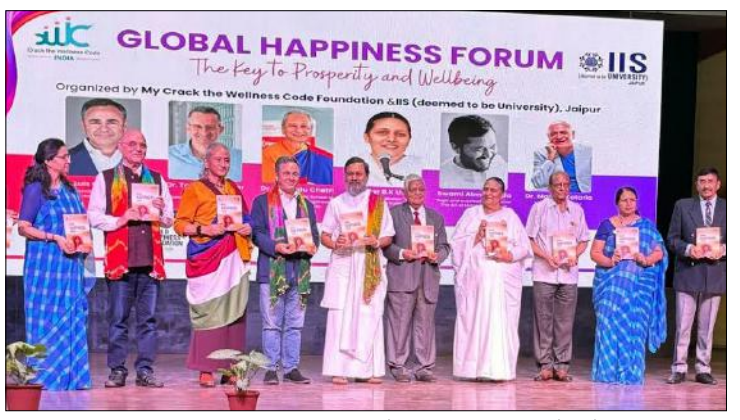

यूनिवर्सिटी की रजिस्ट्रार डॉ.राखी गुप्ता ने कहा कि यहां स्टूडेंट्स को योग और स्किल्स समेत कई अन्य पहलुओं को समझाया और अभ्यास कराया जाता है ताकि वे हैप्पीनेस के सही मायनों को अपना सकें। यूएसए (अमरीका) के वर्ल्ड हैप्पीनेस फाउंडेशन के प्रेसीडेंट लुईस गैलार्डो ने कहा कि गले मिलने से दिल सीधा कनेक्ट होता है। इस प्योर एनर्जी से व्यक्ति से व्यक्ति और फिर समाज जुड़ता है। उन्होंने बिकम ए हैप्पीटैलिस्ट का जिक्र करते हुए फ्रीडम, कॉन्शसनेस और हैप्पीनेस के असल भावों को उजागर किया। ब्रह्मा कुमारीज वर्ल्ड स्प्रिचुअल ऑर्गेनाइजेशन, इंडिया की सिस्टर बीके उषा ने श्रीमद् भागवत गीता के स्वधर्म को विस्तार से समझाया। उन्होंने कहा कि विज्डम, प्योरिटी, लव, ब्लिस और सोल पावर ही आंतरिक हैप्पीनेस है। सिस्टर बीके उषा ने कहा कि मोबाइल और अन्य गैजेट्स से दूर रहेंगे तो अपनों से जुड़ पाएंगे। सही मायने में यही हैप्पीनेस है। सीडब्ल्यूसी ग्लोबल हैप्पीनेस फोरम के फाउंडर एन. बक्शी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए रूबरू हुए। शूलिनी यूनिवर्सिटी के आध्यात्म और खुशी के डीन (योगासन) डॉ. (प्रो.) सामदु छेत्री और यूएसए हैप्पीनेस अकादमी के फाउंडर डॉ. तनबेनशहर ने इनर हैप्पीनेस के विभिन्न पहलुओं पर रोशनी डाली। बेहतर जीवन के लिए व्यावहारिक ज्ञान और खुशी सूत्र दिया गया। कार्यक्रम में मौजूद तकरीबन 600 से अधिक लोगों ने हास्य योग अभ्यास, ध्यान और सकारात्मक संकल्पों का भरपूर आनंद लिया। साथ ही स्ट्रेसलेस (तनावमुक्त) महसूस किया। शिक्षा आधारित इस कार्यक्रम में वर्ल्ड हैप्पीनेस फाउंडेशन, शूलिनी यूनिवर्सिटी, द आर्ट ऑफ लिविंग, हैप्पीनेस स्टडीज एकेडमी और ब्रह्मा कुमारीज जैसी संस्थाओं का खास सहयोग रहा। अंत में आईआईएस यूनिवर्सिटी की रजिस्ट्रार डॉ.राखी गुप्ता ने सभी आगन्तुकों का आभार जताया।

ज्ञान विहार स्कूल में जिमनास्टिक एकेडमी का भव्य उद्घाटन

खेल शिक्षा को नया आयामः ज्ञान विहार स्कूल में जिमनास्टिक एकेडमी की शुरुआत

संजीवनी टुडे

जयपुर। ज्ञान विहार स्कूल, मालवीय नगर डी ब्लॉक में जिमनास्टिक एकेडमी का उद्घाटन एक महत्वपूर्ण अवसर था। इस अवसर पर मुख्य अतिथि रीजनल कोचिंग सेंटर की प्रभारी मीना शर्मा और डायरेक्टर कनिष्क शर्मा तथा प्रिंसिपल डॉ. ऋत्विज गौड़ की ने अपने कर कमलों से उद्घाटन किया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्जवलन व कोयर ग्रुप की सरस्वती वंदना से किया गया। इससे पूर्व प्रिंसिपल डॉ ऋत्विज गौड़ ने वहां उपस्थित अर्जुन अवार्डी राम सिंह शेखावत जिला जिमनास्टिक प्रेसिडेंट अनुराग जी,जिमनास्टिक संगठन के सेक्रेटरी हितेश जी तथा डायरेक्टर स्पोर्ट्स राष्ट्रीय हॉकी प्लेयर डॉ अतुल माथुर को ज्ञानविहार का सेशे पहनाकर उनका अभिनंदन किया। डायरेक्टर कनिष्क शर्मा ने अपने वक्तव्य में कहा''यह जिमनास्टिक एकेडमी हमारे विद्यार्थियों के लिए नए अवसर और संभावनाओं के द्वार खोलेगी। खेल शिक्षा का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है, और इसके माध्यम से बच्चे न केवल शारीरिक रूप से स्वस्थ होते हैं, बल्कि मानसिक और अनुशासनात्मक विकास भी प्राप्त करते हैं। हमें गर्व है कि हम अपने स्कूल में इस प्रकार की उत्कृष्ट सुविधाएं प्रदान कर पा रहे हैं, और हम आशा करते हैं कि हमारे छात्र यहां से राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाएंगे।'' मीडिया कोऑर्डिनेटर रेनू

शब्द मुखर ने बताया कि मीना शर्मा जी संबोधित करते हुए कहा कि''यह जिमनास्टिक एकेडमी विद्यार्थियों को शारीरिक दक्षता और आत्मविश्वास विकसित करने का सुनहरा अवसर प्रदान करेगी। और ज्ञानविहार स्कूल में यह पहली ऐसी एकेडमी है जिसमें सारे उपकरण विद्यमान है मुझे विश्वास है कि यहां से भविष्य के कई उत्कृष्ट जिमनास्ट निकलेंगे जो हमारे देश का नाम रोशन करेंगे। स्कूल द्वारा यह पहल वास्तव में सराहनीय है। तत्पश्चात विद्यार्थियों द्वारा जिमनास्टिक का कलात्मक प्रदर्शन किया गयाजिसे सभी दर्शकों ने सराहा।इस अवसर पर सभी शिक्षक गण उपस्थित रहे।

एससी/एसटी आरक्षण के संबंध में सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री का बड़ा बयान, उप वर्गीकरण का प्रावधान नहीं यह असंवैधानिक

संजीवनी टुडे

जयपुर। अनुसूचित जाति व अनुसूचित जनजाति के आरक्षण उप वर्गीकरण को लेकर 21अगस्त के भारत बंद से पहले राजस्थान के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता अविनाश गहलोत ने बड़ा बयान दिया है। मंत्री अविनाश गहलोत ने सोमवार को एक प्रेस कांफ्रेंस के दौरान कहा कि अनुसूचित जाति एवं जनजाति को आरक्षण संवैधानिक प्रावधानों के अंतर्गत प्रदत है। केंद्र सरकार द्वारा अनुसूचित जातियों एवं जनजातियों के लिए अनुच्छेद 341 और 342 के अंतर्गत केंद्रीकृत सूची का समूह बनाया गया है। उन्होंने कहा कि इसमें उप वर्गीकरण का प्रावधान नहीं है, ना ही क्रीमी लेयर की अवधारणा लागू है। उन्होंने स्पष्ट किया कि इस संबंध में केंद्र सरकार जो भी अंतिम निर्णय लेगी, राज्य सरकार द्वारा उसी अनुसार कोई कदम उठाए जा सकते। उन्होंने एक अगस्त, 2024 को सुप्रीम कोर्ट द्वारा अनुसूचित जाति एवं जनजाति के आरक्षण से संबंधित दिए गए फैसले पर कहा कि वर्ष 2004 में उच्चतम न्यायालय ने चेनाईया या बनाम

आंध्र प्रदेश सरकार के प्रकरण में निर्णय दिया था कि संविधान में जो अनुसूचित जातियां और जनजातीय दर्ज हैं उनको विभाजित नहीं किया जा सकता एवं यदि ऐसा किया जाता है तो यह संविधान के विरुद्ध होगा। अब सुप्रीम कोर्ट की 7 सदस्य पीठ ने इस निर्णय को बदल दिया है एवं यह स्पष्ट कर दिया है कि सभी एसटी एवम एससी जाति एक समान नहीं है। इनमें से कुछ जातियां और जनजातियां गत वर्षों में मिले आरक्षण के लाभ के कारण सामाजिक एवं शैक्षिक रूप से अन्य के मुकाबले में अधिक बेहतर स्थिति में आ गई है। इसके फल स्वरुप आरक्षण का अधिकांश लाभ इन्हीं जातियों ने लेना प्रारंभ कर दिया है और अन्य कई जातियों को लगभग नगण्य लाभ मिला है।

उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के निर्णय अनुसार उप वर्गीकरण का अधिकार राज्य सरकार को है। न्यायालय ने कहा है कि बिना वस्तुनिष्ठ आंकड़े इकट्ठे किए और बिना विश्लेषण और विवेचना की उप वर्गीकरण नहीं किया जाना चाहिए। गौरतलब है कि 21 अगस्त को अनुसूचित जाति जनजाति द्वारा सामुहिक भारत बंद का आह्वान किया गया है जिसको लेकर प्रशासन इससे निपटने की तैयारी कर रहा है तो वहीं सरकार भी अपने पत्ते खोलने से पहले मामले को लेकर पूरी तरह सजग नज़र आ रही है। देखना ये होगा आने वाले समय में केन्द्र सरकार इस पर क्या फैसला लेती है उसी आधार पर राज्य सरकारे अपने निर्णय ले सकती है हालांकि हाल ही में केन्द्र सरकार की कैबिनेट की बैठक में सरकार ने भी सुप्रीम कोर्ट के निर्णय को सही नहीं बताया था।

पाईरियन एश्योरेंस एंड एडवाइजरी ने खुद को पाईरैग कंसल्टिंग एलएलपी के रूप में रीब्रांड किया

एफ वाई 27 तक यूएसडी 50 मिलियन के रेवेन्यू लक्ष्य की घोषणा की

संजीवनी टुडे

जयपुर। पाईरियन एश्योरेंस एंड एडवाइजरी, एक वैश्विक कंसल्टिंग फर्म, ने पाईरैगकंसल्टिंग एलएलपी के रूप में रीब्रांड की घोषणा की है, जो एक नए ब्रांड पहचान, उद्देश्य, महत्वाकांक्षा और दृष्टि के साथ एक महत्वपूर्ण बदलाव को चिह्नित करता है। फर्म ने आने वाले वर्षों के लिए रणनीतिक लक्ष्य और विकास योजनाओं की भी घोषणा की है, जिसमें रेवेन्यू वृद्धि के लक्ष्य, टीम विस्तार, विश्वस्तर पर उपस्थिति का विस्तार और सेवा पोर्टफोलियो का विस्तार शामिल है। पाईरैग कंसल्टिंग एलएलपी का लक्ष्य एफ वाई 2026में यूएसडी 25मिलियन का रेवेन्यूलक्ष्य हासिल करना है, जो एफवाई 2025केयूएसडी 12मिलियन से अधिक है। 2021में शुरू होने के बाद से फर्म ने 210%की असाधारण वार्षिक वृद्धि दर के साथ विकास किया है, और एफ वाई 2027तक यूएसडी 50मिलियन का रेवेन्यूलक्ष्य हासिल करने की योजना बना रही है। यह फर्म की आने वाले वर्षों में लगातार विकास प्राप्त करने की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। पाईरैग कंसल्टिंग एलएलपी अमेरिका , भारत और यूके में कंपनियों को एश्योरेंस, अकाउंटिंग एडवाइजरी, बिजनेस रिस्क एडवाइजरी और टेक्नोलॉजिकल रिस्क एडवाइजरी जैसी विशेष सेवाएं प्रदान करता है। पाईरैग कंसल्टिंगका बेकर टेली यूएस के साथ एक संयुक्त उद्यम भी है, जो दुनिया की टॉप10 पब्लिक एकाउंटिंग फर्म्स में से एक है।इस से पाईरैग कंसल्टिंग की दुनिया में उपस्थिति और सेवा क्षमताओं को और मज़बूती मिली है । ग्लोबल बिजनेस के केंद्रमाने जाने वाले शहर गुरुग्राम, बेंगलुरु, और वाशिंगटन डीसी में अपने ऑफिसों के साथ-साथ, पाईरैग कंसल्टिंग एलएलपी जयपुर और चंडीगढ़ में भी मौजूद है। यह फर्मका रणनीतिक फोकस टियर-2 और 3 शहरों में अपार प्रतिभा को पहचानने और उसे विकसित करने पर है। एफ वाई 2027तक पाईरैग कंसल्टिंग का लक्ष्य 250 कर्मचारियों की मौजूदा संख्या को 1,000 से अधिक तक बढ़ाना है, जिससे सेवा क्षमताओं में सुधार होगा और फर्म के बढ़ते क्लाइंट बेसको सपोर्ट किया जा सकेगा। पूरी दुनिया में विस्तार के लिए, पाईरैग कंसल्टिंग एलएलपी का एफ वाई 2026 तक भारत में एक नया ऑफिस खोलने की और एफ वाई 2027 तक एक और अंतरराष्ट्रीय स्थान जोड़ने की योजना है। आने वाली योजनाओं पर प्रकाश डालते हुए, पाईरैग कंसल्टिंग एलएलपी के फाउंडर और मैनेजिंग पार्टनर अभिषेक गुप्ता ने कहा, ''इस ब्रांड परिवर्तन और नई पहचान के साथ, हम एफ वाई 2026 के अंत

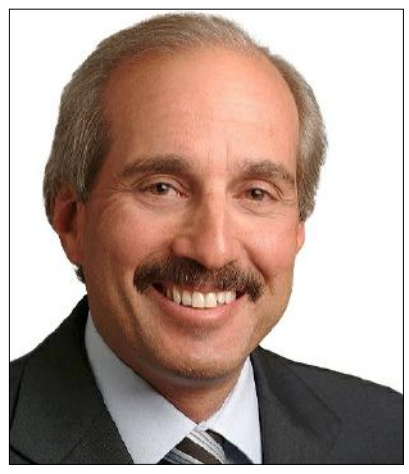

तकनई सेवाओं को पेश करने की योजना बना रहे हैं जिसमें ट्रांजैक्शन एडवाइजरी, वेंचर कैपिटल/प्राइवेट इक्विटी फंड्स के लिए सॉल्यूशंस, साइबरसिक्योरिटी और ईएसजी अनुपालन और रिपोर्टिंग शामिल हैं। हमारी रणनीतिक प्राथमिकताओं में नयी टेक्नोलोजियों को एकीकृत करने और प्रतिभाशाली कर्मचारियों को भर्ती करने की योजना है, जिससे हम विश्व स्तर पर बेहतरीन गुणवत्ता प्रदान करसकें। 104% की वार्षिक वृद्धि दर के साथ, हम लगातारविकास सुनिश्चित करने और समाज में सकारात्मक योगदान देने का लक्ष्य रखते हैं। पाईरैग कंसल्टिंग एलएलपी की स्थापना अनुभवी प्रोफ़ेशनल्स अभिषेक गुप्ता, टॉम राफा, और पाईरियन सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड ने साझेदारों के रूप में की थी। शुरुआत से हीफर्म तेजी से बढ़ी है और एडवाइजरी क्षेत्र में भारत और दुनियाभर में सबसे तेजी से बढ़ने वाली कंपनियों में से एक बन गई है। पाईरैग कंसल्टिंग एलएलपी ने अमेरिका में टॉप 15 सर्टिफाइड पब्लिक अकाउंटेंट और मैनेजमेंट कंसल्टिंग फर्म्स के साथ काम करने में एक मजबूत उपस्थिति स्थापित की है। यह फर्म दुनिया की सबसे बड़ी ई-कॉमर्स कंपनी (रीसेलर्स), दुनिया की सबसे बड़ी फूड डिलीवरी कंपनी, भारत की सबसे बड़ी और दुनिया की सातवीं सबसे बड़ी एयरलाइन, और कुछ टॉपग्लोबल वेंचर कैपिटल/प्राइवेट इक्विटी फंड्स को भी सेवाएं देती है। पाईरैग कंसल्टिंग अपने क्लाइंट्स के लिए असाधारण गुणवत्ता प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है, जिसमें 80%से अधिक कर्मचारी योग्य चार्टर्ड अकाउंटेंट्स, एमबीए , इंजीनियर और प्रतिष्ठित संगठनों से आए प्रोफ़ेशनल्स हैं। पाईरैग कंसल्टिंग का अनूठा बाजार दृष्टिकोण प्रत्येक क्लाइंटकी विशिष्ट जरूरतों के लिए कस्टमाइज्ड सॉल्यूशंस तैयार करने पर केंद्रित है। अभिषेक गुप्ता के पास भारत और अंतर्राष्ट्रीय बाजारों में क्लाइंट्स के साथ काम करने का 20 वर्षों से अधिक का विविध अनुभव है। वह एश्योरेंस और एडवाइजरी के लिए ग्लोबल ऑफशोरिंग इंडस्ट्री में पायनियर हैं, जिन्होंने ईवाई अमेरिका के लिए 1,600से अधिक प्रोफ़ेशनल्स की सबसे बड़ी ऑफशोरिंग एश्योरेंस टीम का निर्माण किया है। टॉम राफा40 वर्षों से अधिक अनुभव वाले एक सीपीए हैंजिन्होंने1984 में राफा पी.सी. की स्थापना की और इसे टॉप100 एकाउंटिंग फर्म्स में से एक बना दिया, बाद में उन्होंने मार्कम एलएलपी के साथ विलय किया जहां उन्होंने नॉन-प्रॉफिट सोशल सेक्टर ग्रुप का नेतृत्व किया। वह समाज में सकारात्मक परिवर्तन के प्रति समर्पित एक सोशल इंटरप्रेन्योर हैं। पाईरियन सर्विसेज की स्थापना 2002में एक नई पीढ़ी की मैनेज्ड सर्विसेज, कंसल्टिंग और डिजिटल कंपनी के रूप में की गई थी। पिछले 22 वर्षों मेंइसने विभिन्न इंडस्ट्रीज में फैले कुछ फॉर्च्यून 500 कंपनियों और नए स्टार्ट-अप्स के साथ काम किया है। इसके पास 2,500से अधिक प्रोफ़ेशनल्स की टीम है जो वैश्विक स्तर पर अपने कार्यालयों से भारत, सिंगापुर और मिडिल ईस्ट में ग्राहकों को सेवा प्रदान करती है।

खबरें फटाफट

मोदी के जोधपुर आगमन को लेकर मारवाड़ के लोग उत्साहित : शेखावत

संजीवनी टुडे

जोधपुर। केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 25 अगस्त को जोधपुर आगमन को लेकर मारवाड़ के लोग उत्साहित हैं और उनका स्वागत करने के लिए आतुर हैं। सोमवार को सर्किट हाउस में मीडिया से बातचीत में शेखावत ने कहा कि राजस्थान उच्च न्यायालय की स्थापना के 75 वर्ष पूरे हुए हैं। अब उच्च न्यायालय अमृतकाल में प्रवेश कर रहा है। अमृतकाल की इस बेला पर प्रधानमंत्री जी के सानिध्य में पिछले वर्ष हुए कार्यक्रमों का समापन होगा। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि जोधपुर के लोग प्रधानमंत्री जी का स्वागत करने के लिए आतुर हैं। जोधपुर में अबोध बालिका से दुष्कर्म की घटना पर शेखावत ने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण घटना है। जोधपुर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार किया। मैंने निर्देश दिया है कि आरोपी को सख्त सजा मिले और तुरंत सजा का प्रावधान हो। उन्होंने कहा कि मैं यह मानता हूं कि आने वाले समय में जिस तरह से प्रधानमंमत्री जी के नेतृत्व में भारत की न्याय संहिता को स्थापित किया गया है, जिसमें त्वरित फैसले हों और पीड़ित को न्याय मिले, इसका विधान किया गया है। पोक्सो कानून और अबोध बच्चों के साथ ऐसी हैवानियत के अपराधियों को कठोरता सजा का प्रावधान है। शेखावत ने उदयपुर की घटना को दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए सभी लोगों से शांति और व्यवस्था बनाए रखने की अपील की। उन्होंने कहा कि दोषियों के खिलाफ कार्रवाई हो, ऐसा सुनिश्चित किया जाए, ऐसा प्रशासन से आग्रह करता हूं। रक्षाबंधन की शुभकामनाएं देते हुए शेखावत ने कहा कि त्योहारों की सुधीर श्रृंखला में रक्षाबंधन का त्योहार एक कौस्तुभ मणि के रूप में है। हम सब लोग राष्ट्र, प्रकृति, पर्यावरण, धर्म, संस्कृति और जीव-जंतुओं के संरक्षण का संकल्प लें।

विश्व फोटोग्राफी दिवस मनाया

संजीवनी टुडे

बीकानेर । विश्व फोटोग्राफी दिवस के मौके पर फोटोग्राफर एसोसिएशन संध,जिला बीकानेर और राजा फिल्म और इवेंट्स की तरफ से के.एम. रोड गणपति प्लाजा में बीकानेर के वेडिंग फोटोग्राफर, पत्रकार और प्रोफ़ेशनल फोटोग्राफर सहित सभी बंधुओ ने मिलकर एक साथ केक काटकर खुशियां मनाई। इस दौरान सभी ने मिलकर फोटोग्राफी क्षेत्र हो रहे बदलाव और नई तकनीक के बारे में एक दूसरे को अवगत कराया फोटोग्राफी करते समय आ रही कई चुनौतियों के बारे में भी चर्चा की गई। इस मौके पर पत्रकार वरिष्ठ फोटोग्राफर अजीज भुट्टा,शिवराज पंचारिया सचिव सुनील धीर, अध्यक्ष रामप्रताप पाणेचा,कोषाध्यक्ष विजय बोहड़ा पर्व कोषाध्यक्ष मूलचन्द दुग्गड़, मो.सब्बीर, सुनील शर्मा पत्रकार, , जाकिर आजाद, बाबू भाई, तालिब, मनोज सोलंकी, आदिल रज्जा, हन्नी गहलोत, दानिश, जुबैर, साहिद, सलीम, फिरोज, बबलू,सुभाष सेठिया,विवेक डार ,अन्य सदस्यों गणों सहित छायाकार साथियों ने कार्यक्रम में अपने विचार रखे।

अखिल भारत वर्षीय श्री महर्षि गौतम शैक्षणिकों पर आर्थिक ट्रस्ट के चुनाव पर आयुक्त देवस्थान द्वारा रोक

संजीवनी टुडे

बीकानेर । देवस्थान विभाग में पंजीकृत ट्रस्ट अखिल भारतवर्षीय श्री महर्षि गौतम शैक्षणिक एवं पारमार्थिक ट्रस्ट के संरक्षक ट्रस्टी अरुण प्रकाश जोशी जोधपुर एवं अन्य द्वारा प्रस्तुत अपील को स्वीकार करते हुए आयुक्त देवस्थान विभाग उदयपुर ने आदेश दिनांक 16 अगस्त 2024 द्वारा सहायक आयुक्त देवस्थान विभाग जोधपुर द्वारा मार्च 2024 में संपन्न चुनाव में निर्वाचित अध्यक्ष हरि गोपाल शर्मा के प्रपत्र 8 को अस्वीकार करते हुए ट्रस्ट के अध्यक्ष का पुनः चुनाव कराने के एक पक्षीय आदेश दिनांक 1 अगस्त 2024 पर अग्रिम आदेश तक रोक लगाते हुए पत्रावली उदयपुर तलब की गई है ।तथा प्रकरण में आगामी सुनवाई 1 अक्टूबर 2024 निश्चित की गई है ।ट्रस्ट के निर्वाचित अध्यक्ष हरि गोपाल शर्मा ने बताया कि देवस्थान आयुक्त द्वारा दिए गए आदेश की जानकारी सहायक आयुक्त जोधपुर सहित ट्रस्टी एवं स्व घोषित मुख्य निर्वाचन अधिकारी मुकुन देव जोशी जोधपुर व अन्य स्व घोषित चुनाव अधिकारियों को ट्रस्ट के महामंत्री द्वारा दे दी गई है। ट्रस्ट के पूर्व अध्यक्ष वीरेंद्र शर्मा तथा ओम आनंद द्विवेदी ट्रस्टी एवं पूर्व कोषाध्यक्ष द्वारा ट्रस्ट के बैंक खाते को फ्रीज करवाने से अनाधिकृत कार्रवाई पर विचार करने एवं विद्यार्थियों के हित में समाधान निकालने की दृष्टि से ट्रस्ट की प्रबंधकारिणी तथा ट्रस्टी गण की साधारण सभा की बैठक भी शीघ्र आयोजित की जाएगी विद्यार्थियों के हितों पर बाधा उत्पन्न करने वाले इन दृष्टियों के कृतयों पर साधारण सभा में विचार कर ट्रस्ट के विधान अनुसार नियम अनुसार कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

2024 में अच्छे मॉनसून के बावजूद अभी बहुत कुछ करने की ज़रूरत

संजीवनी टुडे

नई दिल्ली। 2024 का बजट राजकोषीय व्यय को विकास के साथ संतुलित करता है और देश के विकास के लिए सुधारों की अगली लहर की दिशा तय करता है। यह विकसित भारत और मुख्य रूप से कृषि अर्थव्यवस्था के उच्च विकास को बनाए रखने के लिए सभी प्रमुख तत्वों की सुविधा प्रदान करता है। ग्रामीण विकास के लिए आवंटन में वृद्धि और कृषि और संबद्ध क्षेत्रों के लिए आवंटन में 5 प्रतिशत सालाना वृद्धि के साथ, यह बजट 'अन्नदाता' यानी हमारे किसानों, हमारे देश की रीढ़ को मजबूत करेगा, जबकि समग्र अर्थव्यवस्था के विकास के लिए एक बहुत जरूरी प्रोत्साहन भी प्रदान करेगा। लक्षित पहलों की एक श्रृंखला के साथ यह बजट न केवल कृषि उत्पादकता को बढ़ावा देने का लक्ष्य रखता है, बल्कि भारतीय खेती के लिए 'डिजिटल' की ओर जोर देने के साथ एक टिकाऊ और लचीले भविष्य की कल्पना भी करता है। हेमंत सिक्का- को-चेयर, फिक्की, राष्ट्रीय कृषि समिति और प्रेसिडेंट - फार्म इक्विपमेंट सेक्टर, महिंद्रा एंड महिंद्रा लिमिटेड पानी सबसे महत्वपूर्ण कृषि इनपुट में से एक है। हाल के शोध से संकेत मिलता है कि ग्लोबल वार्मिंग के कारण मानसून का समय और स्थानिक पैटर्न नाटकीय रूप से बदल गया है। पिछले 15 वर्षों में मानसून की जांच करने पर, हमने मानसून से पहले और बाद की अवधि (विशेष रूप से पिछले 4-5 वर्षों में) के दौरान वर्षा की मात्रा में वृद्धि देखी है, लेकिन जून-सितंबर की पारंपरिक अवधि के दौरान कम बारिश हुई है। साथ ही, ऐतिहासिक डेटा (1951-2023) से पता चलता है कि 9 वर्षों में जब ला नीना से पहले एल नीनो वर्ष थे,

दक्षिण-पश्चिम मानसून की वर्षा 2 वर्षों में सामान्य से अधिक, 5 वर्षों में अधिक और 2 वर्षों में सामान्य से थोड़ी अधिक थी। दूसरे शब्दों में, और जैसा कि कई रिपोर्टों में सुझाया गया है, भारत में 2024 में सामान्य से अधिक मानसून होने की उम्मीद है। दुनिया में सबसे तेज विकास दरों में से एक होने के बावजूद हमारा देश अभी भी मानसून पर बहुत अधिक निर्भर है। दक्षिण-पश्चिम मानसून देश की वार्षिक वर्षा का लगभग 70 प्रतिशत हिस्सा प्रदान करता है, कृषि के लिए इसका महत्व ऐसा है कि यह भारत की लगभग 60 फीसदी कामकाजी आबादी को जीविका प्रदान करता है। वर्ष 2023 में दुनिया में सबसे शक्तिशाली अल नीनो घटनाओं में से एक दर्ज होने के साथ, भारत में लगातार तीसरे वर्ष असामान्य रूप से उच्च तापमान देखा गया। इसका चावल, दालें, सोयाबीन और बागवानी फसलों जैसी आवश्यक फसलों के उत्पादन पर प्रभाव पड़ा, साथ ही उन पर निर्भर लोगों की आजीविका पर भी असर पड़ा। वित्त वर्ष 24 में भारत की कृषि ग्रोस वैल्यू एडेड (जीवीए) में वित्त वर्ष 23 में 4.7 प्रतिशत की वृद्धि की तुलना में सिर्फ़ 1.4 प्रतिशत की वृद्धि हुई। मनरेगा के तहत ग्रामीण परिवारों के लिए रोज़गार की मांग और उत्पादन के बीच का अंतर 34 मिलियन कम हो गया। निर्यात पर प्रतिबंधों ने इस मुद्दे को और बढ़ा दिया, जिससे किसान के लिए कम अवशिष्ट आय बची। यदि मानसून की अनिश्चितता बनी रहती है, तो यह न केवल कृषि उत्पादन में बाधा उत्पन्न करेगी, बल्कि औद्योगिक और कॉर्पोरेट विकास और समग्र अर्थव्यवस्था में भी बाधा उत्पन्न करेगी। तो, एक अच्छे मानसून वर्ष में, ऐसी कौन सी व्यापक परिस्थितियाँ हैं जो 2024 से आगे भारत के कृषि उत्पादन, ग्रामीण खपत और देश के सकल घरेलू उत्पाद को सक्षम कर सकती हैं? जल संरक्षण और प्रबंधन- भारत के जल संसाधन सीमित हैं, और मिट्टी और जल संरक्षण के लिए आवंटन कम है, जो बजट का सिर्फ़ 2 फीसदी है। जल संरक्षण में क्षमता निर्माण में तेजी लाने की तत्काल आवश्यकता है, जिसमें बेहतर सिंचाई प्रणाली, जल संचयन और कुशल जल निकासी शामिल है। आंध्र प्रदेश, तेलंगाना और पंजाब जैसे राज्यों ने दिखाया है कि कैसे साल भर पानी की उपलब्धता कृषि उत्पादकता को काफी हद तक बढ़ा सकती है। पूरे भारत में ऐसे मॉडलों का विस्तार करके यह सुनिश्चित किया जा सकता है कि सूखाग्रस्त क्षेत्रों में भी खेती की पानी की जरूरतें पूरी की जा सकें। कृषि इन्फ्रास्ट्रक्चर को निजी निवेश की आवश्यकता है- कृषि में लचीलापन बनाने में निजी क्षेत्र की महत्वपूर्ण भूमिका है। भारत के कुल कृषि व्यय में खाद्य भंडारण का हिस्सा मात्र 8 प्रतिशत है। ऐसी सूरत में जलवायु-अनुकूल भंडारण प्रणालियों और इन्फ्रास्ट्रक्चर में निजी निवेश से फसल कटाई के बाद होने वाले नुकसान को कम किया जा सकता है और कृषि लाभप्रदता को बढ़ाया।

अमेज़न फ्यूचर इंजीनियर कार्यक्रम में छात्रवृत्ति के लिए आवेदन मांगे

संजीवनी टुडे

जयपुर। अमेज़न ने अमेज़न फ्यूचर इंजीनियर छात्रवृत्ति कार्यक्रम के लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू करने की घोषणा की। यह पहल, भारत में युवा महिलाओं को टेक्नोलॉजी में करियर बनाने में सहायता प्रदान करने से जुड़ी है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य है, कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग या संबंधित क्षेत्रों में स्नातक कर रही 500 छात्राओं को व्यापक सहायता प्रदान कर टेक्नोलॉजी उद्योग में लैंगिक अंतर को पाटना। हर चुनी गए स्कॉलर को शिक्षा संबंधी खर्च को पूरा करने में मदद करने के लिए चार साल के दौरान 200,000 रुपये की पर्याप्त छात्रवृत्ति मिलेगी। यह कार्यक्रम वित्तीय सहायता भर नहीं है, बल्कि यह एक समग्र विकास योजना प्रदान करता है जिसके तहतः 1) अमेज़न कर्मचारियों से मार्गदर्शन और सलाह जिससे स्कॉलर को करियर परामर्श मिलेगा और उन्हें उनकी शैक्षणिक और व्यावसायिक यात्रा में आगे बढ़ने में मदद मिलेगी, 2) छात्राओं को ऐसे उद्योग कौशल से लैस किया जाएगा जिनकी बेहद मांग है और उन्हें सफल करियर के लिए तैयार 10 महीने के टेक्निकल बूटकैंप के ज़रिये कौशल संवर्धन, 3) दूसरे साल के बाद अमेज़न में करियर की शुरुआत में भुगतान के साथ इंटर्नशिप के जरिये व्यावहारिक अनुभव, जिसके तहत इंजीनियरिंग से जुड़े व्यावहारिक अनुभव और वास्तविक दुनिया की चुनौतियों से निपटना सिखाया जाना शामिल है। सबसे होनहार उम्मीदवारों की पहचान करने के लिए अमेज़न कठोर मूल्यांकन प्रक्रिया अपना रही है। इसके लिए कंपनी ने फाउंडेशन फॉर एक्सलेंस (एफएफई) के साथ भागीदारी की है। छात्रवृत्ति शैक्षणिक योग्यता, वित्तीय आवश्यकता और प्रदर्शित नेतृत्व क्षमता के संयोजन के आधार पर प्रदान की जाएगी। टेक्नोलॉजी तक समान पहुंच सुनिश्चित करने के लिए, हर स्कॉलर को अपनी पढ़ाई और परियोजनाओं को सुविधाजनक बनाने के लिए एक लैपटॉप भी मिलेगा। अमेज़न फ्यूचर इंजीनियर प्रोग्राम के इंडिया लीड, अक्षय कश्यप ने कहा, ''हमारा लक्ष्य है, प्रतिभा और अवसर के बीच की खाई को पाटकर यह सुनिश्चित करना है कि योग्य छात्राओं, विशेष रूप से वंचित समुदायों की छात्राओं को अपने इंजीनियरिंग करियर में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए आवश्यक संसाधन और सहायता मिले।

शुद्ध आहार मिलावट पर वार : खाद्य सुरक्षा टीम ने जालोर शहर में की कार्यवाही, कार्यवाही में 10 हजार 400 किलो घी व 15 हजार किलो स्किम्ड मिल्क पाउडर सीज

संजीवनी टुडे

जालोर। प्रदेशभर में चल रहे शुद्ध आहार मिलावट पर वार अभियान के तहत चिकित्सा मंत्री श्री गजेन्द्र सिंह खींवसर एवम विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव श्रीमती शुभ्रासिंह द्वारा दिए गए दिशा निर्देशों की पालना में खाद्य सुरक्षा एवम औषधि नियंत्रण आयुक्त श्री इकबाल खान के निर्देशों की अनुपालना में एवं अतिरिक्त आयुक्त पंकज ओझा के सुपरविजन में संयुक्त आयुक्त डॉक्टर एस. एन. धौलपुरिया के नेतृत्व मे गठित टीम द्वारा मुखबिर द्वारा की गई शिकायत के आधार पर जालोर शहर की दो फर्मों पर कार्यवाही कर करीबन 10 हजार 400 किलोग्राम घी व 15 हजार किलोग्राम स्किम्ड मिल्क पाउडर सीज किया गया। मुख्य चिकित्सा एवम स्वास्थ्य अधिकारी डॉ रमाशंकर भारती ने बताया कि शनिवार को दोपहर बाद केंद्रीय टीम जयपुर एवम जालोर की खाद्य सुरक्षा टीम ने बड़ी कार्यवाही की जो देर रात 1:00 बजे तक चली। कार्यवाही के दौरान सिरे मंदिर रोड स्थित मेसर्स जय मां आशापुरी एजेंसी से 1 हजार किलोग्राम घी का नमूना लेकर सीज किया तथा भीनमाल रोड भागली स्थित गजानंद मिल्क प्रा.लिमिटेड से लगभग 9 हजार 400 किलोग्राम घी एवम लगभग 15 हजार किलोग्राम स्कीम्ड मिल्क पाउडर तथा दूध के जांच हेतु नमूने लेकर सीज किया गया। कार्यवाही के दौरान केंद्रीय टीम से खाद्य सुरक्षा अधिकारी विनोद शर्मा ,लोकेश शर्मा और जालोर से खाद्य सुरक्षा अधिकारी हनवंत सिंह मोजूद रहे।

गायत्री जयंती व संस्कृत दिवस मनाया

संजीवनी टुडे

बीकानेर। श्रावण शुक्ल पूर्णिमा सोमवार को गोगा गेट बाहर स्थित ऋग्वेदी ब्राह्मण गायत्री मंदिर परिसर मे गायत्री जयंती व संस्कृत दिवस समारोह का आयोजन किया गयाम्प्रातः काल ब्रह्म मुहूर्त मे वेद माता गायत्री का पंचामृत द्वारा अभिषेक व पूजन किया गया तथा मंदिर व प्रतिमा का विशेष श्रृंगार किया गयाम्इसके पश्चात मंदिर के अधिष्ठाता पंडित बंशी लाल शर्मा के सानिध्य मे गायत्री महायज्ञ का आयोजन किया गया जिसमे गायत्री महामंत्र से आहुतियां दी गयी यज्ञ के पश्चात ऋग्वेदीय राका वेद पाठशाला के प्राचार्य शास्त्री पंडित गायत्री प्रसाद शर्मा के आचार्यत्व मे वेदपाठी बटुकों ने संस्कृत दिवस पर वेद का पारायण व संस्कृत श्लोको का पाठ किया गया पाठशाला के उपप्रचार्य शास्त्री पंडित यज्ञ प्रसाद शर्मा ने सम्बोधित करते हुवे कहा की संस्कृत विश्व की सबसे प्राचीन भाषा है तथा सभी भाषाओ की जननी है सभी भारतीयों को भारतीय सांस्कृति को समझने के लिए संस्कृत का अध्ययन अवश्य करना चाहिए म्कार्यक्रम मे वेद प्रकाश शर्मा,लालचंद जोशी, नारायण प्रसाद,प्रकाश मोदी,जय खत्री, गणेश,रामदयाल चौधरीआदि ने भाग लिया तथा कार्यक्रम के अंत मे प्रसाद का वितरण किया गया।

विप्र फाउंडेशन का महाकुंभ इस बार दक्षिण भारत में

संजीवनी टुडे

तिरुपति। विप्र फाउंडेशन का इस बार विप्र महाकुंभ दक्षिण भारत के किसी एक प्रदेश में आयोजित किया जाएगा। इसके स्थान और तारीख की शीघ्र घोषणा की जाएगी। विप्र महाकुंभ की घोषणा 'इंटरनेशनल सोसायटी फॉर परशुरामकॉन्शसनेस'(आईएसपीएसी) की राष्ट्रीय संयोजक डॉ. हर्षा त्रिवेदी के तिरुपति आगमन पर आयोजित 'ब्रह्म संस्कृति जागरण' कार्यक्रम में की गई । कार्यक्रम को संबोधित करते हुए डॉ. हर्षा त्रिवेदी ने कहा कि कलियुग में संगठन ही बहुत बड़ी शक्ति है। किसी संगठन से जुड़ने का तात्पर्य मात्र शारीरिक और ऑफिशियली जुड़ना नहीं। संगठन से जुड़ने का सही मायने में अर्थ है, पूरे हृदय से, भाव से संगठन के उद्देश्यों, उसके मानव मात्र के प्रति हित चिंतन की भावना से जुड़ना। तभी अपेक्षित परिणाम प्राप्त होते हैं। उन्होंने कहा कि हर सनातनी को भगवान परशुराम की पूजा करने के साथ उनके चरित्र को समझना चाहिए ; क्योंकि शास्त्रों में भगवान परशुराम को रोगनाशक, भयनाशक और आयुष्य वृद्धि का देवता माना गया हैं । डॉ. हर्षा ने तिरुपति स्थित चार हज़ार वर्ष प्राचीन भगवान परशुराम मंदिर पहुंचकर विप्र कल्याण की कामना भी की । राष्ट्रीय महामंत्री भगवान व्यास ने बताया कि कार्यक्रम में विप्र फाउंडेशन जोन 16 ए के अध्यक्ष राजेंद्र पारीक एवं उनकी माताजी इंदिरा पारीक सहित बड़ी संख्या में विप्र जन उपस्थित थे।

पिरामल फाइनेंस का नेटवर्क 500 शाखाओं के पार पहुंचा, वित्त वर्ष 25 में 100 नई शाखाएं जोड़ने की योजना

पिछले एक साल में करीब 100 नई शाखाएं और 11 लाख ग्राहक जोड़े

संजीवनी टुडे

मुंबई। पिरामल एंटरप्राइजेज लिमिटेड की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी पिरामल कैपिटल एंड हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड, जिसे पिरामल फाइनेंस के नाम से जाना जाता है, ने आज घोषणा की कि उसने वित्त वर्ष 25 की पहली तिमाही तक 500 शाखाओं का आंकड़ा पार कर लिया है। पिछले एक साल में, कंपनी ने 100 से ज्यादा शाखाएं जोड़ी हैं, जिनमें पारंपरिक और माइक्रोफाइनेंस दोनों शाखाएं शामिल हैं। इससे इसका नेटवर्क 26 राज्यों में 501 पारंपरिक शाखाओं और 210 माइक्रोफाइनेंस शाखाओं तक पहुँच गया है। ये शाखाएं देश के बाजारों में 13,000 से ज्यादा स्थानों पर सेवाएँ देती हैं। कंपनी ने वित्त वर्ष 25 में 100 और शाखाएं जोड़ने की योजना बनाई है, जिससे 1,000 स्थानों पर 600 से अधिक पारंपरिक शाखाओं तक इसकी उपस्थिति का विस्तार होगा। कंपनी का एयूएम 70,576 करोड़ रुपये को पार कर गया है, जिसमें से 72 प्रतिशत हिस्सा रिटेल बिजनेस से आता है। देशभर में फाइनेंस सुविधाओं से वंचित अथवा सीमित सुविधाओं वाले बाजारों की सेवा करने के लिए पिरामल फाइनेंस अपने रिटेल पोर्टफोलियो का तेजी से विस्तार कर रहा है। वर्तमान में, इसका 80 फीसदी व्यवसाय मेट्रो के नजदीकी क्षेत्रों और टियर 2 और 3 बाजारों से आता है, जिसमें 40 फीसदी से अधिक उधारकर्ता 18 से 34 वर्ष की आयु के हैं। पिरामल फाइनेंस के रिटेल ऋण पोर्टफोलियो में गृह ऋण, लघु व्यवसाय ऋण, प्रयुक्त कार ऋण और असुरक्षित ऋण शामिल हैं। इनोवेशन और टैक्नोलॉजी-समर्थित ऋण के संयोजन के माध्यम से पिरामल फाइनेंस ने भारत की सेवा के लिए एक मल्टी प्रॉडक्ट रिटेल लोन प्लेटफॉर्म विकसित किया है। इस रणनीति के तहत फिजिकल और ऑनलाइन तरीकों से कार्य पूरा किया जाता है। कंपनी अपने ग्राहकों की विविध आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए 13 से अधिक ऋण उत्पाद प्रदान करती है। वित्त वर्ष 24 की पहली तिमाही से वित्त वर्ष 25 की पहली तिमाही तक, पिरामल फाइनेंस ने अपने कस्टमर बेस में 11 लाख से ज्यादा ग्राहक जोड़े, जिससे इसकी कुल ग्राहक फ्रेंचाइज़ी 40 लाख हो गई। पिरामल फाइनेंस के एमडी जयराम श्रीधरन ने कहा, ''पिरामल फाइनेंस में, हमारे लिय यह प्रसन्नता की बात है कि हमने वित्त वर्ष 25 की पहली तिमाही में रिटेल लोन सेगमेंट में मजबूत बढ़त हासिल की है और अब हम इस गति को बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध हैं। हम भारत में, ख़ास तौर पर टियर 2 और टियर 3 शहरों में, तकनीक में निवेश करके और अपने शाखा नेटवर्क का विस्तार करके बजट के प्रति जागरूक ग्राहकों की सेवा करना जारी रखेंगे। हमारा लक्ष्य गैर-मेट्रो बाज़ारों में और गहराई से पैठ बनाना, आर्थिक प्रगति को बढ़ावा देना और अपने ग्राहकों के लिए वैल्यू को अनलॉक करना है। पिरामल फाइनेंस भारत की सबसे बड़ी राष्ट्रीय एनबीएफसी में से एक है और कंपनी अपने रिटेल बिजनेस का विस्तार करने का निरंतर प्रयास कर रही है। कंपनी की योजना है कि उसकी कुल लोन बुक का 75 प्रतिशत हिस्सा रिटेल बिजनेस के जरिये मिले, जबकि शेष 25 प्रतिशत होलसेल लैंडिंग के रूप में होगा। वित्त वर्ष 25 की पहली तिमाही तक, खुदरा बुक का हिस्सा 72 फीसदी या लगभग 50,530 करोड़ रुपये था, जबकि थोक बुक का हिस्सा 28 फीसदी था। कंपनी का लक्ष्य वित्त वर्ष 28 तक अपने एयूएम को मौजूदा स्तर से बढ़ाकर 1.5 लाख करोड़ रुपये करना है।

एचडीएफसी सिक्योरिटीज ने संस्थानों और फिनटेक के लिए बीएएएस शुरू की

संस्थानों और फिनटेक कंपनियों को सशक्त बनाने के लिए डिजाइन किए गए एक अभिनव समाधान के लॉन्च की घोषणा

संजीवनी टुडे

मुंबई। एचडीएफसी सिक्योरिटीज लिमिटेड ब्रोकरेज एज ए सर्विसङ्क (बीएएएस) की पेशकश करने और संस्थानों और फिनटेक कंपनियों को सशक्त बनाने के लिए डिजाइन किए गए एक अभिनव समाधान के लॉन्च की घोषणा करते हुए रोमांचित है। यह सेवा भागीदारों को एचडीएफसी सिक्योरिटीज के उन्नत ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म, एचडीएफसी स्काई को अपने अनुप्रयोगों और वेबसाइटों में सहजता से एकीकृत करने की अनुमति देती है, जिससे ग्राहकों को व्यापक ट्रेडिंग क्षमताएं मिलती हैं। एचडीएफसी सिक्योरिटीज द्वारा ब्रोकरेज एज ए सर्विस संस्थानों और फिनटेक कंपनियों को अपनी सेवा पेशकशों को बढ़ाने और अतिरिक्त राजस्व धाराएं उत्पन्न करने के लिए एक बहुमुखी और लाभदायक दृष्टिकोण प्रदान करता है। मजबूत ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म को एक साथ करके, भागीदार अपने ग्राहकों को बिना किसी शुरुआत से विकसित किए एक सहज और शक्तिशाली ट्रेडिंग अनुभव प्रदान कर सकते हैं। एचडीएफसी सिक्योरिटीज बीएएएस के लिए दो मुख्य एकीकरण विकल्प प्रदान करता हैः एसडीके एकीकरण और ओपन एपीआई एकीकरण। एसडीके एकीकरण एन्ड्रायड और आईओएस दोनों प्लेटफ़ॉर्म के लिए उपलब्ध है, जिससे भागीदार एचडीएफसी एसकेवाई एसडीके को अपने मोबाइल एप्लिकेशन में एम्बेड कर सकते हैं, जिससे उपयोगकर्ताओं को संपूर्ण ऑनबोर्डिंग यात्रा और ट्रेडिंग कार्यक्षमताएं मिलती हैं। ओपन एपीआई एकीकरण भागीदारों को एचडीएफसी एसकेवाई एपीआई को अपनी वेबसाइट या मोबाइल प्लेटफ़ॉर्म में एकीकृत करने की अनुमति देता है, जिससे निर्बाध ऑर्डर प्लेसमेंट और प्रबंधन संभव हो पाता है। एचडीएफसी सिक्योरिटीज लिमिटेड के मुख्य परिचालन एवं डिजिटल अधिकारी संदीप भारद्वाज ने कहा, ''लचीलापन और ग्राहक-केंद्रित समाधान एचडीएफसी सिक्योरिटीज के मिशन के मूल में हैं। ब्रोकरेज एज ए सर्विस के साथ, हम संस्थानों और फिनटेक कंपनियों को हमारे उन्नत ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म, एचडीएफसी स्काई को उनके अपने इकोसिस्टम में सहजता से एकीकृत करने का एक अनूठा अवसर प्रदान कर रहे हैं। यह पहल हमारे भागीदारों को उनकी सेवा पेशकशों को बढ़ाने और राजस्व वृद्धि को बढ़ावा देने के लिए उपकरणों और क्षमताओं के साथ सशक्त बनाने की हमारी प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है।

एचडीएफसी सिक्योरिटीज ने विभिन्न साझेदारों की जरूरतों को पूरा करने के लिए लचीले व्यावसायिक मॉडल तैयार किए हैं। इनमें ब्रोकरेज रेवेन्यू शेयरिंग मॉडल शामिल है, जहां भागीदार ब्रोकरेज रेवेन्यू का हिस्सा कमाते हैं; प्लेटफ़ॉर्म उपयोग शुल्क मॉडल, भागीदारों को ब्रोकरेज शेयरिंग को शामिल किए बिना अपने प्लेटफ़ॉर्म का उपयोग करने के लिए ग्राहकों से शुल्क लेने की अनुमति देता है; हाइब्रिड मॉडल, प्लेटफ़ॉर्म उपयोग शुल्क और ब्रोकरेज रेवेन्यू शेयरिंग को मिलाता है; और रेफरल ओनली मॉडल, उपयोगकर्ता रेफरल पर ध्यान केंद्रित करने वाले ऑनलाइन मीडिया प्रकाशनों के लिए आदर्श है। बीएएएस अपने प्लेटफ़ॉर्म के माध्यम से एक मजबूत ट्रेडिंग अनुभव प्रदान करके, लचीले व्यावसायिक मॉडल के माध्यम से नए राजस्व अवसर खोलकर और एसडीके और एपीआई समाधानों के साथ सहज एकीकरण सुनिश्चित करके भागीदारों की क्षमताओं को बढ़ाता है। एचडीएफसी सिक्योरिटीज से व्यापक समर्थन और संसाधन सेवा के मूल्य को और बढ़ाते हैं। बीएएएस के लिए अनुकूलन प्रक्रिया में कई चरण शामिल हैंः प्रारंभिक परामर्श और समझौता, तकनीकी एकीकरण की तैयारी, एकीकरण और विकास, अनुपालन और सुरक्षा जांच, और उपयोगकर्ता स्वीकृति परीक्षण (यूएटी)। संस्थाएं अपनी सेवा पेशकशों को बढ़ाकर, नए राजस्व स्रोत उत्पन्न करके और ग्राहकों को आकर्षित करके और उन्हें बनाए रखकर बीएएएस से लाभ उठाती हैं। यह संस्थाओं को अपने ग्राहकों को एचडीएफसी एसकेवाई तक पहुंच प्रदान करने की अनुमति देता है, जो उन्नत सुविधाओं वाला एक व्यापक ट्रेडिंग प्लेटफ़ॉर्म है। संस्थाएं ब्रोकरेज शुल्क का हिस्सा कमा सकती हैं या प्लेटफॉर्म उपयोग शुल्क लगाकर अपने प्लेटफ़ॉर्म का मुद्रीकरण कर सकती हैं। एक परिष्कृत ट्रेडिंग प्लेटफ़ॉर्म की पेशकश करने से अधिक ग्राहक आकर्षित हो सकते हैं और क्लाइंट जुड़ाव बढ़ सकता है, जिससे क्लाइंट अधिग्रहण और प्रतिधारण को बढ़ावा मिलता है।

सम्पादक की कलम से....

सम्पादकीय

मानवीय कार्यों को प्रोत्साहन देने का अवसर है विश्व मानवीय दिवस

विश्व मानवीय दिवस प्रत्येक वर्ष 19 अगस्त को मनाया जाता है। इस दिवस पर उन लोगों को याद किया जाता है, जिन्होंने मानवीय उद्देश्यों के कारण दूसरों की सहायता के लिए अपनी जान न्योछावर कर दी। इस दिवस को विश्वभर में मानवीय कार्यों एवं मूल्यों को प्रोत्साहन दिए जाने के अवसर के रूप में भी देखा जाता है। इसको मनाने का निर्णय संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा स्वीडिश प्रस्ताव के आधार पर किया गया। इसके अनुसार किसी आपातकाल की स्थिति में संयुक्त राष्ट्र देशों द्वारा आपस में सहायता के लिए मानवीय आधार पर पहल की जा सकती है। इस दिवस को विशेष रूप से 2003 में संयुक्त राष्ट्र के बगदाद, इराक स्थित मुख्यालय पर हुए हमले की वर्षगांठ के रूप में मनाया जाना आरंभ किया गया था जो विश्व में मानवीय कार्यों एवं मानव-मूल्यों को प्रेरित करने वाली भावना का जश्न मनाने का भी एक अवसर है। इसका उद्देश्य उन लोगों की पहचान करना है जो दूसरों की मदद करने में विपरीत परिस्थितियों को सामना कर रहे हैं एवं मानवता की रक्षा के लिये प्रतिबद्ध है।

यह दिन दुनिया भर में मानवीय जरूरतों पर ध्यान आकर्षित करने की मांग करता है और इन जरूरतों को पूरा करने में अंतर्राष्ट्रीय सहयोग के महत्व की आवश्यकता को व्यक्त करता है। हर साल, आपदाओं एवं मानव-भूलों से लाखों लोगों विशेषतः दुनिया के सबसे गरीब, सबसे हाशिए पर आ गये लोग और कमजोर व्यक्तियों को अपार दुःख का सामना करना पड़ता है। मानवतावादी सहायताकर्मी इन आपदा प्रभावित समुदायों एवं लोगों को राष्ट्रीयता, सामाजिक समूह, धर्म, लिंग, जाति या किसी अन्य कारक के आधार पर भेदभाव के बिना जीवन बचाने में सहायता और दीर्घकालिक पुनर्वास प्रदान करने का प्रयास करते हैं। वे सभी संस्कृतियों, विचारधाराओं और पृष्ठभूमि को प्रतिबिंबित करते हैं और मानवतावाद के प्रति अपनी प्रतिबद्धता से वे एकजुट हो जाते हैं। इस तरह की मानवतावादी सहायता मानवता, निष्पक्षता, तटस्थता और स्वतंत्रता सहित कई संस्थापक सिद्धांतों पर आधारित है। मार्टिन लूथर किंग ने इसकी उपयोगिता को उजागर करते हुए कहा कि यह प्यार और स्नेह है, जो हमारी दुनिया और हमारी सभ्यता को बचाएगा।

आज समूची दुनिया में मानवीय चेतना के साथ खिलवाड़ करने वाली त्रासद एवं विडम्बनापूर्ण परिस्थितियां सर्वत्र परिव्याप्त हैं- जिनमें आतंकवाद सबसे प्रमुख है। जातिवाद, अस्पृश्यता, सांप्रदायिकता, महंगाई, गरीबी, भिखमंगी, विलासिता, अमीरी, अनुशासनहीनता, पदलिप्सा, महत्वाकांक्षा, उत्पीड़न और चरित्रहीनता आदि अनेक परिस्थितियों से मानवता पीड़ित एवं प्रभावित है। उक्त समस्याएं किसी युग में अलग-अलग समय में प्रभावशाली रहीं होंगी, इस युग में इनका आक्रमण समग्रता से हो रहा है। आक्रमण जब समग्रता से होता है तो उसका समाधान भी समग्रता से ही खोजना पड़ता है। हिंसक परिस्थितियां जिस समय प्रबल हों, अहिंसा का मूल्य स्वयं बढ़ जाता है। महात्मा गांधी ने कहा है कि आपको मानवता में विश्वास खोना नहीं चाहिए। मानवता एक महासागर है। यदि महासागर की कुछ बूंदें गंदी हैं, तो भी महासागर गंदा नहीं होता है।' ऐसे ही विश्वास को जागृत करने के लिये ही विश्व मानवता दिवस की आयोजना की गई है। किसी भी युग में हो रहे नैतिक पतन को रोक कर मानवीय चेतना के ऊर्ध्वारोहण के लिए अमानवतावादी दृष्टिकोण का निरसन आवश्यक होता है। सामाजिक मूल्य-परिवर्तन और मानदंडों की प्रस्थापना से लोकचेतना में परिष्कार हो सकता है। इस दृष्टि से विश्व मानवता दिवस की उपयोगिता बढ़-चढ़ कर सामने आ रही है। इसलिये आड्रे हेपबर्न ने कहा था कि जब तक दुनिया अस्तित्व में है, अन्याय और अत्याचार होते रहेंगे। जो लोग सक्षम और समर्थ हैं, उनकी जिम्मेदारी अधिक है कि वे लोग अपने से निर्बल लोगों को भी स्नेह दें। हिंसा, आतंक, अप्रामाणिकता, संग्रह, स्वार्थ, शोषण और क्रूरता आदि के दंश मानवता को मूर्छित कर रहे हैं। इस मूर्छा को तोड़ने के लिए अहिंसा और सह-अस्तित्व का मूल्य बढ़ाना होगा तथा सहयोग एवं संवेदना की पृष्ठभूमि पर स्वस्थ समाज-संरचना की परिकल्पना को आकार देना होगा। दूसरों के अस्तित्व के प्रति संवेदनशीलता मानवता का आधार तत्व है। जब तक व्यक्ति अपने अस्तित्व की तरह दूसरे के अस्तित्व को अपनी सहमति नहीं देगा।

आज का राशिफल

यह राशिफल जन्म राशि पर आधारित है। व्यक्ति के जन्म के समय चंद्रमा जिस राशि पर थे, वही उसकी जन्म राशि होती है। यदि राशि की जानकारी आपको नहीं है तो अपने नामाक्षर से राशिफल देखें।

मेष (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ) : आज भाग्य से कोई नया प्रस्ताव मिल सकता है। सरकारी काम आसानी से बन जाएंगे। अधिकारी सहयोग करेंगे। किसी चैरिटी आदि में धन खर्च करेंगे। मित्रों के साथ पार्टी में जा सकते हैं।

वृषभ (ई,उ,ए,ओ,वा,वी,वू,वे,वो) : सुख-सुविधाओं पर खर्च होगा। व्यक्तिगत मामलों में गलतफहमी को जन्म देने वाली कोई बात हो सकती है। परिवार के साथ पार्टी में जा सकते हैं। कोई नया प्रस्ताव यदि आज मिलता है।

मिथुन (क,की,कू,घ,ङ, छ, के,को, ह) : कार्यों को मन लगाकर पूरा करेंगे। आपकी बढ़ते प्रभाव से कुछ लोगों को परेशानी हो सकती है। आज की गई मेहनत का पूरा फल नहीं मिलेगा। व्यक्तिगत मामलों को सावधानी से हल करें।

कर्क (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो) : किसी योजना का क्रियान्वयन हो जाएगा। अधूरे काम भी किसी न किसी सहयोग से आज पूरे हो जाएंगे। धैर्यपूर्वक निर्णय लेने पड़ेंगे। भाग-दौड़ बनी रहेगी, परंतु यात्रा करना आज ठीक नहीं रहेगा।

सिंह (मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टू, टे) : परिवार के बड़े सदस्यों की आज्ञा मान कर चलेंगे तो फायदे में रहेंगे। लाभ के एक से अधिक अवसर सामने होंगे। चाहा गया सहयोग नहीं मिलने से काम खुद ही पूरे करने पड़ेंगे। बड़े भाई से लाभ होगा।

कन्या (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो) : आज घर और बाहर दोनों जगह आपके काम की सराहना होगी। काम के घंटे बढ़ जाएंगे अतः पिछले छूटे कामों को पहले पूरा कर लें। अधिकारी वर्ग प्रसन्न रहेगा। विद्यार्थी वर्ग लाभ में रहेगा।

तुला (रा, री, रू, रे, रो, ता, ती, तू, ते) : आज काम बनने में थोड़ी असुविधा हो सकती है। विरोधियों से सावधान रहना होगा। प्रोपर्टी के खरीदने या बेचने से संबंधी बात हो सकती है। पुराने मित्रों से मुलाकात होने की संभावना है।

वृश्चिक (तो, ना, नी, नू, ने, नो, या, यी, यू) : व्यावसायिक कार्यों का विस्तार करने के लिए अतिरिक्त परिश्रम करना पड़ेगा। सहयोग मिल जाने से थोड़ी आसानी हो जाएगी। व्यक्तिगत संबंधों में सौहार्द्र की भावना बढ़ने से मन प्रसन्न होगा।

धनु (ये, यो, भ, भी, भू, धा, फा, ढा, भे) : आज का दिन महत्वपूर्ण काम करने के लिए नहीं है। निजी समस्याओं को अपने ऊपर हावी न होने दें। परिवार के साथ समय बिताना आवश्यक है, चाहें तो कहीं आउटिंग के लिए जा सकते हैं।

मकर (भो, जा, जी, खी, खू, खे, खो, ग, गी) : आज स्वास्थ्य का ध्यान रखना होगा, परंतु काम फिर भी आसानी से बन जाएंगे। लाभ की कोई नई योजना बनाकर उस पर अमल करेंगे। मित्र विशेष सहयोगी बनकर सामने आएंगे।

कुंभ (गू, गे, गो, सा, सी, सू, से, सो, दा) : आज घर की बुजुर्ग स्त्री की सलाह काम आएगी, महत्वपूर्ण निर्णय लेते समय उसको नजरअंदाज ना करें। यात्रा करना हित में नहीं रहेगा, बहुत जरूरी हो तो पहले मंदिर जाएं फिर यात्रा करें।

मीन (दी, दू, थ, झ, ञ, दे, दो, चा, ची) : आज योग्यता दिखाने का उचित अवसर मिलेगा। लाभ देने वाली छोटी यात्रा की संभावना है। बडी प्रतिस्पर्धा में भी विजयी होंगे। वाहन धीमी गति में चलाएं, अन्य कामों में भी जल्दबाजी ना करें।

साम्प्रदायिक सद्भाव के प्रतीक वीर गोगाजी

विचार बिन्दु

रमेश सर्राफ धमोरा

राजस्थान की लोक संस्कृति में वीर गोगाजी के प्रति अपार आदर भाव देखते हुए कहा गया है कि गांव-गांव में खेजड़ी, गांव-गांव में गोगावीर। वीर गोगाजी का आदर्श व्यक्तित्व भक्तजनों के लिए सदैव आकर्षण का केन्द्र रहा है। गोरखटीला स्थित गुरु गोरक्षनाथ के धूने पर शीश नवाकर भक्तजन मनौतियां मांगते हैं। विद्वानों व इतिहासकारों ने उनके जीवन को शौर्य, धर्म, पराक्रम व उच्च जीवन आदर्शों का प्रतीक माना है। लोक देवता जाहरवीर गोगाजी की जन्मस्थली ददरेवा में भादवा मास के दौरान लगने वाले मेले के दृष्टिगत पंचमी को श्रद्धालुओं की संख्या में और बढ़ोतरी हुई।

राष्ट्रीय एकता व सांप्रदायिक सदभावना के प्रतीक वीर गोगाजी राजस्थान के लोक देवता हैं। वीर गोगाजी को जाहरवीर गोगा जी के नाम से भी जाना जाता है। इन्हे हिन्दु और मुस्लिम दोनो पूरी श्रद्धा के साथ पूजते है। राजस्थान में हनुमानगढ़ जिले के गोगामेड़ी गांव में गोगाजी की समाधि स्थल पर प्रतिवर्ष भाद्रप्रद मास के शुक्ल पक्ष में मेला भरता है। जो लाखों भक्तों के आकर्षण का केंद्र है। यह मेला एक माह तक चलता है। गोगामेड़ी स्थित गोगाजी का समाधि स्थल साम्प्रदायिक सद्भाव का अनूठा प्रतीक है। जहां एक हिन्दू व एक मुस्लिम पुजारी खड़े रहते हैं। श्रावण शुक्ल पूर्णिमा से लेकर भाद्रपद शुक्ल पूर्णिमा तक गोगामेड़ी के मेले में देश के कोने-कोने से श्रद्धालु आकर वीर गोगाजी की समाधि तथा गोगापीर व जाहरवीर के जयकारों के साथ गोगाजी तथा गुरु गोरक्षनाथ के प्रति भक्ति की अविरल धारा बहाते है। भक्तजन गुरु गोरक्षनाथ के टीले पर जाकर शीश नवाते हैं। फिर गोगाजी की समाधि पर आकर धोक देते हैं। प्रतिवर्ष लाखों लोग गोगा जी के मंदिर में मत्था टेक तथा छडियों की विशेष पूजा करते हैं। लोकमान्यता व लोककथाओं के अनुसार गोगाजी को सांपों के देवता के रूप में भी पूजा जाता है। आज भी सर्पदंश से मुक्ति के लिए गोगाजी की पूजा की जाती है। गोगाजी के प्रतीक के रूप में पत्थर या लकडी पर सर्प मूर्ती उत्कीर्ण की जाती है। लोक धारणा है कि सर्प दंश से प्रभावित व्यक्ति को यदि गोगाजी की मेडी तक लाया जाये तो वह व्यक्ति सर्प विष से मुक्त हो जाता है। लोग उन्हें गोगाजी चैहान, गुग्गा, जाहर वीर व जाहर पीर के नामों से पुकारते हैं। यह गुरु गोरक्षनाथ के प्रमुख शिष्यों में से एक थे। राजस्थान के छह सिद्धों में गोगाजी को समय की दृष्टि से प्रथम माना गया है।

राजस्थान की लोक संस्कृति में वीर गोगाजी के प्रति अपार आदर भाव देखते हुए कहा गया है कि गांव-गांव में खेजड़ी, गांव-गांव में गोगावीर। वीर गोगाजी का आदर्श व्यक्तित्व भक्तजनों के लिए सदैव आकर्षण का केन्द्र रहा है। गोरखटीला स्थित गुरु गोरक्षनाथ के धूने पर शीश नवाकर भक्तजन मनौतियां मांगते हैं। विद्वानों व इतिहासकारों ने उनके जीवन को शौर्य, धर्म, पराक्रम व उच्च जीवन आदर्शों का प्रतीक माना है। लोक देवता जाहरवीर गोगाजी की जन्मस्थली ददरेवा में भादवा मास के दौरान लगने वाले मेले के दृष्टिगत पंचमी को श्रद्धालुओं की संख्या में और बढ़ोतरी हुई। मेले में राजस्थान के अलावा पंजाब, हरियाणा, उत्तरप्रदेश व गुजरात सहित विभिन्न प्रांतों से श्रद्धालु पहुंच रहे हैं। गोगामेडी में गोगाजी का मंदिर एक ऊंचे टीले पर मस्जिदनुमा बना हुआ है। इसकी मीनारें मुस्लिम स्थापत्य कला का बोध कराती हैं। मुख्य द्वार पर बिस्मिला अंकित है। मंदिर के मध्य में गोगाजी का मजार (कब्र) है। साम्प्रदायिक सदभावना के प्रतीक गोगाजी के मंदिर का निर्माण बादशाह फिरोजशाह तुगलक ने कराया था। संवत 362 में फिरोजशाह तुगलक हिसार होते हुए सिंध प्रदेश को विजयी करने जाते समय गोगामेडी में ठहरे थे। रात के समय बादशाह तुगलक व उसकी सेना ने एक चमत्कारी दृश्य देखा कि मशालें लिए घोड़ों पर सेना आ रही है। तुगलक की सेना में हा-हाकार मच गया। तुगलक कि सेना के साथ आए धार्मिक विद्वानों ने बताया कि यहां कोई महान हस्ती आई हुई है। वो प्रकट होना चाहती है। फिरोज तुगलक ने लड़ाई के बाद आते गोगामेडी में मस्जिदनुमा मंदिर का निर्माण करवाया और पक्की मजार बन गई। तत्पश्चात मंदिर का जीर्णोद्वार बीकानेर के महाराज काल में 1887 व 1943 में करवाया गया। गोगाजी का यह मंदिर आज हिंदू, मुस्लिम, सिख व ईसाईयों में समान रूप से श्रद्वा का केन्द्र है। सभी धर्मो के भक्तगण यहां गोगा मजार के दर्शनों हेतु भादव मास में उमड़ पडते हैं। राजस्थान का यह गोगामेडी नाम का छोटा सा गांव भादव मास में एक नगर का रूप ले लेता है और लोगों का अथाह समुद्र बन जाता है। गोगा भक्त पीले वस्त्र धारण करके अनेक प्रदेशों से यहां आते हैं। सर्वाधिक संख्या उत्तर प्रदेश व बिहार के भक्तों की होती है। नर-नारियां व बच्चे पीले वस्त्र धारण करके विभिन्न साधनों से गोगामेडी पहुंचते हैं। स्थानीय भाषा में इन्हें पूरबिये कहते हैं। भक्तजन अपने-अपने निशान जिन्हे गोगाछड़ी भी कहते हैं लेकर मनौती मांगने नाचते-गाते ढप व डमरू बजाते व कुछ एक सांप लिए भी आते हैं। गोगा को सापों के देवता के रूप में भी माना जाता है। हर धर्म व वर्ग के लोग गोगाजी की छाया चढ़ाकर नृत्य की मुद्रा में सांकल खाते व पदयात्रा करते तथा गोरखनाथ टीले से लेटते हुए गोगाजी के समाधि स्थल तक पहुंचते हैं। नारियल, बताशे का प्रसाद चढ़ाकर मनौती मांगते हैं।

जातरु ददरेवा आकर न केवल धोक आदि लगाते हैं बल्कि वहां अखाड़े में बैठकर गुरु गोरक्षनाथ व उनके शिष्य जाहरवीर गोगाजी की जीवनी के किस्से अपनी-अपनी भाषा में गाकर सुनाते हैं। प्रसंगानुसार जीवनी सुनाते समय वाद्ययंत्रों में डैरूं व कांसी का कचौला विशेष रूप से बजाया जाता है। इस दौरान अखाड़े के जातरुओं में से एक श्रद्धालु अपने सिर व शरीर पर पूरे जोर से लोहे की सांकले मारता है। मान्यता है कि गोगाजी की संकलाई आने पर ऐसा किया जाता है। गोगाजी का जन्म राजस्थान के ददरेवा (चूरू) चैहान वंश के राजपूत शासक जैबर की पत्नी बाछल के गर्भ से गुरू गोरखनाथ के वरदान से भादो शुदी नवमी को हुआ था। इनके जन्म की भी विचित्र कहानी है। एक किवदंती के अनुसार गोगाजी का मां बाछल देवी निरूसंतान थी। संतान प्राप्ति के सभी यत्न करने के बाद भी संतान सुख नही मिला। गुरू गोरखनाथ गोगामेडी के टीले पर तपस्या कर रहे थे। बाछल देवी उनकी शरण मे गईं तथा गुरू गोरखनाथ ने उन्हे पुत्र प्राप्ति का वरदान दिया और कहा कि वे अपनी तपस्या पूरी होने पर उन्हें ददरेवा आकर प्रसाद देंगे जिसे ग्रहण करने पर उन्हे संतान की प्राप्ति होगी। तपस्या पूरी होने पर गुरू गोरखनाथ बाछल देवी के महल पहुंचे। उन दिनों बाछल देवी की सगी बहन काछल देवी अपनी बहन के पास आई हुई थी। गुरू गोरखनाथ से काछल देवी ने प्रसाद ग्रहण कर लिया और दो दाने अनभिज्ञता से प्रसाद के रूप में खा गई। काछल देवी गर्भवती हो गई। बाछल देवी को जब यह पता चला तो वह पुनरू गोरखनाथ की शरण मे गई। गुरू बोले देवी मेरा आशीर्वाद खाली नहीं जायेगा तुम्हे पुत्ररत्न की प्राप्ति अवश्य होगी। गुरू गोरखनाथ ने चमत्कार से एक गुगल नामक फल प्रसाद के रूप में दिया। प्रसाद खाकर बाछल देवी गर्भवती हो गई और तदुपरांत भादो माह की नवमी को गोगाजी का जन्म हुआ। गुगल फल के नाम से इनका नाम गोगाजी पड़ा। गोगादेव की जन्मभूमि ददरेवा पर आज भी उनके घोड़े का अस्तबल है और सैकड़ों वर्ष बीत गए, लेकिन उनके घोड़े की रकाब अभी भी वहीं पर विद्यमान है। उक्त जन्म स्थान पर गुरु गोरक्षनाथ का आश्रम भी है और वहीं है गोगादेव की घोड़े पर सवार मूर्ति। कायम खानी मुस्लिम समाज उनको जाहर पीर के नाम से पुकारते हैं तथा उक्त स्थान पर माथा टेकने और मन्नत मांगने आते हैं। इस तरह यह स्थान हिंदू और मुस्लिम एकता का प्रतीक है। मध्यकालीन महापुरुष गोगाजी हिंदू, मुस्लिम, सिख संप्रदायों की श्रधा अर्जित कर एक धर्मनिरपेक्ष लोकदेवता के नाम से पीर के रूप में प्रसिद्ध हुए। मेले के दिनों में गोगामेड़ी में एक अपूर्व आध्यात्मिक वातावरण बन जाता है और प्रशासनिक व्यवस्था कायम हो जाती है। विभिन्न संगठनो के स्वयं सेवक भी भक्तों की सुविधा के लिए जुट जाते हैं। अधिकांश भक्त रेल मार्ग से पहुंचते हैं। हालांकि रेल विभाग भक्तों की सुविधा के लिए अनेक विशेष रेलगाडियां चलाता है तो भी रेलों में भीड़ अभूतपूर्व होती है। गोगामेड में इन्ही दिनों पशुओं का मेला भी लगता है, जहां लाखों पशुओं की खरीद-फरोख्त होती है।

हर माता पिता संतान के सुख के लिए रखा जाता है गणेश चर्तुथी का व्रत

गणेश चौथ का व्रत सूर्योदय से सूर्यास्त तक होता है। चंद्रमा के दर्शन करने के बाद ही इस व्रत को तोड़ा जाता होता है। इस दिन भगवान श्री गणेश के लिए व्रत किया जाता है। इसे संकष्टी चौथ के नाम से भी जाना जाता है। महीने में दो बार चतुर्थी का व्रत होता है। भगवान गणेश के भक्त इस दिन व्रत रखते हैं और चंद्रमा का दर्शन करने के बाद व्रत तोड़ते हैं। व्रत रखने वाले भक्त फलों का सेवन करने के अलावा साबूदाने की खिचड़ी, मूंगफली और आलू भी खा सकते हैं। गणेश जी का व्रत रखने के दौरान इन नियमों का पालन जरूर करें।

गणेश चौथ का दिन गणेश भगवान को समर्पित होता है और इस दिन गणेश जी की पूजा करने पर सभी मनोकामनाएं पूरी होती हैं और कष्ट भी दूर हो जाते हैं। वैसे तो गणेश चतुर्थी का व्रत हर माह के कृष्ण पक्ष की चतुर्थी को आता है, लेकिन साल में माघ, श्रावण, मार्गशीर्ष और भाद्रपद के महीने में आने वाली श्री गणेश चतुर्थी व्रत का खास महत्व है। इस दिन गणपति के एकदंत रूप की पूजा की जाती है। भादो महीने की इस चतुर्थी को व्रत रखने से सब तरह के संकटों से छुटकारा मिलता है और आपकी इच्छा पूरी होती हैं। संतान सुख पाने और लंबी आयु के

लिए माताओं को यह व्रत जरूर रखना चाहिए। भगवान गणेश जी को विघ्नहर्ता और पहले पूजे जाने वाले देवता के रूप में जाना जाता है। किसी भी शुभ काम को करने से सबसे पहले गणेश जी की पूजा की जाती है। भगवान गणेश के भक्त इस दिन व्रत रखते हैं और चंद्रमा का दर्शन करने के बाद व्रत तोड़ते हैं। व्रत रखने वाले भक्त फलों का सेवन करने के अलावा साबूदाने की खिचड़ी, मूंगफली और आलू भी खा सकते हैं। गणेश जी का व्रत रखने के दौरान इन नियमों का पालन जरूर करें। सुबह सबसे पहले नहा कर साफ कपड़े पहनें। इसके बाद चौकी पर लाल या पीले रंग का कपड़ा बिछा कर पूजा करने के लिए भगवान गणेश की मूर्ति को ईशानकोण में चौकी में रखें। भगवान के सामने व्रत का संकल्प लें और फिर उन्हें जल, अक्षत, दूब घास, लड्डू, पान, धूप आदि चढ़ाएं। फूल लेकर ओम 'गं गणपतये नमः' मंत्र बोलते हुए अपनी मनोकामना कहकर गणेश जी को प्रणाम करें। त्रिकोण को कुछ इस तरह से सजाएं कि अगले भाग पर एक घी का दीपक रखें और बीच में मसूर की दाल व सात लाल साबुत मिर्च भी रखें। पूजा के बाद चंद्रमा को शहद, चंदन, रोली मिलाकर दूध से अर्घ्य दें। पूजा के बाद लड्डू प्रसाद खाएं।

सुख पाने के लिए गणेश जी पर बेलपत्र चढ़ाएं। पारिवारिक विपदा से मुक्ति के लिए गणेश जी पर चढ़े गोलोचन से घर के मेन गेट पर तिलक लगाएं। मांगलिक कार्यों को पूरा करने के लिए शक्कर मिली दही में छाया देखकर गणेश भगवान को चढ़ाएं। गणेश चौथ का व्रत सूर्योदय से सूर्यास्त तक होता है। चंद्रमा के दर्शन करने के बाद ही इस व्रत को तोड़ा जाता होता है। इस दिन भगवान श्री गणेश के लिए व्रत किया जाता है। इसे संकष्टी चौथ के नाम से भी जाना जाता है। महीने में दो बार चतुर्थी का व्रत होता है। कृष्ण पक्ष में आने वाली चतुर्थी को संकष्टी चतुर्थी तो वहीं शुक्ल पक्ष में आने वाली चतुर्थी को विनायक चतुर्थी के नाम से जाना जाता है।

20 अगस्त की महत्त्वपूर्ण घटनाएँ

1828	राजा राम मोहन राय के ब्रह्म समाज के पहले सत्र का आयोजन कलकत्ता (अब कोलकाता) में संपन्न हुआ।
1897	रोनाल्ड रॉस ने कलकत्ता(अब कोलकाता) के प्रेसिडेंसी जनरल हॉस्पिटल में काम करने के दौरान मलेरिया के कारक एनोफिलीज मच्छर की पहचान की।
1921	केरल के मालाबार क्षेत्र में मोपला विद्रोह की शुरुआत हुई।
1949	यूरोपीय देश हंगरी में संविधान को अंगीकार किया गया।
1955	मोरक्को और अल्जीरिया में फ्रांस-विरोधी दंगों में सैकडों लोग मारे गए।
1972	तत्कालीन सोवियत रुस ने भूमिगत परमाणु परीक्षण किया।
1979	तत्कालीन प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह ने प्रधानमंत्री पद की शपथ लेने के 23 दिनों के अंदर ही इस्तीफा दिया। प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह ने अपने पद से इस्तीफा दिया।
1988	पाकिस्तान के राष्ट्रपति जनरल जिया उल हक का हवाई दुर्घटना में निधन एवं सीनेट के सभापति ग़ुलाम इशहाक़ ख़ान राष्ट्रपति बने।
1994	सं.रा. अमेरिका द्वारा क्यूबा के शरणार्थियों को आश्रय देने की 28 वर्ष की पुरानी नीति को समाप्त करने की घोषणा।
1998	लिएंडर पेस ने पीट सम्प्रास को हराकर पायलेट पेन अंतर्राष्ट्रीय टेनिस प्रतियोगिता जीता।
1991	उत्तरी यूरोपीय देश इस्तोनिया ने तत्कालीन सोवियत रुस संघ से अलग होने की घोषणा की।

माध्यम कद के शहरों का नवीनीकरण यानी स्मार्ट सिटी की परिकल्पना

विचार बिन्दु

संजीव ठाकुर

देश में बड़ी संख्या में स्मार्ट सिटी स्थापित करने में निसंदेह भारत को विकसित देशों की ओर अग्रसर होने में बहुत मदद मिलेगी। देश में नए सिरे से रोजगार के अवसर भी खोजा जाएगा।

बड़े विदेशी शहरों के अनुरूप भारत में भी ऐसे बड़े शहरों की जरूरत महसूस हो रही है,जहां के निवासियों की सभी जरूरतों को त्वरित व तेजी से पूरा किया जा सके। ऐसे शहरों को स्मार्ट सिटी का नाम दिया जाएगाद्य जिस शहर में सभी गुणवत्ता पूर्ण आम लोगों को सुविधाएं कम सेवा मूल्य पर और आसानी से उपलब्ध हो सके। जहां लोगों के जीवन यापन के तरीके इतने सुलभ व संतुलित हो की धूल प्रदूषण से मुक्त सड़कें ,पानी, बिजली आसानी से उपलब्ध हो सकेद्य और वहां पर घर पहुंच घर में बैठे-बैठे इंटरनेट और सोशल मीडिया पर क्षण भर में सभी प्रशासनिक सुविधाएं उपलब्ध हो सके।, आम नागरिक जन सुविधाओं से स्वतंत्रता के बाद अब तक जूझ रहा हैं, तो उसका त्वरित निराकरण संचार माध्यमों से हो सके। ऐसे स्मार्ट शहर की स्थापना किया जाना केंद्र सरकार का लक्ष्य बन गया हैद्य पर क्या भारत की जनसंख्या की विशालता को देखते हुए और भारत के मेट्रोपॉलिटन शहरों की संघनता और जनसंख्या को दृष्टिगत रख इन्हें स्मार्ट सिटी में बदला जा सकता है? यदि सरकार और आम नागरिकों का दृढ़ निश्चय संकल्प हो, और आपसी सहयोग तथा सामंजस्य बेहतर तरीके से हो जाए तो भारत में स्मार्ट सिटी की परिकल्पना यथार्थ रूप भी ले सकती हैद्य यदि दूसरे तरीके से और दूसरे नजरिए से इस तथ्य को देखा जाए तो स्मार्ट सिटी में पर्याप्त बिजली, पानी,भोजन,घर आदि की उपलब्धता के साथ-साथ स्वास्थ्य, सुरक्षा,शिक्षा, मनोरंजन, यातायात की सुविधाएं भी आसानी से प्राप्त हो जाएं और आरामदायक जीवन से संबंध सभी आर्थिक गतिविधियों का संचालन सुचारू रूप से चलता रहे। ऐसी स्मार्ट सिटी यदि भारत में बन जाती है, तो भारत से ज्यादा विकासवान दूसरा भी नहीं हो सकता है। तो ऐसे शहर की परिकल्पना केवल दृढ़ संकल्प और सार्थक मेहनत के प्रतिफल के रूप में ही की जा सकती है। देश के प्रधानमंत्री ने पूर्व स्वतंत्रता दिवस पर भारत में 100 से ज्यादा शहरों को स्मार्ट सिटी बनाने की घोषणा भी की है। और इसके लिए उन्होंने 9 हजार करोड़ रुपयों का बजट का प्रावधान भी रखा है। वैसे तो प्रधानमंत्री के इस स्वप्निल विचारों को मूर्त रूप देने के लिए केंद्रीय शहरी विकास मंत्रालय द्वारा एक पूरा मैनुअल जारी किया गया है। यह परियोजना आने वाले वर्षों में मूर्त रूप लेगी। देश के 40 लाख से अधिक आबादी वाले 9 शहरों, 10 लाख से 40 लाख आबादी वाले 44 शहरों, 5 लाख से 10 लाख आबादी वाले 20 शहरों, सभी राज्यों तथा केंद्र शासित प्रदेशों की राजधानियों के अंतर्गत आने वाले लगभग 37 शहर सहित पर्यटन व धार्मिक दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण 15 शहरों को स्मार्ट सिटी बनाने की योजना बनाई गई है।

नए प्रारूप में सर्वप्रथम केंद्रीय शासन द्वारा दिल्ली, गुड़गांव, फरीदाबाद, इलाहाबाद, कानपुर, लखनऊ, वाराणसी, देहरादून, हरिद्वार, बोधगया, भोपाल, इंदौर,कोच्चि, जयपुर और अजमेर को स्मार्ट सिटी के रूप में परिवर्तित करने का निर्णय लिया गया है।भारत में स्मार्ट सिटी बनाने की इस नई परियोजना मैं विदेशी राष्ट्रों ने भी गहरी रुचि दिखाई है। जापान ने वाराणसी शहर को एक अच्छी विकसित सर्व सुविधा संपन्न स्मार्ट सिटी बनाने रुचि दिखाई है। कतर देश के प्रिंस शेख हमद बिन नासिर ने दिल्ली को स्मार्ट सिटी बनाने के लिए 100 अरब रुपए की योजना बनाकर निवेश करने की इच्छा जताई है। नासिर जी ने अपने एक पार्टनर दिल्ली के नितेश शर्मा के साथ मिलकर देश में स्मार्ट शहरों की निर्माण हेतु एक लाख करोड़ रुपए निवेश करने का प्रावधान रखा है। सिंगापुर ने भी भारत में इंफ्रास्ट्रक्चर बनाने के लिए सहयोग देने की बात कही है। उन्होंने चेन्नई बैंगलोर इंडस्ट्रियल कॉरिडोर के निकट एक लिटिल सिंगापुर विकसित करने की योजना बनाई है।भारत सरकार ने स्मार्ट सिटी पर होने वाले खर्च हेतु पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप मॉडल की को प्राथमिकता देने की योजना भी बनाई है। पर स्मार्ट सिटी बनाते समय विशेष तौर पर केंद्र सरकार और राज्य सरकारों को पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप के तहत स्मार्ट सिटी में मांग प्रबंधन वित्तीय को ओपन ऊर्जा कुशलता सूचनाओं के आदान-प्रदान की समयानुकूल व्यवस्था के साथ न्यूनतम कचरा उत्पादन जैसी विशेषताओं का होना भी आवश्यक है। स्मार्ट सिटी में बाधा हीन कारोबार, गुणवत्ता परक जीवन के कारण तीव्र प्रति श्रद्धा की स्थिति मौजूद रहती है। ऐसे में जन सुरक्षा एवं नागरिक अधिकारों को भी साथ साथ जीवित रखना होगा। स्मार्ट शहरों को विध्वंसक कार्रवाई यों और चोरी डकैती आदि से बचाने के लिए सुरक्षा व्यवस्था के तहत सीसीटीवी की निगरानी में 24 घंटे रखा जाना होगा ।इसके साथ ही संतुलित जीवन के लिए पर्यावरण संतुलन भी अत्यंत आवश्यक होगा।

किडनी और लिवर के लिए घातक है हीट स्ट्रोक

गर्मियों में काफी लोग हीट स्ट्रोक के शिकार हो जाते हैं। हीट स्ट्रोक एक गंभीर मामला है। इस स्थिति से पूरी तरह बचना संभव है, लेकिन हीट स्ट्रोक में जरा-सी लापरवाही मौत को न्योता दे सकती है। सबसे पहले समझते हैं कि हीट स्ट्रोक है क्या। कैसे ये शरीर के महत्वपूर्ण अंगों को प्रभावित करता है और किन तरीकों से इससे बचा जा सकता है।

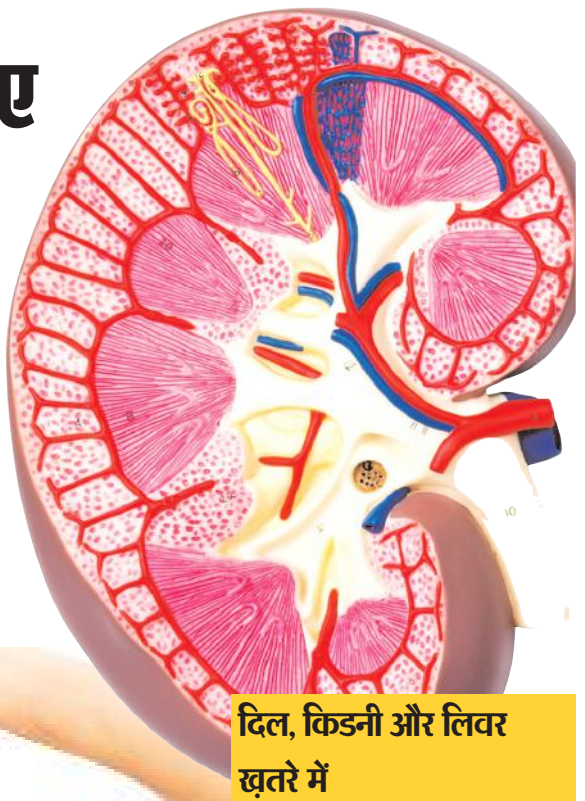

दिल, किडनी और लिवर ख़तरे में

तेज गर्मी से शरीर की मेटाबॉलिक एक्टिविटी यानी पेट से जुड़े अंगों के काम करने की क्षमता एकदम से बढ़ जाती है। इससे आमतौर पर ब्लड प्रेशर कम हो जाता है और तुरंत ही दिल पर इसका असर पड़ने लगता है, क्योंकि ऑक्सीजन का लेवल तेजी से कम होने लगता है। मेटाबॉलिज़्म बिगड़ने से शरीर में बेकार की चीजें को निकलने का मौका नहीं मिलता, जिससे किडनी और लिवर डैमेज होने लगते हैं। ऐसी स्थिति में पेशेंट को आईसीयू में इलाज की जरूरत पड़ जाती है। यूरिन रुक जाने की हालात में किडनी तक फेल होने की संभावना बनी रहती है।

जल्दी लक्षण समझें

शरीर का तापमान तेजी से बढ़ना, बहुत ज्यादा गर्मी लगना, सिरदर्द, थकान, पसीना न निकलना, चिड़चिड़ापन, चक्कर आना, जी मिचलाना, सांसों का तेजी से बढ़ना और घटना आदि हीट स्ट्रोक के शुरुआती लक्षण होते हैं।

कई बार एकाएक बेहोशी या दौरे जैसे हालात भी बन जाते हैं। हीट स्ट्रोक में पहला घंटा सबसे अहम होता है। इसके बाद जान को खतरा बढ़ता ही चला जाता है।

मरीज़ की ऐसे कर सकते हैं मदद

कोई गर्मी के कारण बेहोश होता दिखे, तो उसे तुरंत पानी या इलेक्ट्रोलाइट्स का घोल पिलाएं। बेहोश हो गया हो, तो तुरंत उसके सिर, हाथ, बगलों और तलवों पर ठंडे पानी में भिगोया कपड़ा रखें।

उसे छांव में ले जाएं। हो सके तो बर्फ के पानी की पट्टियां रखें। ये सारे फर्स्ट एड हैं, इसलिए अस्पताल ले जाने में जरा भी देर न करें। मौसम कोई भी हो, थोड़ी-थोड़ी देर में पानी पिलाते रहें। लंबे समय तक धूप में काम करने वालों को चाहिए कि बीच-बीच में किसी ठंडी जगह पर जाकर दो मिनट शरीर को आराम देते रहें।

दो तरह से होता है प्रभाव

हीट स्ट्रोक उन लोगों को जल्दी प्रभावित करता है, जो बिना किसी सुरक्षा उपाय के धूप में या बहुत ही गर्मी में लंबे समय तक रहते हैं। इनमें जिम में एक्सरसाइज करने वाले लोग भी शामिल हैं। सड़क पर काम करने वाले और किसी भट्ठी पर काम करने वाले मज़दूरों को हीट स्ट्रोक का खतरा सबसे ज्यादा होता है।

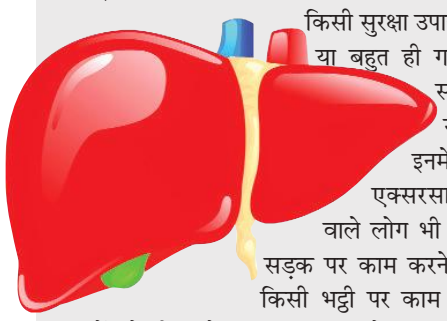

एक दूसरी तरह के हीट स्ट्रोक का अटैक अमूमन उन लोगों पर होता है, जिनका शरीर बदलते तापमान के हिसाब से जल्दी एडजस्ट नहीं होता। इसमें छोटे बच्चे, बुजुर्ग और वे लोग शामिल हैं, जो किसी लंबी बीमारी से जूझ रहे होते हैं।

हैप्पी ओल्ड एज के स्मार्ट टिप्स

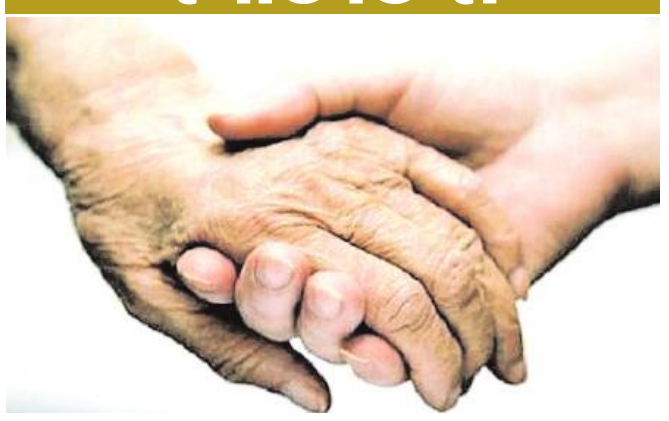

'जियो और जीने दो' के सिध्दांत को स्थापित रखने का प्रयास करें। जीवन के हर क्षण के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण रखें। स्वास्थ्य के प्रति पूर्ण सतर्क रहें। आवश्यक चैकअप समय-समय पर कराते रहें। जहां तक संभव हो प्रौढ़ावस्था में ही अपनी वृध्दावस्था की तैयारी आरंभ कर दें। अपना बैंक-बैलेंस और आभूषणों को भविष्य में आने वाले समय के लिए सुरक्षित रखें। अपना सब कुछ बांटने और देने की भूल, भूलकर भी न करें। व्यस्त और सक्रिय रहने का प्रयास करें। इसके लिए नियमित रूप से समय के साथ स्वयं में भी बदलाव लाने का प्रयास करें। संतुलित और पौष्टिक भोजन का सेवन करें। आपका स्वभाव जितना अच्छा होगा, उतना ही आपका बुढ़ापा अच्छा कटेगा। इस बात का विशेष ध्यान रखें। युवा पीढ़ी से ही नहीं, बल्कि किसी अन्य से भी अधिक उम्मीदें कभी न रखें। नौकरी से अवकाश के उपरांत घर पर व्यर्थ न बैठें और न ही आत्मकेन्द्रित बनें, बल्कि समाज व सामाजिक कार्यों के प्रति अपना सक्रिय योगदान दें। आज की आधुनिक जीवनशैली में बहुत आवश्यक है आपका समय के साथ चलना, इसलिए समय के साथ-साथ स्वयं में भी बदलाव लाने का प्रयास करें। दूसरे के काम आने का प्रयास करें, इससे आपको भी आत्मसंतुष्टि मिलेगी और दूसरे भी आपसे खुश रहेंगे। इस अवस्था में आप अपनी रुचि व इच्छा के वे सभी कार्य करें, जो आप अपने घर-परिवार की जिम्मेदारियों को निभाते हुए न कर सके थे। नकारात्मक विचारों को मन में स्थान न दें। सकारात्मक सोच के साथ जीवन के हर सुख-दु:ख को जीने का प्रयास करें। स्वयं में आत्मबल का विकास करें। हर विपरीत परिस्थिति में अपना संयम न खोयें, बल्कि धैर्य और शान्ति से बुरे समय के निकल जाने का इन्तजार करें।

न्यूरोपैथिक दर्द से पाएं राहत

न्यूरोपैथिक पेन एक जटिल और लंबे वक्त तक चलने वाला दर्द है। यह दर्द क्षतिग्रस्त व ठीक तरह से काम न करने वाले या चोटिल स्नायु (नर्व) फाइबर्स के कारण पैदा होता है।

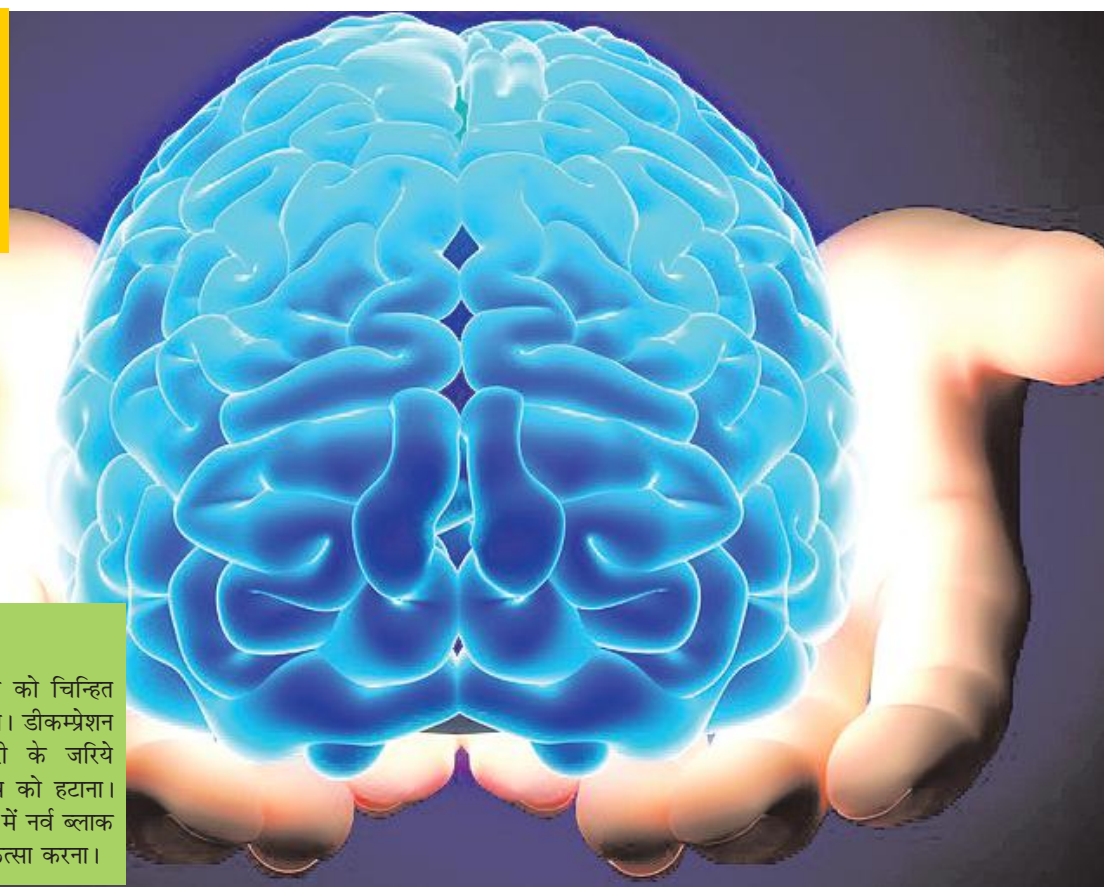

उपचार

न्यूरोपैथिक दर्द के कारण को चिन्हित करते हुए चिकित्सा करना। डीकम्प्रेशन मिनिमल इन्वेसिव सर्जरी के जरिये तंत्रिका पर पड़ रहे दबाव को हटाना। रीढ़ या आसपास के भाग में नर्व ब्लाक इंजेक्शन- के जरिये चिकित्सा करना।

लक्षण

सुइयां जैसी चुभना, जलन होना, त्वचा का सुन्न पड़ जाना और तेज दर्द होना इस रोग के लक्षण हैं। इसके अलावा बिजली के करेंट जैसा झटके के साथ दर्द होना और चींटियां जैसा काटने का अनुभव होना न्यूरोपैथिक दर्द के लक्षण हैं।

कारण

न्यूरोपैथिक दर्द के कुछ सामान्य कारणों में शराब का अत्यधिक सेवन, डाइबिटीज होना, एचआईवी संक्रमण, रीढ़ की हड्डी के ऑपरेशन और पैर व कमर संबंधी समस्या को शामिल किया जाता है।

डायग्नोसिस

न्यूरोपैथिक दर्द का पता लगाने के लिए डॉक्टर शारीरिक जांच करते हैं। आपके स्नायुओं (नर्व्स) को नुकसान पहुंचा है या नहीं, यह पता लगाने का सबसे सामान्य तरीका है-इलेक्ट्रोमायोग्राम के साथ नर्व कंडक्शन स्टडी। सियोमीटर जांच।

गलत धारणाएं और तथ्य

केवल डाइबिटीज से ग्रस्त व्यक्तियों को ही न्यूरोपैथिक दर्द होता है।

इस तरह की धारणा गलत है। सच तो यह है कि डाइबिटीज से ग्रस्त व्यक्तियों में न्यूरोपैथिक समस्या सामान्य रूप से पायी जाती है, लेकिन कीमोथेरेपी लेने वाले, किसी तरह की चोट या बीमारी से ग्रस्त व्यक्तियों, ऐसे व्यक्ति जिनका कोई अंग-भंग हो गया हो, उन्हें भी न्यूरोपैथिक दर्द हो सकता है। बढ़ती उम्र के साथ भी न्यूरोपैथिक दर्द हो सकता है।

रोकथाम

तंत्रिकाओं (नर्व्स) का दर्द कम करने के लिए डाइबिटीज पर नियंत्रण रखें। नशे से दूर रहें और व्यायाम करें।

व्यायाम से पैरों और पंजों के स्नायुओं में रक्त संचार ठीक तरह से होता है।

व्यायाम- उंगलियों और हाथों को गोल-गोल घुमाएं, पूरे शरीर की मांसपेशियों को स्ट्रेच करें।

खान- पान: में साबुत अनाज, विटामिन सी युक्त फल और हरी पत्तेदार सब्जियां, टमाटर और पौधों से प्राप्त वसा का सेवन लाभकारी है।

क्यों उठ रहा है दिमाग में भूकंप

बीते दिनों नेपाल और भारत में आए भूकंप के बाद तमाम लोग डॉक्टरों और मनोरोग विशेषज्ञों के पास गए। इनमें से ज्यादातर लोगों की प्रमुख शिकायत थी कि भूकंप के गुजर जाने के बाद वे बेचैनी महसूस कर रहे हैं...। किसी का कहना था कि उन्हें ढंग से नींद नहीं आ रही है कि पता नहीं कब भूकंप के झटके महसूस होने लगे। किसी-किसी का कहना था कि उन्हें अभी भी कभी-कभी यह महसूस होता है कि जमीन हिल रही है...आदि।

पोस्ट ट्रामेटिक स्ट्रेस डिसऑर्डर

इस संदर्भ में नई दिल्ली के वरिष्ठ मनोरोग विशेषज्ञ डॉ. अचल भगत कहते हैं कि मेरे पास उपर्युक्त समस्याओं के बाबत लोग आए। असल में दो तरह के लोग होते हैं, एक तो वे जिन्हें भूकंप के दौरान जान-माल की क्षति हुई। ऐसे लोग एक मनोरोग- पोस्ट ट्रामेटिक स्ट्रेस डिस्आर्डर- से ग्रस्त हो सकते हैं। ऐसे लोगों में घबराहट बहुत ज्यादा होती है। उनके दिमाग में पुरानी घटनाओं का फ्लैश बैक चलता रहता है।

बचें कैटेस्ट्रॉफिक थिंकिंग- से

जिन लोगों का भूकंप से नुकसान नहीं हुआ है और वे तब भी आशंकाग्रस्त व अत्यधिक भयग्रस्त हैं, तो उनकी इस सोच को मनोचिकित्सकीय भाषा में कैटेस्ट्रॉफिक थिंकिंग (हादसे से संबंधित सोच) कहा जाता है। इस संदर्भ में नई दिल्ली के एक अन्य वरिष्ठ मनोचिकित्सक डॉ. गौरव गुप्ता कहते हैं कि भूकंप के बाद तमाम लोगों के मन में डर अपनी जड़ें जमा लेता हैं। धीरे-धीरे यह भय एंग्जाइटी (बेचैनी) में बदल जाता है।

इलाज

कोई व्यक्ति भूकंप के गुजरने के बाद भी बेचैनी महसूस कर रहा है, तो वह मनोरोग विशेषज्ञ से काउंसलिंग व दवा ले। ध्यान दूसरी ओर आकर्षित करें। किसी हॉबी में मशगूल हों। मन को बहलाने का प्रयास करें। ईश्वर का ध्यान करें। इससे आपका मनोबल और आत्मविश्वास बढ़ता है, मन की बेचैनी कम होती है और आप इस सत्य को समझने लगते हैं कि भगवान की मर्जी के आगे किसी की नहीं चलती। इसलिए स्वयं को नकारात्मक सोच के दायरे में रखना अपना ही नुकसान करना है।

मायोपिया से बचने के लिए टीवी कम देखें

बात जब मनोरंजन की हो, तो अपने बच्चे को स्क्रीन देखने से ज़्यादा आउटडोर खेलने के लिए प्रोत्साहित करें। यह मायोपिया से बचाव का की फैक्टर हो सकता है। अनुमान है कि भारत में हर तीन में से एक व्यक्ति मायोपिया का शिकार है और बच्चों में यह समस्या बढ़ रही है। एम्स के शोधकर्ताओं के अनुसार भारत में 12 साल की उम्र के आठ बच्चों में से एक को ब्लैकबोर्ड पढ़ने के लिए चश्मा लगता है। इस अध्ययन में दिल्ली के सरकारी और निजी स्कूलों के करीब 10 हज़ार छात्रों की समीक्षा की गई और पाया गया कि 11.6 साल की औसत उम्र के 13.1 फीसदी बच्चे निकट दृष्टि दोष के शिकार हैं। हालांकि अब तक सूरज की रोशनी और मायोपिया का संबंध स्थापित नहीं किया जा सका है लेकिन कई ताज़ा अध्ययनों की दलील है कि सूरज की रोशनी इस रोग से बचाव में मदद करती है। शोधकर्ता कहते हैं कि इस रोग के लिए जीन्स की भूमिका भी हो सकती है। यूरोप और एशिया के 45 हज़ार लोगों पर किये जा रहे एक बड़े अध्ययन में सामने आया है कि दृष्टि से 24 जीन्स का संबंध है जिनमें से 2 इस रोग के कारण से जुड़े हैं। जिन लोगों में ये जीन्स होते हैं उनमें मायोपिया होने की आशंका 10 गुना बढ़ जाती है। प्राइवेट स्कूलों में पढ़ रहे उन बच्चों में मायोपिया के मामले ज़्यादा देखे गये, जिनके अभिभावक या भाई-बहन इस रोग से ग्रस्त हैं या जो उच्च आय वाले परिवारों से संबंधित हैं। यह आनुवांशिकी को नहीं दर्शाता लेकिन कुछ ऐसी गतिविधियों को इंगित करता है जो नेत्र संबंधी समस्या से जुड़ी हैं जैसे टीवी या स्क्रीन गैजेट्स आदि का प्रयोग। शोधकर्ताओं ने पाया कि उन बच्चों में मायोपिया सबसे ज़्यादा पाया गया जो दिन में पांच घंटे से ज़्यादा पढ़ते हैं या टीवी, कंप्यूटर, वीडियो व मोबाइल गेम्स आदि पर रोज़ दो घंटे से ज़्यादा समय बिताते हैं।

स्त्रियों में कुपोषण की समस्या

कुपोषण का अर्थ है पोषण की कमी। पोषण मिलता है उचित आहार-विहार द्वारा। जब अनुचित या मिथ्या आहार-विहार किया जाता है तो प्रायः शरीर में किसी न किसी पदार्थ की कमी होना स्वाभाविक है एवं उस पदार्थ की कमी विभिन्न लक्षणों के रूप में व्यक्त हो कर शरीर को रोगी बना देती है। कुपोषण स्त्री, पुरूष व बच्चे किसी में भी पाया जा सकता है। यहां हम चर्चा करेंगे स्त्रियों में कुपोषण की समस्या पर। आज यह एक ज्वलंत समस्या बन कर खड़ी है। बढ़ती महंगाई व बढ़ती जनसंख्या एवं घटते संसाधनों के कारण यह समस्या निरंतर दुःखदायी बनती जा रही है। स्त्री चूंकि परिवार व समाज का महत्वपूर्ण स्तंभ है- अतः उसका स्वस्थ रहना अति आवश्यक है। रोगिणी या कमजोर स्त्री का परिवार कभी सुखी नहीं हो सकता। अतः यह समस्या केवल शारीरिक ही नहीं अपितु सामाजिक समस्या भी है। लक्षण = कुपोषण होने पर प्रायः शारीरिक कमजोरी, मानसिक अवसाद, खून की कमी, शरीर का पीला या सफेद पड़ना, आंखों के चारों ओर कालिमा होना, आंखें गड्ढे में धंसी दिखाई पड़ना, भूख की कमी, थोड़े प्रयास से भी श्वास चढ़ना, चक्कर आना, इसके अलावा किसी विशेष विटामिन या आयरन, प्रोटीन व मिनरल की कमी से होने वाले विशेष लक्षण दिखलाई पड़ते हैं। प्रोटीन की कमी के कारण मांसपोशियों का कमजोर होना और यकृत का ठीक से कार्य न करना, विटामिन ए की कमी से आंखों का कमजोर व बीमार होना पाया जाता है।

विटामिन बी:की कमी से विकार व नाड़ी विकार होते हैं।

विटामिन सी: की कमी होने पर विभिन्न अस्थि रोग होते हैं। इसी प्रकार अन्य अनेक रोगों से शरीर ग्रस्त हो जाता है।

कारण: कुपोषण के अनेक कारण हैं, इनमें से कुछ निम्न प्रकार से हैं। गरीबी, भुखमरी, अपर्याप्त भोजन लेना। गलत भोजन का चयन अर्थात् ऐसा भोजन जिसमें विटामिन-मिनरल या अन्य पोषक पदार्थों का अभाव हो अर्थात् असंतुलित भोजन। आवश्यकता से अधिक भोजन लेना अपच पैदा कर कुपोषण का कारण बनता है।

एक ही प्रकार के विटामिन की अधिकता युक्त भोजन लेना। प्राकृतिक विषमताजन्य पदार्थ जैसे वनस्पतियों के बीज, पीतल, अल्यूमीनियम के बर्तनों में पका खाना। कुसमय भोजन करना, भोजन के प्रति लापरवाही बरतना। सस्ते के चक्कर में नीम-हकीमों की सलाह लेना। गरीबी, ईष्या, घर की सफाई पर ध्यान देना। किसी दिमागी या शारीरिक रोग की वजह से भूख न लगना। कट्टर शाकाहारी होना।

नशेड़ी होना। गर्भावस्था के दौरान, स्तनपान के दौरान। कड़ा परिश्रम करने वालों में खासकर ठंडे प्रदेश में सामान्य खुराक पर्याप्त नहीं होती। कभी-कभी किन्हीं रोगों के कारण भी कुपोषण की समस्या उत्पन्न होती है। लंबी अवधि तक किसी शल्य कर्म के कारण ग्लूकोस का चढ़ना। लंबी अवधि तक एंटीबायोटिक लेने से आंतों के बैक्टीरिया की क्रियाशीलता का कम होना। नेफ्रोटिक सिंड्रोम में प्रोटीन का मूत्र द्वारा बाहर निकल जाना प्रोटीन की कमी का कारण बनता है। डायबिटीज में ग्लूकोज का अधिक मात्रा में मूत्र में आना।

अधिक माहवारी होना लौह तत्व की कमी का कारण बनता है। अतिसार या दस्त आना पोटेशियम की कमी करता है। इस प्रकार उपरोक्त कारणों में से कोई एक कारण भी कुपोषण पैदा कर सकता है। उपरोक्त लक्षणों की जानकारी हासिल कर लेने के पश्चात आप स्वयं भी इसका निर्णय कर सकते हैं कि कहीं आप कुपोषण से ग्रस्त तो नहीं हैं? घर की व घर के अन्य सदस्यों की देखभाल करने में स्त्रियां प्रायः अपनी स्वयं की ओर ध्यान नहीं दे पाती। काम निपटाकर हीं भोजन करने की प्रवृत्ति उन्हें रोगी बना सकती है परन्तु उन्हें अपनी इस आदत को त्यागकर अपना ध्यान अवश्य रखना चाहिए। ऐसा न हो कि कुपोषण का छोटा स्वरूप भी कहीं किसी गंभीर रोग में तब्दील हो जाए। यदि उपरोक्त एक भी लक्षण आपको स्वयं में दिखाई दे तो समय नष्ट किए बिना चिकित्सक से परामर्श लें व उचित उपचार में लापरवाही न बरतें।

'छावा' का टीजर रिलीज, शेरों से दहाड़ते दिखे विक्की कौशल

नई दिल्ली। विक्की कौशल और रश्मिका मंदाना स्टारर फिल्म छावा अपनी अनाउंसमेंट के बाद से ही चर्चा में है। खैर लंबे इंतजार के बाद आखिरकार 19 अगस्त को इसका टीजर रिलीज हो गया है। ये फिल्म 6 दिसंबर को रिलीज होगी। इसे स्त्री 2 से पहले दिखाया गया था और इसने पहले ही फैन्स को इंप्रेस कर लिया है। फर्स्ट लुक में युद्ध के कई सीन हैं जिसमें विक्की को महान छत्रपति शिवाजी महाराज के दुर्जेय पुत्र के रूप में दमदार तरीके से इंट्रोड्यूस किया गया है। टीजर की शुरुआत छत्रपति संभाजी महाराज के रूप में विक्की कौशल के इंट्रो से होती है। वह एक बहादुर सैनिक की तरह लड़ते नजर आ रहे हैं।

लाइफ Style

आलिया

पसंद हैं महंगे बैग

एजेंसी ▶▶ मुंबई

आलिया भट्ट बॉलीवुड की बेहद पसंदीदा अभिनेत्रियों में से एक हैं। वह अभिनय के अलावा प्रोफेशनल क्षेत्र में भी अहम भूमिका निभाती हैं। हाल ही में, उन्होंने 'पोचर'वेब सीरीज का प्रोडक्शन किया। यह सीरीज जानवरों के शिकार के बारे में जागरुकता पर आधारित है।

इसका निर्माण आलिया ने क्यूसी एंटरटेनमेंट के एडवर्ड एच. हैम जूनियर, रेमंड मैन्सफील्ड और सीन मैककिट्रिक के साथ मिलकर किया है। हालांकि, अवैध पशु शिकार के खिलाफ कदम उठाने के तुरंत बाद अभिनेत्री नेटिजन्स के निशाने पर आ गईं। उन्होंने कहना शुरू कर दिया कि आलिया के पास कई चमड़े के उत्पाद हैं। इसके लिए उनकी काफी आलोचना भी हुई। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक उन्होंने एक साक्षात्कार में बताया था कि किशोरावस्था में उन्होंने अपने पैसे से जो पहली महंगी चीज खरीदी थी, वह लुई वुइटन बैग था। इसके बारे में उन्होंने विस्तार से बताते हुए कहा, 'मैं बैग पर सबसे ज्यादा पैसे खर्च करती हूं। मुझे वे बहुत पसंद हैं।'आलिया भट्ट वर्तमान में प्रतिष्ठित फैशन लेबल, 'गुच्ची' की 'ग्लोबल ब्रांड एंबेसडर' हैं। 5 मार्च, 2024 को मुंबई के जियो वर्ल्ड प्लाजा में ब्रांड के स्टोर लॉन्च के दौरान, आलिया ने इसमें शिरकत की। इस दौरान उन्होंने उसी ब्रांड का काले रंग का लेदर काफ हैंडबैग लिया था, जिसने सभी का ध्यान अपनी ओर खींचा। रिपोर्ट्स के मुताबिक वेबसाइट पर बैग की कीमत 2,35,967 रुपए थी। रिपोर्ट्स के मुताबिक एक बार साल 2021 में, आलिया को 'स्पीक अप फॉर एनिमल्स' कैप्शन वाली टी-शर्ट पहने देखा गया था।

हॉलीवुड मसाला

अगले साल सिनेमाघरों में देगी दस्तक

लॉस एंजिल्स। डिज्नी ने डी23 में अपनी कई एनिमेटिड फिल्मों को लेकर घोषणा की। ये दिन एनिमेटिड फिल्मों को पसंद करने वालों के लिए बड़ा ही यादगार रहा। कैलिफोर्निया के एनाहिम में आयोजित डी23 फैन इवेंट में डिज्नी ने 'लिलो एंड स्टिच' की रिलीज को लेकर भी ऐलान किया। डी23 में फिल्म के आगामी लाइव-एक्शन रीइमेजिनिंग से स्टिच चरित्र डिजाइन की भी पहली झलक पेश की गई। 'लिलो एंड स्टिच' 2025 की गर्मियों में सिनेमाघरों में दस्तक देगी।

रॉबर्ट बन गया सबसे ज्यादा फीस लेने वाला स्टार...

लॉस एंजिल्स। अभिनेता रॉबर्ट डाउनी जूनियर ने सभी मार्वल फैन को तब चौंका दिया जब उन्होंने ऐलान किया कि वह एमसीयू में वापसी करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं, सबके चहेते आयरन मैन के रूप में नहीं, बल्कि इस बार खलनायक डॉक्टर डूम के रूप में। अब, अगर नई रिपोर्ट्स की मानें तो एक्टर दो फिल्मों में रोल निभाने के लिए बहुत ज्यादा पैसे ले रहे हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार, रुसो ब्रदर्स - जो रुसो और एंथनी रुसो - को एवेंजर्स: डूम्सडे और एवेंजर्स: सीक्रेट वॉर्स का डायरेक्शन करने के लिए चुना गया है, जिसमें डॉक्टर डूम का किरदार होगा और कथित तौर पर डायरेक्टर जोड़ी को दोनों फिल्मों के डायरेक्शन के लिए $80 मिलियन, यानी लगभग 670 करोड़ रुपए की पेमेंट दी जा रही है। इतना ही नहीं, रिपोर्ट में दावा किया गया है कि उन्हें इस भारी भरकम रकम के साथ और भी सुविधाएं दी जाएंगी।

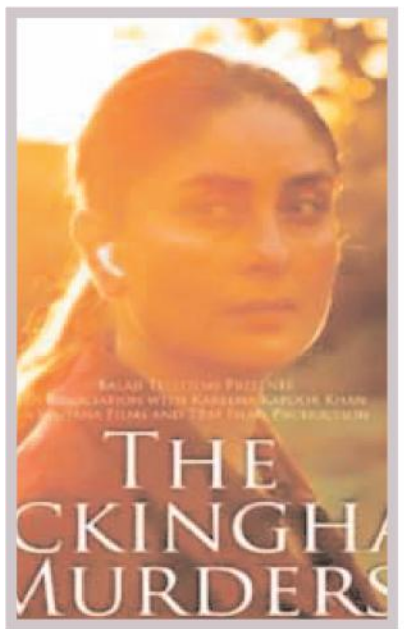

'द बकिंघम...' का नया पोस्टर रिलीज...

नई दिल्ली। 'द बकिंघम मर्डर्स' के नए पोस्टर के रिलीज होने के बाद से इसके लिए एक्साइटमेंट और भी बढ़ गई है। ये सस्पेंस थ्रिलर, करीना कपूर खान की मौजूदगी के साथ दर्शकों को उम्मीदें देते हुए उन्हें उन्हें फुल रोमांच देने का वादा करता है। सोमवार को मेकर्स ने जो पोस्टर रिलीज किया है, उसमें मिस्ट्री और एक्साइटमेंट दोनों का ही अहसास है जो फिल्म की थ्रिल से भरी कहानी को अच्छे से समेटे हुए है। यह पोस्टर की तरफ ध्यान ले जा रहा है। वह एक ग्रिपिंग और सस्पेंस से भरी फिल्म के लिए सही टोन सेट कर रहा है। करीना कपूर खान जो अपनी कमाल की परफॉर्मेंस के लिए जानी जाती है। वह इस बार भी सभी को इंप्रेस करने के लिए तैयार हैं। हंसल मेहता के कमाल के डायरेक्शन में बन रही इस फिल्म को एकता कपूर ने सपोर्ट किया है।

10 अक्टूबर को कंगुवा से भिड़ेगी वेट्टैयन

मुंबई। रजनीकांत की 'वेट्टैयन' इस साल की बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक है। इस फिल्म के लिए सुपरस्टार ने निर्देशक टीजे ज्ञानवेल के साथ हाथ मिलाया है। निर्माताओं ने ऐलान किया है कि 'वेट्टैयन' इस साल 10 अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म के नए पोस्टर में रजनीकांत पुलिस की वर्दी पहने धांसू अंदाज में नजर आ रहे हैं। अभिनेता ने काला चस्मा भी पहना हुआ है। पोस्टर पर प्रदर्शन कर रहे लोगों की भीड़ भी दिखाई गई है। हालांकि, प्रशंसकों को थोड़ा झटका भी लगा है, क्योंकि यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर अकेली रिलीज नहीं होगी। 10 अक्टूबर को 'वेट्टैयन' बॉक्स ऑफिस पर साउथ सुपरस्टार की फिल्म 'कंगुवा' के साथ भिड़ेगी। 'कंगुवा' में सूर्या के साथ बॉबी देओल भी नजर आएंगे। फिल्म का निर्देशन कोरताला शिवा ने किया है।

टीवी मसाला

'खतरों के खिलाड़ी-14' से एलिमिनेट हुईं अदिति, जाते-जाते हुईं भावुक...

नई दिल्ली। स्टंट बेस्ड रियलिटी शो 'खतरों के खिलाड़ी सीजन 14' का बीता हफ्ता बेहद मुश्किल रहा। खासकर निमृत कौर अहलूवालिया के लिए। क्योंकि वह बनी थीं कैप्टन और उनकी टीम सुमोना चक्रवर्ती की टीम से बुरी तरह हार गई। ऐसे में पूरी टीम एलिमिनेशन में आई और उसमें से अदिति शर्मा एविक्ट हो गईं। वहीं, शालीन भनोट स्टंट जीतकर सुरक्षित हो गए। हालांकि, एक्ट्रेस घर नहीं जाना चाहती थीं। मगर, वह पहले ही घबरा गई थीं कि स्टंट सही से कर न सकीं। अदिति ने 151 बिच्छू इकट्ठा किए थे और शालीन ने 168 बिच्छू इकट्ठा किए थे। अदिति स्टंट हार जाने के कारण एलिमिनेट हो गईं। मगर जाते-जाते उन्होंने रोते हुए कहा कि जितना भी किया अपनी क्षमता से ज्यादा किया। निमृत ने अदिति शर्मा के साथ अपने रिश्ते को सुधारा और अंत में अदिति से कहा कि वह उससे नफरत न करे क्योंकि उसके पास कोई ऑप्शन नहीं था। निमृत ने कहा कि उनके लिए पिछला हफ्ता आसान नहीं रहा। और इस बार भी उन्होंने अपना 100 पर्सेंट दिया। मगर किस्मत ने साथ नहीं दिया। इसके बाद रोहित शेट्टी ने शालीन और अदिति से स्टंट करवाया। जिसमें उनका अपना सिर एक बॉक्स जैसे ताबूत में रखा था, जो घूम रहा था। वहीं, एक और बॉक्स था, जिसमें कॉकरोच और बिच्छू भरे थे। उन्हें उन बिछिओं को निकालकर अपने चेहरे वाले डिब्बे में भरने थे। 5 मिनट के बाद जब स्टंट पूरा हुआ और गिनती हुई, जिसमें शालीन ने बाजी मार ली।

मुकेश ने कपिल को बताया 'असभ्य'

नई दिल्ली। 'शक्तिमान' और 'महाभारत' जैसे शोज से फेमस हुए मुकेश खन्ना लगातार विवादों में छाए रहते हैं। उन्होंने कई एक्टर्स की आलोचना की है और अब कपिल शर्मा को असभ्य बताया है। एक्टर ने किस्सा सुनाया और बताया कि उन्होंने ऐसा क्यों कहा। उन्होंने कहा, 'कपिल शर्मा को मैं जानता नहीं था। पर देखो मैं आपको नहीं जनता हूं, मगर आप मुझे जानते हो।' 'हमारे यहां पर एक तरह का कस्टम है, रिवाज है, शिष्टाचार है, हैलो और कैसे हैं आप? बस इतना बोलना पड़ता है और इतना बोलना भी चाहिए। ये आदमी (कपिल शर्मा) बैठ गया, मैंने कहा पानी में जा, मेरे को बुरा नहीं लगता, लेकिन मुझे लगता है कि असभ्य है।' मतलब मुकेश खन्ना को कपिल शर्मा ने हाय-हेलो नहीं कहा। वह आए और सीधे बैठ गए। इसलिए एक्टर को कॉमेडियन असभ्य लगे। उन्होंने कहा कि एक अवॉर्ड फंक्शन में कपिल उनके सामने बैठ गए थे। दिग्गज अभिनेता 'प्यार का दर्द मीठा मीठा प्यारा प्यारा' के लिए पुरस्कार लेने आए थे।

स्त्री-2 ने बंपर कमाई से बनाया रिकॉर्ड

गदर-2, जवान, बाहुबली-2 की कैटेगरी में हुई शामिल

नई दिल्ली। पेड प्रीव्यूज से लेकर रविवार (18 अगस्त) तक स्त्री 2 को रिलीज हुए 5 दिन हो गए और फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर तूफान उठाया हुआ है और इस तूफान से उठी धूल में वेदा और खेल खेल में में जैसी फिल्में कहीं खो गयीं. स्त्री 2 ने पेड प्रीव्यू में 8.5 करोड़, गुरुवार को 51.8 करोड़, शुक्रवार को 31.4 करोड़, शनिवार को 43.85 करोड़ और रविवार को 55.9 करोड़ की कमाई की यानी पेड प्रीव्यू मिलाकर फिल्म ने 5 दिनों में देश में 191.45 करोड़ की नेट कमाई की है। वहीं, दुनियाभर में 5 दिनों में इसका कलेक्शन 273 करोड़ है। शायद फिल्म 6 दिनों में दुनियाभर में 300 करोड़ का आंकड़ा पार कर जाए। जबकि, शाहरुख खान की जवान और पठान की तो ये फिल्में 4 दिनों में 200 करोड़ क्लब में एंटर कर गई थी और ये आंकड़ा नेट था यानी एंटरटेनमेंट टैक्स हटाकर. स्त्री 2 के पेड प्रिव्यूज को अलग कर दें तो सोमवार को फिल्म का पांचवा दिन था और ये फिल्म अपने पांचवे दिन 200 करोड़ का आंकड़ा पार कर गई। यानी ये फिल्म अभी जवान और पठान से तो पीछे है पर इसे गदर 2, केजीएफ चैप्टर 2 और बाहुबली 2 की कैटेगरी में रखा जा सकता है, क्योंकि इन फिल्मों ने 200 करोड़ का आंकड़ा 5 और 6 दिनों में पूरा किया था।

11 साल की उम्र में छोड़ा घर, चमकी किस्मत और बन गए 90 के सुपरस्टार, लेकिन एक झूठे केस में जेल में सोने को हुआ मजबूर

नई दिल्ली। किस्मत कब किसकी पलट जाए कभी किसी को नहीं पता होता. ऐसा ही कुछ 'ना-ना-ना-ना रे' गाने से घर-घर मशहूर पॉप गायक दलेर मेहंदी के साथ हुआ। उनकी जिंदगी में बुरा दौर भी आया था, जब उन्हें जेल की फर्श पर सोना पड़ा था। एक अधिकारी ने उनके साथ बदसलूकी भी की थी।

11 साल की उम्र में अपना घर छोड़ने वाले दलेर मेहंदी ने महज 5 साल की उम्र से ही गाना सीखना शुरू कर दिया था। उन्होंने गोरखपुर के उस्ताद राहत अली खान से संगीत सीखा था। दलेर ने 13 साल की उम्र में स्टेज पर परफॉर्म करके सबका दिल जीत लिया था। दलेर मेहंदी का जन्म 18 अगस्त 1967 को बिहार के पटना में हुआ था, उन्हें बचपन से ही गाने का शौक था। सिंगर के साथ ही दलेर मेहंदी लेखक और रिकॉर्ड प्रोड्यूसर भी हैं। उनका गाना 'ता रा रा रा' लोगों को काफी पसंद आया था, इस गाने के बाद वो काफी लोकप्रिय हो गए थे। दलेर

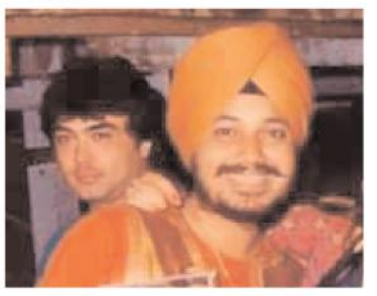

मेहंदी ने गानों और म्यूजिक से पंजाबी इंडस्ट्री में धमाल मचा दिया। उन्होंने पंजाबी इंडस्ट्री के अलावा बॉलीवुड के लिए भी कई गाने गाए हैं।

दलेर मेहंदी के हिंदी फिल्मों में करियर की शुरुआत सुपरस्टार अमिताभ बच्चन की फिल्म 'मृत्युदाता' से हुई थी। यह फिल्म साल 1997 में आई थी। इस फिल्म में उन्होंने 'ना ना ना रे' गाना गाया था, जो काफी मशहूर हुआ। इस गाने को खुद दलेर मेहंदी ने कंपोज भी किया था। इस गाने से दलेर मेहंदी घर-घर मशहूर हो गए थे। इसके बाद 1997 में आया गाना 'रब रब' गाने ने धमाल मचा दिया था। इसके लिए उन्हें सर्वश्रेष्ठ पुरुष पॉप सिंगर के अवॉर्ड से नवाजा गया था।

सफलता के शिखर पर पहुंचकर लोकप्रियता की बुलंदियों को छूने के बाद दलेर मेहंदी की जिंदगी में बुरा दौर भी आया था। साल 2003 में दलेर मेहंदी और उनके भाई शमशेर सिंह का नाम कबूतरबाजी केस में सामने आया था। दलेर पर आरोप था कि शो के लिए जाते वक्त वो अवैध तरीके से 10 लोगों को अपने साथ अमेरिका ले गए। इस मामले में दलेर मेहंदी को 2 साल जेल में भी रहना पड़ा था, जहां उनके साथ बहुत बदसलूकी हुई थी। एक इंटरव्यू में उन्होंने बताया था कि वो सबसे खराब दौर था, मुझे झूठे केस में फंसाया गया था। जेल में एक पुलिस अधिकारी ने मेरे साथ बदसलूकी और अप-शब्द कहे। उन्हें कोई भी वीआईपी सुविधा नहीं मिली थी और उनको जेल की फर्श पर भी सोना पड़ा था।

संजय दत्त और सैफ ने लाडली बहनों संग धूमधाम से मनाया रक्षाबंधन

सारा अली खान ने भाइयों जेह और इब्राहिम को बांधी राखी

नई दिल्ली। पूरा देश और बॉलीवुड ने भी भाई-बहन के प्यार का जश्न मनाने वाला त्योहार रक्षाबंधन मनाया। इस मौके पर कई मशहूर हस्तियों ने अपने-अपने सोशल मीडिया हैंडल पर अपने बचपन और अनदेखे पलों की तस्वीरें शेयर की हैं, जिसमें उनके भाई-बहनों के साथ उनके रिश्ते की झलक दिखाई गई है। सोनम कपूर से लेकर संजय दत्त तक और सारा अली खान ने अपने भाई-बहनों के साथ राखी की फोटोज शेयर कीं। रकुल प्रीत सिंह, सबा पटौदी भी इस लिस्ट में शामिल हो गईं।

सारा : सारा ने अपने इंस्टा हैंडल पर कई सारी फोटोज पोस्ट कीं। पहली और दूसरी तस्वीर में सारा इब्राहिम को राखी बांधती नजर आ रही हैं जबकि जेह उनकी तरफ देख रहे हैं। तीसरी तस्वीर में सारा अपने सौतेले भाई जेह को मिठाई खिलाती नजर आईं, जो अपनी मां करीना कपूर की गोद में बैठे थे। अगली तस्वीर में पटौदी परिवार को दिखाया गया, जिसमें सैफ अली खान, करीना कपूर खान, सारा अली खान, इब्राहिम अली खान, सोहा अली खान और जेह शामिल थे। पीले रंग का सूट पहने सारा बेहद खूबसूरत लग रही थीं।

संजय दत्त : संजय दत्त ने भी अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर अपनी बहनों प्रिया और अंजू के साथ तस्वीरें शेयर कीं। एक्टर ने एक प्यारा सा नोट लिखा- आप दोनों को मेरे साथ पाकर मुझे बहुत खुशी मिलती है। प्रिया और अंजू, मेरा निरंतर समर्थन बने रहने के लिए धन्यवाद। आप दोनों को बेहद प्यार! आपको रक्षा बंधन की शुभकामनाएं।

सबा पटौदी : सबा पटौदी ने सैफ अली खान सहित अपनी बहन और भाभी के साथ फोटोज शेयर कीं।

भूमि पेडनेकर : भूमि पेडनेकर ने भी इस मौके को अपनी बहन समिशा पेडनेकर के साथ मनाया, जिन्होंने अपनी बड़ी बहन को राखी बांधी। एक्ट्रेस ने एक और फोटो शेयर की, जो काफी प्यारी थी।

जेनेलिया डिसूजा : जेनेलिया डिसूजा भी इस लिस्ट में शामिल हो गईं और उन्होंने अपने भाई निगेल के साथ एक फोटो शेयर की। एक्ट्रेस ने उनके लिए एक नोट भी लिखा। उन्होंने लिखा, 'मैं एक बात जानती हूं कि इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि मैं जीवन में कहां हूं और अगर मुझे कभी आपकी जरूरत होगी, तो आप वहां होंगे और किसी भी बहन के लिए, किसी भी इंसान के लिए यह सबसे बड़ा आशीर्वाद है, आपके होने के लिए धन्यवाद मेरा।'

रकुल प्रीत सिंह : रकुल प्रीत सिंह ने भी एक अनोखे कैप्शन के साथ अपने भाई के साथ फोटोज शेयर कीं।

उन्होंने लिखा- तो यह साल का वह समय है जब आप मुझे गिफ्ट देते हैं और मेरी रक्षा करने का वादा करते हैं और मेरी हर बात सुनते हैं और मेरे सभी आदेशों का पालन करते हैं।

खबर संक्षेप

राष्ट्रीय कोयला सूचकांक जून में 3.48 फीसदी गिरा

नई दिल्ली। राष्ट्रीय कोयला सूचकांक (एनसीआई) जून, 2024 में 3.48 प्रतिशत गिरकर 142.13 अंक पर आ गया, जो बाजार में इस शुष्क ईंधन की पर्याप्त उपलब्धता का संकेत देता है। कोयला मंत्रालय ने बयान में कहा कि जून, 2023 में एनसीआई 147.25 अंक पर था। यह गिरावट बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए बाजार में कोयले की पर्याप्त उपलब्धता का संकेत देती है।

कीस्टोन रियलटर्स को 32% बिक्री बुकिंग वृद्धि की उम्मीद

नई दिल्ली। कीस्टोन रियलटर्स को उम्मीद है कि चालू वित्त वर्ष में उसकी बिक्री बुकिंग 32 प्रतिशत बढ़कर 3,000 करोड़ रुपये तक पहुंच सकती है। कंपनी के चेयरमैन और प्रबंध निदेशक बोमन ईरानी ने यह बात कही है। कीस्टोन रियलटर्स रुस्तमजी ब्रांड के तहत अपनी संपत्तियां बेचती है और यह देश के अग्रणी रियल एस्टेट डेवलपर में शामिल है। ईरानी ने साक्षात्कार में कहा कि आवास बाजार में मांग मजबूत बनी हुई है, जिससे कंपनी को भूमि अधिग्रहण और निर्माण गतिविधियों में अधिक निवेश करने के लिए प्रोत्साहन मिला है।

स्मार्टवर्क्स कोवर्किंग स्पेसेस को 50 करोड़ का घाटा

नई दिल्ली। स्मार्टवर्क्स कोवर्किंग स्पेसेज लिमिटेड को बीते वित्त वर्ष में लगभग 50 करोड़ रुपये का एकीकृत शुद्ध घाटा हुआ है। कंपनी ने बताया कि उसे यह घाटा ज्यादा खर्च होने के कारण हुआ है। उद्योगों को कार्यस्थल उपलब्ध कराने वाली प्रमुख कंपनी स्मार्टवर्क्स ने अपना आरंभिक सार्वजनिक निर्गम लाने के लिए पूंजी बाजार नियामक सेबी में आरंभिक दस्तावेज दाखिल किए हैं। दस्तावेजों के अनुसार, कंपनी को वित्त वर्ष 2023-24 में 49.95 करोड़ रुपये का शुद्ध घाटा हुआ था।

रुपया आठ पैसे मजबूत होकर 83.87 प्रति डॉलर

मुंबई। डॉलर में कमजोरी और कच्चे तेल की कीमतों में नरमी के बीच सोमवार को रुपया अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले आठ पैसे मजबूत होकर 83.87 के भाव पर बंद हुआ। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने कहा कि विदेशी कोषों के ताजा प्रवाह ने निवेशकों की धारणा को मजबूती देने का काम किया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपये ने अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 83.88 पर खुलने के बाद मजबूती हासिल की। कारोबार के दौरान रुपया 83.84 के ऊपरी और 83.93 के निचले स्तर पर रहा।

ईआईएच को चौथी तिमाही में मजबूत मांग की उम्मीद

नई दिल्ली। होटल चलाने वाली प्रमुख कंपनी ईआईएच लिमिटेड को चालू वित्त वर्ष की तीसरी और चौथी तिमाही में मजबूत मांग और होटल बुकिंग की उम्मीद है। कंपनी के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यपालक अधिकारी विक्रम ओबेरॉय ने कहा कि इससे पहले अप्रैल-जून के दौरान चुनाव और भीषण गर्मी के कारण मांग में कमी देखी गई थी। उन्होंने विश्लेषकों से कहा कि इस साल के आम चुनावों का मांग पर प्रभाव पिछले चुनावों की तुलना में अधिक था।

नंबर एक से हट ही नहीं रही मारुति की डिजायर, अकेले 45% मार्केट पर कब्जा

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारतीय ग्राहकों के बीच बीते कुछ सालों से एसयूवी सेगमेंट की बढ़ती डिमांड के बीच सेडान कारों की पापुलैरिटी में कमी देखी जा रही है। हालांकि, इसके बावजूद भी मार्केट में कई सेडान कारों का दबदबा अभी भी बरकरार है। इन कारों में मारुति सुजुकी डिजायर, हुंडई ऑरा और होंडा अमेज जैसी कार शामिल है।

अगर बीते महीने यानी जुलाई, 2024 में हुई सेडान सेगमेंट के कार बिक्री की बात करें तो एक बार फिर मारुति सुजुकी डिजायर ने टॉप पोजीशन हासिल कर लिया। हालांकि, इस दौरान मारुति सुजुकी डिजायर की बिक्री में सालाना आधार पर 13.05 प्रतिशत की गिरावट देखी गई। इसके बावजूद भी मारुति सुजुकी डिजायर का सेडान सेगमेंट में मार्केट शेयर अकेले 44.98 पर्सेंट रहा। बिक्री की इस सूची में दूसरे नंबर पर हुंडई ऑरा रही। हुंडई ऑरा ने इस दौरान 5.38 फीसदी की सालाना बढ़ोतरी के साथ कुल 4,757 यूनिट कार की बिक्री की। जबकि तीसरे नंबर पर बिक्री की इस लिस्ट में होंडा अमेज रही। होंडा अमेज ने इस दौरान 31.28 प्रतिशत की सालाना गिरावट के साथ कुल 2,327 यूनिट कार की बिक्री की। दूसरी ओर बिक्री की इस लिस्ट में छठे नंबर पर हुंडई वरना रही। हुंडई वरना ने इस दौरान 50.31 फीसदी की सालाना गिरावट के साथ कुल 1,420 यूनिट कार की बिक्री की। वहीं, बिक्री की इस लिस्ट में सातवें नंबर पर होंडा सिटी रही।

सूची में दूसरे नंबर पर हुंडई की ऑरा रही, सेडान कारों का अभी भी बाजार में दबदबा

44 फीसदी घट गई टाटा टिगोर की बिक्री

इसके अलावा, बिक्री की इस लिस्ट में चौथे नंबर पर फॉक्सवैगन वर्टेस रही। फॉक्सवैगन वर्टस ने इस दौरान 1.67 फीसदी की सालाना बढ़ोतरी के साथ कुल 1,766 यूनिट कार की बिक्री की। जबकि बिक्री की इस लिस्ट में पांचवें नंबर पर टाटा टिगोर रही। टाटा टिगोर ने इस दौरान 44.30 पर्सेंट की सालाना गिरावट के साथ कुल 1,495 यूनिट कार की बिक्री की।

टोयोटा की कैमरी दसवें स्थान पर

स्कोडा स्लाविया ने इस दौरान 52.06 फीसदी की सालाना गिरावट के साथ सिर्फ 793 यूनिट कार की बिक्री की। जबकि बिक्री की इस लिस्ट में नौवें नंबर पर मारुति सुजुकी सियाज रही। मारुति सुजुकी सियाज ने इस दौरान 55.27 पर्सेंट की सालाना गिरावट के साथ सिर्फ 603 यूनिट कार की बिक्री की। वहीं, बिक्री की इस लिस्ट में दसवें नंबर पर टोयोटा कैमरी रही। टोयोटा कैमरी ने इस दौरान 33.68 फीसदी की सालाना गिरावट के साथ 126 यूनिट कार की बिक्री की।

भारतीय स्टेटबैंक के अर्थशास्त्रियों ने जारी की रिपोर्ट

बैंक जमा में वृद्धि को लेकर चिंता एक सांख्यिकीय मिथक : एसबीआई

एजेंसी ▶▶ मुंबई

देश के सबसे बड़े ऋणदाता भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के अर्थशास्त्रियों ने सोमवार को कहा कि जमा में वृद्धि पर चिंता एक 'सांख्यिकीय मिथक' है, क्योंकि वित्त वर्ष 2021-22 से जमा की कुल राशि आवंटित ऋण से कहीं अधिक रही है।

भारतीय स्टेट बैंक के अर्थशास्त्रियों की एक रिपोर्ट के मुताबिक, वित्तीय प्रणाली में लगभग आधी सावधि जमाएं वरिष्ठ नागरिकों के पास हैं जबकि युवा आबादी उच्च प्रतिफल वाले अन्य विकल्पों की तलाश कर रही है। अर्थशास्त्रियों ने जमा पर लगने वाले कर की संरचना में बदलाव की वकालत की है ताकि बैंकों के पास आने वाली बड़ी जमा राशि का इस्तेमाल ऋण वृद्धि में किया जा सके।

वर्ष 2021-22 में जमा की कुल राशि आवंटित ऋण से अधिक रही

जमा में 61 लाख करोड़ की बढ़ोतरी

रिपोर्ट कहती है कि वित्त वर्ष 2021-22 से जमा में कुल 61 लाख करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हुई है, जो ऋण वृद्धि के 59 लाख करोड़ रुपये से अधिक है। रिपोर्ट के मुताबित, 'जमा वृद्धि के सुस्त पड़ने का मिथक महज 'सांख्यिकीय' है। दरअसल जमा वृद्धि के मुकाबले ऋण वृद्धि में सुस्ती को जमा वृद्धि में कमी के तौर पर प्रचारित किया जा रहा है।'

26वें महीने लगाता धीमी ऋण वृद्धि

एसबीआई के अर्थशास्त्रियों ने स्वीकार किया कि वित्त वर्ष 2022-23 और वित्त वर्ष 2023-24 में जमा की वृद्धि क्रमशः 24.3 लाख करोड़ रुपये और 27.5 लाख करोड़ रुपये के साथ ऋण से कम रही है। रिपोर्ट कहती है कि भारतीय बैंकिंग प्रणाली लगातार 26वें महीने धीमी जमा वृद्धि की स्थिति में है।

सुस्ती अक्टूबर 2025 में हो सकती है खत्म

ऐतिहासिक रूप से देखें तो जमा वृद्धि के ऋण वृद्धि से कम रहने के मामले दो-चार साल तक चलते रहे हैं। अर्थशास्त्रियों ने कहा कि पिछले अनुभवों के आधार पर इस सुस्ती का मौजूदा दौर जून, 2025-अक्टूबर, 2025 के बीच खत्म हो सकता है।

ऋण वृद्धि में आ सकती है अल्पकालिक सुस्ती

इसके अतिरिक्त, बैंकों से व्यापक बफर रखने के लिए कहने वाले तरलता संबंधी नए दिशानिर्देशों से ऋण वृद्धि में अल्पकालिक सुस्ती आ सकती है। रिपोर्ट के मुताबिक, सरकारी बैंक कम लागत वाली जमाराशियों का लाभ उठाने में अधिक सक्रिय रहे हैं।

पीएसयू बैंकों के लिए औसत आकार 72,577 रुपए

सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों की बचत/सावधि जमाराशियों का औसत आकार 72,577 रुपये है, जबकि निजी क्षेत्र के बैंकों के लिए यह 1.60 लाख रुपये और विदेशी बैंकों के लिए 10.5 लाख रुपये है।

ऋण वृद्धि की खाई को लेकर चिंता

पिछले एक साल से जमा और ऋण वृद्धि के बीच की खाई को लेकर चिंता जताई जा रही है। पर्याप्त जमा वृद्धि के अभाव में ऋण वृद्धि की स्थिरता पर सवाल उठ रहे हैं। ऐसे में जमाओं के लिए बैंकों को ब्याज दरें बढ़ाने के लिए मजबूर होना पड़ा है।

जमा वृद्धि के लिए कदम उठाने कहा

सीतारमण की बैंकों के प्रमुखों के साथ बैठक

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सोमवार को सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के प्रमुखों के साथ प्रदर्शन समीक्षा बैठक की और उनसे जमा वृद्धि में सुधार लाने को कहा।

पिछले कुछ महीनों में ऋण वृद्धि जमा वृद्धि की तुलना में 3-4 प्रतिशत कम रही है, जिससे बैंकों के लिए परिसंपत्ति-देयता का असंतुलन पैदा हो गया है। सूत्रों के अनुसार, वित्त मंत्री ने बैंकों के वित्तीय प्रदर्शन के साथ ही पीएम आवास योजना, पीएम सूर्य घर और पीएम विश्वकर्मा योजना सहित सरकार की विभिन्न प्रमुख योजनाओं के कार्यान्वयन में हुई प्रगति की समीक्षा की।

सीतारमण ने जमा वृद्धि, ऋण-जमा अनुपात (सीडी अनुपात) और परिसंपत्ति गुणवत्ता का भी जायजा लिया। वित्त मंत्री ने बैंकों के प्रमुखों से मुख्य बैंकिंग कारोबार पर ध्यान केंद्रित करने और नवोन्मेषी उत्पादों को पेश करके जमा वृद्धि की गति बढ़ाने को कहा। उन्होंने इस महीने की शुरुआत में कहा था कि जमा और कर्ज वृद्धि के बीच असंतुलन है। वित्त मंत्री ने कहा, 'कर्ज देने में वृद्धि अधिक है... मैं विभिन्न कारणों से (19 अगस्त को) बैंकों से मिलूंगी और उनसे जमा संग्रह के महत्व के बारे में बात करूंगी।' सीतारमण ने कहा कि भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने बैंकों को ब्याज दर के मामले में स्वतंत्रता दी है।

पीएसयू बैंकों का शुद्ध लाभ मार्च में बढ़ा

सरकारी बैंकों का शुद्ध लाभ मार्च, 2024 को समाप्त वित्त वर्ष में 1.4 लाख करोड़ रुपये को पार कर गया है, जो इससे पिछले साल की तुलना में 35 प्रतिशत अधिक है।

जीएसटी संयोजन योजना में मंत्रालय से पहचान करने कहा

उच्च जोखिम वाले करदाताओं की जल्द पहचान करे मंत्रालय

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (सीएजी) ने वित्त मंत्रालय से जीएसटी संयोजन योजना में उच्च जोखिम वाले करदाताओं की समय-समय पर पहचान करने और कर चोरी रोकने के लिए तीसरे पक्ष सहित अन्य स्रोतों से उनकी बिक्री के घोषित मूल्य का सत्यापन करने को कहा है।

सीएजी ने वित्त वर्ष 2019-20 से 2021-22 के बीच केंद्रीय क्षेत्राधिकार के तहत 8.66 लाख कंपोजिशन करदाताओं का विश्लेषण किया है। इसके आधार पर सीएजी ने पाया कि बड़ी संख्या में जीएसटी करदाताओं के कंपोजिशन लेवी स्कीम के लिए कारोबार सीमा पार करने का उच्च जोखिम है। इन उच्च जोखिम वाले करदाताओं की पहचान जीएसटी रिटर्न जैसे जीएसटीआर-4ए, जीएसटीआर-7 में निहित डेटा के साथ-साथ तीसरे पक्ष के डेटा स्रोतों जैसे आईटी रिटर्न, 'वाहन' डेटाबेस आदि से ऑडिट द्वारा की गई थी। जीएसटी कंपोजिशन स्कीम उन करदाताओं के लिए उपलब्ध है जिनका कुल कारोबार पिछले वित्त वर्ष में 1.5 करोड़ रुपये से अधिक नहीं रहा है। विशेष श्रेणी वाले राज्यों के करदाताओं के लिए यह सीमा 75 लाख रुपये है। सीएजी ने कहा कि सीएलएस करदाताओं के संबंध में दो प्रमुख जोखिम क्षेत्र- योजना में बने रहने के लिए करदाताओं द्वारा 'बाह्य आपूर्ति के मूल्य' की कम घोषणा करना तथा सीएलएस का लाभ उठाने के लिए पात्रता शर्तों को पूरा न करना है।

आपूर्ति के मूल्य का सत्यापन जरूरी

हाल ही में संसद में पेश रिपोर्ट में सीएजी ने कहा, "मंत्रालय को जोखिम-आधारित दृष्टिकोण का उपयोग करते हुए समय-समय पर सीएलएस में उच्च जोखिम वाले करदाताओं की पहचान करनी चाहिए तथा अयोग्य व्यक्तियों द्वारा दुरुपयोग की संभावना को कम करने के लिए तीसरे पक्ष सहित अन्य स्रोतों से उनकी घोषित बाहरी आपूर्ति के मूल्य का सत्यापन करना चाहिए।"

ओला इलेक्ट्रिक के शेयर पर लगा अपर सर्किट

नई दिल्ली। भाविश अग्रवाल की अगुवाई वाली ओला इलेक्ट्रिक मोबिलिटी लि. का शेयर सोमवार को 10 फीसदी उछलकर उच्च सर्किट सीमा पर पहुंच गया। इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहन बनाने वाली कंपनी का शेयर नौ अगस्त को सूचीबद्ध हुआ था। यह अपने निर्गम मूल्य 76 रुपये के मुकाबले अब तक 92.14 प्रतिशत चढ़ चुका है। ओला इलेक्ट्रिक का शेयर सोमवार को बीएसई में 10 प्रतिशत चढ़कर 146.03 रुपये पर रहा। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज में यह 9.99 % चढ़कर 146.38 रुपये पर पहुंच गया।

पेट्रोल में 20% एथनॉल मिश्रण के लिए और गन्ने के जरूरत

मुंबई। एथनॉल आपूर्ति वर्ष (ईएसवाई) 2025 तक पेट्रोल में 20 प्रतिशत मिश्रण के सरकार के लक्ष्य को हासिल करने के लिए अधिक गन्ने के उपयोग की आवश्यकता होगी। सोमवार को एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है। इससे चीनी भंडार स्तर और मिल मालिकों के नकदी प्रवाह में भी सुधार होने की संभावना है। ईएसवाई नवंबर से अक्टूबर महीने तक चलता है।

क्रिसिल रेटिंग्स ने एक रिपोर्ट में कहा कि भारत को ईएसवाई 2025 तक पेट्रोल में 20 प्रतिशत एथनॉल मिलाने का लक्ष्य - या सालाना 990 करोड़ लीटर - के लिए इसकी आपूर्ति बढ़ाने को अनाज और गन्ने दोनों के फीडस्टॉक के प्रभावी उपयोग की आवश्यकता होगी। इसमें कहा गया है कि अगले सत्र तक अनाज से वार्षिक एथनॉल उत्पादन में उल्लेखनीय वृद्धि होकर इसके 600 करोड़ लीटर तक पहुंचने की उम्मीद है (इस सत्र का उत्पादन अनुमान 380 करोड़ लीटर है)। क्रिसिल रेटिंग्स ने कहा कि शेष मात्रा का उत्पादन गन्ने से एथनॉल के प्रसंस्करण द्वारा करना होगा, जो पर्याप्त क्षमता को देखते हुए व्यावहारिक है।

क्रिसिल रेटिंग्स ने कहा कि यह बदले में चीनी भंडार को अनुकूलित करने में मदद कर सकता है, विशेष रूप से एथनॉल उत्पादन और निर्यात के लिए 'डायवर्जन' पर सरकारी प्रतिबंध के कारण चालू सत्र के अंत में अपेक्षित उच्च पहले का बचे (कैरी-ओवर) स्टॉक को देखते हुए ऐसा कहा जा सकता है।

गन्ने के उपयोग की मात्रा निर्धारित

हालांकि, एथनॉल के उत्पादन के लिए अनाज के उपयोग को नियंत्रित नहीं किया जाता है, लेकिन सरकार आने वाले वर्ष के लिए चीनी की मांग-आपूर्ति संतुलन के अपने अनुमान के आधार पर गन्ने के उपयोग की मात्रा निर्धारित करती है।

जमा बीमा दायरे में समय-समय पर संशोधन की जरूरतः आरबीआई

जयपुर। भारतीय रिजर्व बैंक के डिप्टी गवर्नर एम राजेश्वर राव ने जमा बीमा दायरा सीमा में समय-समय पर संशोधन की जरूरत बताई है। इसका कारण जमा बीमा के मूल्य का बढ़ना, मुद्रास्फीति और आय स्तर में वृद्धि है। वर्तमान में जमा बीमा दायरा सीमा पांच लाख रुपये है। डिप्टी गवर्नर ने पिछले सप्ताह यहां जमा बीमा और कर्ज गारंटी निगम द्वारा आयोजित आईएडीआई (जमा बीमाकर्ताओं का अंतरराष्ट्रीय संघ) एशिया-प्रशांत क्षेत्रीय समिति अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के समापन भाषण में कहा कि ग्राहक जमा के लिए बीमा दायरे को पर्याप्त बनाना महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि भारत में 31 मार्च, 2024 तक बैंकों में कुल खातों में पूरी तरह से सुरक्षित खाते 97.8 प्रतिशत थे, जबकि अंतरराष्ट्रीय मानक 80 प्रतिशत है। राव ने कहा कि हालांकि इस समय दायरा संतोषजनक लगता है लेकिन आगे चुनौतियां लग रही हैं। राव ने 14 अगस्त को अपने संबोधन में कहा, आज हम भारत को सबसे तेजी से बढ़ती बड़ी वैश्विक अर्थव्यवस्थाओं में से एक मानते हैं और यह वृद्धि दर निकट भविष्य में भी जारी रहने की उम्मीद है।

सेंसेक्स में मामूली 12 अंक की गिरावट आई

शेयर बाजार में सीमित कारोबार के बीच सेंसेक्स, निफ्टी लगभग स्थिर

एजेंसी ▶▶ मुंबई

स्थानीय शेयर बाजारों में सोमवार को कारोबार सीमित रहा और बीएसई सेंसेक्स में मामूली 12 अंक की गिरावट आई। किसी ठोस संकेत के अभाव में निवेशकों ने बाजार से दूरी बनाये रखी। प्रतिभागियों ने मूल्यांकन अधिक होने को लेकर चिंता के बीच प्रमुख शेयरों में मुनाफावसूली की। धातु, तेल एवं गैस तथा आईटी शेयरों में चुनिंदा लिवाली भी हुई जिससे बाजार को समर्थन मिला।

कारोबार सीमित दायरे में रहा और तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 12.16 अंक यानी 0.02 प्रतिशत की मामूली गिरावट के साथ 80,424.68 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह ऊंचे में 80,724.40 अंक तक गया और नीचे में 80,332.65 अंक तक आया। हालांकि, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 31.50 अंक यानी 0.13 प्रतिशत की बढ़त के साथ 24,572.65 अंक पर बंद हुआ। जियोजीत फाइनेंशियल सर्विसेज के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, ''घरेलू बाजार शुरुआती लाभ को बरकरार नहीं रख पाये। इसका कारण खासकर मांग में नरमी से वाहन शेयरों में मुनाफावसूली रही।'' उन्होंने कहा, ''कच्चे तेल पर अप्रत्याशित लाभ कर में कमी से तेल शेयर लाभ में रहे। अमेरिका में ताजा आर्थिक आंकड़े से मंदी की आशंका कम हुई है। वहीं डॉलर सूचकांक में गिरावट से सितंबर में एफओएमसी की बैठक में नीतिगत दर में कटौती की संभावना को समर्थन मिला है।''

इन शेयरों में रही घटबढ़

सेंसेक्स में शामिल कंपनियों में महिंद्रा एंड महिंद्रा, इंडसइंड बैंक, भारती एयरटेल, एक्सिस बैंक, टाटा मोटर्स और आईसीआईसीआई बैंक प्रमुख रूप से नुकसान में रहीं। इसके उलट, लाभ में रहने वाले शेयरों में टाटा स्टील, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, एनटीपीसी, जेएसडब्ल्यू स्टील, एशियन पेंट्स और रिलायंस इंडस्ट्रीज शामिल हैं।

एप्पल ने भारत में आईफोन का विनिर्माण शुरू किया

4 साल में एप्पल ने भारत की दिग्गज कंपनियों को पीछे छोड़ा

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

टॉप ग्लोबल टेक कंपनी एप्पल के लिए भारतीय बाजार शानदार साबित हो रहा है। भारत में आईफोन बनाने वाली कंपनी एप्पल को विनिर्माण शुरू करने का जबरदस्त फायदा हो रहा है। देखते ही देखते भारत में उसका बिजनेस इतना बड़ा हो चुका है कि दशकों पुरानी कई दिग्गज भारतीय कंपनियों की पूरी वैल्यू उसके सामने छोटी पड़ गई है। एक रिपोर्ट में अधिकारियों के हवाले से बताया गया है कि भारत में एप्पल का बिजनेस 2 लाख करोड़ रुपए के पार निकल चुका है। वित्त वर्ष 2023-24 में एप्पल का बिजनेस 2 लाख करोड़ रुपए के पार निकल गया। पिछले महीने बजट से पहले पेश आर्थिक समीक्षा में भी बताया गया था कि एप्पल का बिजनेस भारत में किसी मल्टीनेशनल कंपनी का सबसे विशाल इकोसिस्टम का रूप ले चुका है।

इन दिग्गज कंपनियों की वैल्यू भी कम

बीते 4 सालों में एप्पल का भारतीय बिजनेस किस कदर बढ़ा है, उसका अंदाजा कई दशकों पुरानी दिग्गज भारतीय कंपनियों की पूरी वैल्यू के साथ तुलना कर लगाया जा सकता है। उदाहरण के लिए नवरत्न सरकारी कंपनी गेल का मार्केट कैप अभी डेढ़ लाख करोड़ रुपए से कुछ ज्यादा है। टाटा समूह की टाटा स्टील की वैल्यू 1.87 लाख करोड़ रुपए है। दिग्गज मेटल व माइनिंग कंपनी वेदांता का बाजार पूंजीकरण 1.67 लाख करोड़ रुपए है। कंपनीज मार्केट कैप के आंकड़ों के अनुसार, भारत में अभी सिर्फ 46 ऐसी कंपनियां हैं, जिनका बाजार पूंजीकरण 2 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा है।

इस तरह तेज हुआ भारत में बिजनेस

एप्पल ने भारत में विनिर्माण को लेकर सबसे पहले 2016 में सरकार के साथ चर्चा शुरू की थी। उसके बाद 2019 में सरकार ने एप्पल के अलावा सैमसंग समेत कई विदेशी व घरेलू कंपनियों के साथ चर्चा की थी। सरकार ने 2020 में पहली बार स्मार्टफोन के लिए प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेंटिव स्कीम की शुरुआत की थी। एप्पल स्मार्टफोन के लिए पीएलआई स्कीम का फायदा उठाने वाली सबसे प्रमुख कंपनी बनकर उभरी है।

50 सालों में नहीं हुआ ऐसा काम

भारत में एप्पल का बिजनेस वैसे तो कई सालों से है, लेकिन उसे उल्लेखनीय गति बीते दो-चार सालों में मिली है, जब कंपनी ने अपने विनिर्माण बेस को चीन से शिफ्ट करने की रणनीति अपनाई। आईफोन समेत अन्य डिवाइस का विनिर्माण भारत में शुरू करने के बाद एप्पल के बिजनेस में जो तेजी आई है, उसे अधिकारी पिछले 50 सालों में भारत में किसी कंपनी का सबसे शानदार प्रदर्शन बता रहे हैं।

जयपुर में बन रहा देश का सबसे ऊंचा अस्पताल

निर्माणाधीन हाईटेक हॉस्पिटल की विशेषताएं

- सवाई मानसिंह अस्पताल में बन रहा 116 मीटर ऊंचा आईपीडी टॉवर
- 25660 वर्ग मीटर और 8 लाख वर्ग फीट क्षेत्र में हो रहा तैयार
- अनुमानित लागत 588 करोड़ रुपए
- टॉवर में 16 लिफ्ट और एयर एंबुलेंस के लिए छत पर दो हेलीपैड
- 24 मंजिला इमारत में एक ही छत के नीचे विश्वस्तरीय चिकित्सा सुविधाएं
- 1200 बेड, 166 आईसीयू बेड, 100 ओपीडी रजिस्ट्रेशन काउंटर
- 20 आईसीयू, 20 ओपीडी, 4 कैथ लैब, एक टीचिंग रूम, एक मेडिकल शहीद स्मारक
- 92 प्रीमियम कमरे और 150 कॉटेज वार्ड उपलब्ध होंगे
- दुकानें, मेस, स्काई लाउंज, चिकित्सा विज्ञान संग्रहालय भी
- दिल और गुर्दा सहित अन्य अंगों का प्रत्यारोपण होगा
- टावर के सभी ब्लॉक एकीकृत भवन प्रबंधन प्रणालियों के माध्यम से एक दूसरे से जुड़े हुए होंगे

कश्मीर में सीमा सुरक्षा बल के जवान को बच्चियों ने राखी बांधी।

देशभर में धूमधाम और हर्षोल्लास से मनाया गया रक्षाबंधन, बहनों ने भाइयों को बांधी राखी

नई दिल्ली में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने दिव्यांयों को राखी बांधी।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को वात्सल्य ग्राम की बहनों ने राखी बांधी।

भुवनेश्वर में ओडिशा के सीएम मोहन चरण मांझी को डिप्टी सीएम प्रवित्रा परिदा ने राखी बांधी।

आंध्रप्रदेश के सीएम चंद्रबाबू नायडू को ब्रह्मकुमारियों ने राखी बांधी।

अटारी-वाघा बॉर्डर पोस्ट पर बीएसएफ के जवानों को राखी बांधी।

डॉक्टर दुष्कर्म-हत्या मामले में भाजपा ने सीएम ममता बेनर्जी पर साधा निशाना

राज्यपाल बोले- प. बंगाल में लोकतंत्र कमजोर हो रहा, महिलाओं के लिए सुरक्षित जगह नहीं

आरजी कर मेडिकल कॉलेज की घटना के मद्देनजर पश्चिम बंगाल के राज्यपाल बोस ने सोमवार को कहा कि बंगाल महिलाओं के लिए सुरक्षित जगह नहीं है। मौजूदा सरकार ने अपनी महिलाओं को नाकाम किया है।

एजेंसी ▶▶ कोलकाता

पश्चिम बंगाल के राज्यपाल सीवी आनंद बोस ने सोमवार को कहा कि बंगाल महिलाओं के लिए सुरक्षित जगह नहीं है। बंगाल ने अपनी महिलाओं को नाकाम कर दिया है। समाज नहीं, बल्कि मौजूदा सरकार ने अपनी महिलाओं को नाकाम किया है। उन्होंने कहा कि बंगाल को उसके प्राचीन गौरव की स्थिति में वापस लाया जाना चाहिए, जहां महिलाओं को समाज में सम्मानजक स्थान मिलता था। अब महिलाएं गुंडों से डरती हैं।

यह स्थिति सरकार की असंवेदनशीलता के कारण बनी है। राज्यपाल ने रक्षाबंधन के मौके राजभवन में महिला नेताओं और डॉक्टरों से मुलाकात की। आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल के मामले पर राज्यपाल ने कहा कि मैं (पीड़िता की) मां की भावनाओं का सम्मान करता हूं। कानून अपनी प्रक्रिया का पालन करेगा। उन्होंने कहा, पश्चिम बंगाल में लोकतंत्र कमजोर हो रहा है। यह नहीं चल सकता। आज हमें अपनी बेटियों-बहनों की रक्षा करने की शपथ लेनी होगी। समाज ऐसा होना चाहिए, जहां महिलाएं खुश और सुरक्षित महसूस करें। हम अपनी बहनों के प्रति अपने मिशन में विफल रहे हैं।

सरकार की असंवेदनशीलता के कारण ऐसी स्थिति बनी

ममता बेनर्जी की सरकार ने महिलाओं को नाकाम किया

अब महिलाएं गुंडों से डरती हैं

पिता बोले- ममता से संतुष्ट नहीं, मुआवजा नहीं लेंगे

पीड़ित के पिता ने बंगाल सरकार पर घटना को लेकर लोगों के आक्रोश को दबाने का भी आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि हम सीएम ममता बेनर्जी से संतुष्ट नहीं हैं। राज्य सरकार विरोध-प्रदर्शन को दबाने की कोशिश कर रही है। पूरा विभाग इसमें शामिल है। कॉलेज से भी किसी ने हमारी मदद नहीं की। हमने कोई भी मुआवजा लेने से इनकार कर दिया है।

टीएमसी सांसद ने पुलिस के नोटिस को कोर्ट में चुनौती दी

तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के सांसद सुखेंदु शेखर रॉय ने कथित बलात्कार और हत्या को लेकर सोशल मीडिया पर पोस्ट करने के संबंध में पुलिस द्वारा उन्हें भेजे गए नोटिस को सोमवार को कलकत्ता उच्च न्यायालय में चुनौती दी। कोलकाता पुलिस ने रविवार को वरिष्ठ राजनीतिक नेता को नोटिस जारी कर उन्हें पेश होने को कहा था। न्यायमूर्ति राजर्षि भारद्वाज ने रॉय के वकील को नोटिस को चुनौती देने के लिए याचिका दायर करने की अनुमति दे दी।

सीएम बने रहने का अधिकार नहीं

भारतीय जनता पार्टी के नेता शहजाद पूनावाला ने सीएम ममता बेनर्जी पर निशाना साधते हुए कहा कि उन्हें सीएम बने रहने का कोई अधिकार नहीं है। सवाल उठता है कि सीएम ममता बनर्जी इस्तीफा देने के बजाए जो भी इस मुद्दे पर आवाज उठा रहे हैं, उन्हें नोटिस भेज रही है और धमका रही है। पुलिस डॉक्टरों को बुला रही है। जब उनके नेता आवाज उठाते हैं तो उन्हें भी तलब किया जा रहा है। सरकार ने सबूतों को नष्ट करने के लिए संस्थागत और प्रणालीगत दृष्टिकोण अपनाया। कलकत्ता हाईकोर्ट पहले ही इस मामले पर बंगाल सरकार के प्रति असंतोष जता चुकी है। अब सुप्रीम कोर्ट ने भी मामले का संज्ञान लिया है।

सोनिया गांधी मामले पर चुप्पी तोड़ें: केसवण

भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता सीआर केसवन ने कहा, कांग्रेस की संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी कोलकाता की इस घिनौनी घटना पर चुप्पी क्यों साधे हुए हैं? सोनिया गांधी ने तृणमूल सरकार की निंदा क्यों नहीं की, जो न्याय की मांग करने वालों की आवाजों को दबा रही है? यह समय है कि सोनिया गांधी अपनी चुप्पी तोड़ें और भारत के लोकतंत्र के सबसे अंधकारमय अध्यायों में से एक पर बोलें, जो इंदिरा गांधी की आपातकाल के बाद का है।

राहुल के बयान पर केंद्र का वार

वैष्णव बोले- यूपीए ने ही बनाया था सुधार आयोग

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

सीधी भर्ती (लेटरल एंट्री) को लेकर राहुल गांधी के बयान पर केंद्र सरकार ने हमला किया है। भाजपा नेता और केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि यूपीए सरकार ही सबसे पहले प्रशासनिक सुधार आयोग को लेकर आई थी। राहुल गांधी ने एक्स पर आरोप लगाया था कि मोदी सरकार यूपीएससी से नहीं बल्कि आरएसएस से भर्ती कर रही और एससी-एसटी और ओबीसी कोटे का आरक्षण छीन रही है। इस बयान का केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने पलटवार किया है।

वैष्णव ने कहा कि सीधी भर्ती को लेकर पहला प्रयास यूपीए सरकार ने किया था। प्रशासनिक सुधा आयोग को 2005 में यूपीए सरकार में ही विकसित किया गया था। उन्होंने कहा कि वरिष्ठ कांग्रेस नेता वीरप्पा मोइली ने प्रशासनिक सुधार आयोग की अध्यक्षता की थी। आयोग को भारतीय प्रशासनिक प्रणाली को अधिक प्रभावी, पारदर्शी और नागरिक अनुकूल बनाने के लिए सुधारों की सिफारिश करने का काम सौंपा गया था। इसकी एक प्रमुख सिफारिश यह थी कि उच्च सरकारी पदों पर लेटरल एंट्री शुरू की जाए, जिसके लिए विशेष ज्ञान और कौशल की आवश्यकता होती है। उन्होंने कहा कि एनडीए ने इस सिफारिश को लागू किया है। इसके तहत यूपीएससी से पारदर्शी और निष्पक्ष भर्ती की जाएगी और शासन

बहुजनों से आरक्षण छीन रहे

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने 'लेटरल एंट्री' के जरिये लोक सेवकों की भर्ती को लेकर सोमवार को एक फिर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर निशाना साधा और आरोप लगाया कि भाजपा का राम राज्य का विकृत संस्करण संविधान नष्ट करना चाहता है और बहुजनों से आरक्षण छीनना चाहता है। राहुल ने 'एक्स' पर पोस्ट किया कि लेटरल एंट्री दलितों, ओबीसी और आदिवासियों पर हमला है।

चंपई के गढ़ से करीब 20 फीसदी सीटें

3 जुलाई को ही लिखी जा चुकी थी पूर्व सीएम के बगावत की स्क्रिप्ट

एजेंसी ▶▶ रांची

झारखंड के पूर्व सीएम चंपई सोरेन की सियासी बगावत कहने को तो 24 घंटे पहले ही खुलकर सामने आई है। लेकिन हकीकत में इसकी पूरी पटकथा आज से तकरीबन 45 दिन पहले 3 जुलाई को ही लिखी जा चुकी थी। दरअसल, वह तीन जुलाई का दिन था, जब चंपई सोरेन को सीएम पद से इस्तीफा देने के लिए विधायक दल की बैठक में कहा गया था। उसी दिन तय हो गया था कि झारखंड की सियासत में आने वाले विधानसभा चुनाव से पहले बड़ी बगावत देखने को मिल सकती है।

दरअसल झारखंड में चंपई सोरेन जिस आदिवासी कोल्हान इलाके से आते हैं, वहां पर पूरे राज्य की तकरीबन 20 फीसदी सीटें हैं। सियासी गलियारों में कहा जा रहा है कि अगर चंपई सोरेन भाजपा के साथ नहीं जाते हैं, तो आने वाले चुनाव में नई पार्टी बनकर सियासी मैदान में उतर सकते हैं।

बाबूलाल मरांडी बोले- वे खुद तय करेंगे रास्ता: झारखंड के पूर्व सीएम चंपई सोरेन के भाजपा में शामिल होने की चर्चा के बीच भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने कहा कि भाजपा में शामिल होने के संबंध में चंपई सोरेन से अभी तक कोई बातचीत नहीं हुई है। चंपई मंझे हुए राजनेता हैं और वे अपना रास्ता खुद तय करेंगे। उन्होंने कहा कि चंपई सोरेन एक अनुभवी राजनेता हैं और अलग झारखंड आंदोलन का हिस्सा रहे हैं। जिस तरह उन्हें सीएम पद से हटाया गया है। इससे वह आहत हैं।

खबर संक्षेप

राज्यसभा जाएंगे उपेंद्र एनडीए का ऐलान

पटना। एनडीए घटक के सहयोगी दल और राष्ट्रीय लोकमोर्चा के प्रमुख उपेंद्र कुशवाहा राज्यसभा जाएंगे। इसके लिए वह नामांकन दाखिल करेंगे। इस बात की घोषणा एनडीए ने की है। राष्ट्रीय लोकमोर्चा के मुताबिक़ एनडीए की तरफ से उपेंद्र कुशवाहा 21 अगस्त को 11 बजे नामांकन दाखिल करेंगे क्योंकि नामांकन दाखिल करने का यह आखिरी दिन है। उपेंद्र कुशवाहा एनडीए गठबंधन के सभी वरिष्ठ नेताओं की उपस्थिति में अपना नामांकन दाखिल करेंगे।

मराठा आरक्षण का मुद्दा गरमाया

फडणवीस बोले- मैं संन्यास ले लूंगा सीएम एकनाथ शिंदे बताएं सच्चाई

एजेंसी ▶▶ मुंबई

विधानसभा चुनाव से पहले मराठा आरक्षण का मुद्दा एक बार फिर गरमाया हुआ है। आरक्षण के लिए आंदोलन कर रहे मनोज जारांगे पाटिल इस मांग पर अड़े हैं कि मराठा समुदाय को ओबीसी से आरक्षण दिया जाए।

हालांकि, जारांगे पाटिल लगातार देवेंद्र फडणवीस पर सरकार के वादे पूरे न करने का आरोप लगाते रहे हैं। इस पर डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस ने बयान दिया है कि जरांगे पाटिल को अभी शिंदे साहब से पूछना चाहिए और अगर मैंने शिंदे साहब को मराठा आरक्षण के लिए कोई भी फैसला लेने से रोका तो मैं उसी वक्त इस्तीफा दे दूंगा और राजनीति से संन्यास ले लूंगा। डिप्टी सीएम के बयान पर सीएम एकनाथ शिंदे ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि मराठा आरक्षण पर फडणवीस का बयान सच है।

महाराष्ट्र एनडीए में फिर उठापटक

अजित पवार को भाजपा कार्यकर्ताओं ने दिखाए काले झंडे, एनसीपी नाराज

एजेंसी ▶▶ पुणे

महाराष्ट्र की सत्ताधारी एनडीए यानी महायुति गठबंधन में सब कुछ सामान्य नहीं चल रहा है। पुणे जिले के जुन्नार इलाके में 'जन सम्मान यात्रा' के दौरान उपमुख्यमंत्री अजित पवार को कुछ लोगों के एक समूह ने काले झंडे दिखाए और उनके खिलाफ नारे भी लगाए।

उन प्रदर्शनकारियों में से कुछ लोगों ने हाथों में भाजपा के झंडे लिए हुए थे और उन्होंने आधिकारिक समारोह आयोजित करने तथा सहयोगियों को "दरकिनार" करने के लिए पवार की आलोचना की। प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि अजित पवार ने गठबंधन सहयोगियों को जुन्नार पर्यटन क्षेत्र समेत कई योजनाओं से जुड़ी समीक्षा बैठकों में नजरअंदाज किया और उन्हें शामिल होने से वंचित रखा। जुन्नार को को 2018 में राज्य का पहला विशेष पर्यटन क्षेत्र घोषित किया गया था।

फर्जी निकला एनसीसी कैंप

आयोजक और विद्यालय के प्रिंसिपल समेत 11 गिरफ्तार

एजेंसी ▶▶ कृष्णागिरी

तमिलनाडु के कृष्णागिरी में एनसीपी कैंप में शामिल होने के लिए निकलीं कुछ लड़कियों के साथ कुछ ऐसा हुआ, जिससे वह काफी डरी हुई हैं। यह एनसीसी कैंप ही फर्जी निकला, जहां एक लड़की का यौन उत्पीड़न और 13 अन्य बच्चियों के साथ छेड़छाड़ का मामला सामने आया है।

पुलिस ने बताया कि कैंप के आयोजक और स्कूल के प्रिंसिपल समेत 11 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। इनमें दो टीचर और एक पत्रकार भी शामिल है। जिला पुलिस अधीक्षक पी थंगादुरई ने कहा कि स्कूल ने कैंप के लिए जिस समूह को चुना था, उसका बैंकग्राउंड तक चेक नहीं कराया। उन्होंने कहा कि इस महीने की शुरुआत में आयोजित तीन दिवसीय शिविर में 17 लड़कियों सहित कुल 41 छात्रों ने भाग लिया था।

रोडवेज बस में सामूहिक दुष्कर्म

देहरादून। उत्तराखंड के देहरादून में पंजाब की एक नाबालिग लड़की के साथ सामूहिक दुष्कर्म का मामला सामने आया है। यहां अंतरराज्यीय बस अड्डा (आइएसबीटी) परिसर में खड़ी बस में दरिंदों ने 16 वर्षीय किशोरी से हैवानियत का सारी हदें पार कर दीं। चाइल्ड वेलफेयर कमेटी की टीम ने जब आईएसबीटी से किशोरी को रेस्क्यू किया तो घटना का खुलासा हुआ। कमेटी ने काउंसलिंग के बाद टीम ने शनिवार को आईएसबीटी चौकी पर मुकदमा दर्ज कराया है। पुलिस मामले में जांच कर रही है।

लालू यादव के दामाद डिप्टी सीएम के होंगे उम्मीदवार

रेवाड़ी। लालू यादव के दामाद और पहली बार विधायक बने कांग्रेस नेता चिरंजीव राव ने डिप्टी सीएम पद के लिए दावेदारी पेश की है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की सरकार बनने पर वे डिप्टी सीएम बनेंगे। उनके पिता कैप्टन अजय सिंह यादव रेवाड़ी सीट से 6 बार विधायक रह चुके हैं। चिरंजीव राव ने कार्यकर्ताओं के बीच अपने 5 साल का रिपोर्ट कार्ड भी पेश किया। चिरंजीव राव ने कहा कि अगर रेवाड़ी की जनता उन्हें इस बार विधायक चुनती है तो सरकार बनने पर वे डिप्टी सीएम के दावेदार होंगे।

सुप्रीम कोर्ट में केंद्र सरकार का हलफनामा

कहा- मुस्लिम महिलाओं को न्याय दिला रहा तीन तलाक

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

तीन तलाक कानून को लेकर दायर याचिका के जवाब में केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में हलफनामा दायर किया है। इसमें कहा गया है कि तीन तलाक कानून मुस्लिम महिलाओं को न्याय दिला रहा है। साथ ही विवाहित मुस्लिम महिलाओं के अधिकारों का संरक्षण करता है।

खुद को सुन्नी विद्वानों का संघ बताने वाले केरल के जमीयतुल उलेमा ने मुस्लिम महिला अधिनियम 2019 को असंवैधानिक बताते हुए याचिका दायर की थी। याचिका में कहा गया था कि जब सुप्रीम कोर्ट ने तीन तलाक को अमान्य करार कर दिया है तो इसे अपराध घोषित नहीं किया जाना चाहिए। इसे लेकर केंद्र ने सुप्रीम कोर्ट में केंद्र सरकार ने हलफनामा दायर किया है।

देश के लोगों के लिए क्या अच्छा, क्या नहीं विधानमंडल का काम एससी संसद द्वारा पारित कानूनों की बुद्धिमता पर विचार नहीं कर सकता

कानून में कड़े प्रावधानों की जरूरत

सरकार ने कहा कि तीन तलाक की प्रथा मुस्लिम महिलाओं के लिए घातक और उनकी स्थिति को दयनीय बना देती है। सुप्रीम कोर्ट की ओर से 2017 में इस प्रथा को अमान्य करार किए जाने को कुछ ही मुस्लिम समुदायों ने वैध माना है। इसके बाद भी तीन तलाक के मामले पूरी तरह नहीं रुके। तीन तलाक की पीड़िताओं के पास पुलिस के पास जाने के अलावा कोई विकल्प नहीं है।

2019 अधिनियम मुस्लिम महिलाओं की मदद करता है

सरकार ने तर्क दिया कि 2019 अधिनियम विवाहित मुस्लिम महिलाओं को न्याय और समानता के बड़े संवैधानिक लक्ष्यों को सुनिश्चित करने में मदद करता है। उनके गैर-भेदभाव और सशक्तिकरण के मौलिक अधिकारों को संरक्षित करने में मदद करता है। सरकार ने हलफनामे में कहा है कि अभी कानून में अपने विवेक से तीन तलाक लेने वाली विवाहित महिलाओं की रक्षा के लिए प्रावधान किए गए हैं। जबकि कानून में कड़ी कार्रवाई के प्रावधान निहित किए जाने चाहिए।

सरकार को काम करने दिया जाए

हलफनामे में कहा गया है कि सुप्रीम कोर्ट संसद द्वारा पारित कानूनों की बुद्धिमत्ता पर विचार नहीं कर सकता। इस बात पर चर्चा नहीं कर सकता कि कानून क्या होना चाहिए। सरकार ने तर्क दिया कि देश के लोगों के लिए क्या अच्छा है और क्या नहीं यह तय करना विधानमंडल का काम है। उसे अपनी शक्तियों के अनुरूप काम करने की छूट दी जानी चाहिए।

मुडा मामले में सिद्धारमैया को बड़ी राहत

हाईकोर्ट का आदेश- सुनवाई पूरी न होने तक नहीं होगी गिरफ्तारी

एजेंसी ▶▶ बेंगलुरु

कर्नाटक के सीएम सिद्धारमैया को हाईकोर्ट से बड़ी राहत मिली है। जमीन से जुड़े भ्रष्टाचार के एक मामले में फिलहाल उनकी गिरफ्तारी नहीं होगी।

कर्नाटक हाईकोर्ट ने एमपी-एमएलए कोर्ट को आदेश दिया है कि जब तक मामले की सुनवाई पूरी नहीं जो जाती, तब तक उनके खिलाफ कोई कार्रवाई न की जाए। तब तक मामले को सस्पेंड रखा जाए। जस्टिस एम. नागप्रसन्ना ने सिद्धारमैया की अपील पर यह अंतरिम आदेश पारित किया। सिद्धारमैया ने राज्यपाल के उस आदेश को चुनौती दी थी, जिसमें उनके खिलाफ मामला चलाने की अनुमति दी गई थी। मामले की अगली सुनवाई 29 अगस्त को होगी। हाईकोर्ट ने कहा कि चूंकि मामले की सुनवाई इस अदालत में हो रही है और दलीलें अभी पूरी नहीं हुई हैं, इसलिए अगली सुनवाई तक अदालत अपनी कार्यवाही स्थगित रखेगी।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक राजेश मीणा द्वारा अम्बर ऑफसेट प्रा. लि., डी एल टॉवर, 3-ए, विद्याआश्रम संस्थानिक क्षेत्र, जेएलएन मार्ग, जयपुर से मुद्रित एवं बी-66, कुसुम विहार, जगतपुरा, मालवीया नगर, जयपुर से प्रकाशित।
सम्पादक-राजेश मीणा, Email : sanjeevnitoday@gmail.com मो: 8094811115, (पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी)